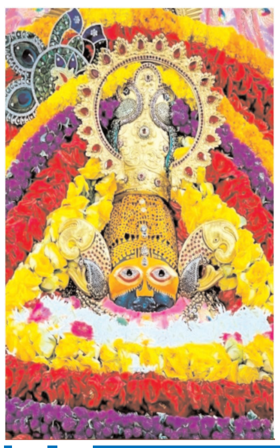

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :16 । अंक:02। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 28 अगस्त 2026 (शुक्रवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

रक्षाबंधन से पहले जाम का झाम

दिल्ली-जयपुर हाईवे पर 8 किमी तक लगी वाहनों की कतार, गाजियाबाद में भी थमी रफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षाबंधन की पूर्व संध्या बृहस्पतिवार शाम को घर जाने वालों की भीड़ से जगह-जगह भीषण जमा लगा। दिल्ली-जयपुर हाईवे पर करीब आठ किलोमीटर लंबा जाम लग गया। गाजियाबाद में भी रफ्तार थमी। एनएच-नौ पर लालकुआं से डासना तक भयंकर जाम लगा रहा। यहां का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें वाहनों की कतार का अंत ही नहीं नजर आ रहा है।

गाजियाबाद में डायवर्जन के बावजूद बृहस्पतिवार को एनएच-9 पर भारी वाहनों की आवाजाही जारी रही। इससे हाईवे पर वाहनों का दबाव बढ़ गया और कई स्थानों पर जाम की स्थिति बन गई। डासना, लालकुआं और

सेक्टर-62 के पास वाहन रेंगते नजर आए। वेव सिटी के आगे एंबुलेंस भी जाम में फंसी रही। यातायात पुलिस ने रक्षाबंधन को देखते हुए 26 अगस्त से 28 अगस्त की रात तक एनएच-9 पर भारी वाहनों की आवाजाही पर रोक लगाई है। इन वाहनों को दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे (डीएमई) और ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे की ओर डायवर्ट करने की व्यवस्था की गई थी। इसके बावजूद बृहस्पतिवार सुबह कई भारी वाहन एनएच-9 पर पहुंच गए। डायवर्जन के पालन में लापरवाही से हाईवे पर वाहनों का दबाव और बढ़ गया। एनएच-9 पर लगे जाम का असर शहर के आंतरिक मार्गों पर भी पड़ा। प्रमुख मार्गों पर वाहनों की रफ्तार धीमी हो गई। सबसे ज्यादा परेशानी रक्षाबंधन पर घर जाने वाली बहनों और नौकरीपेशा लोगों को हुई। यात्रियों को गंतव्य तक पहुंचने में सामान्य से अधिक समय लगा।

> डीसीपी ट्रैफिक त्रिगुण बिसेन ने बताया कि त्योहार के चलते एनएच-9 पर यातायात का दबाव बढ़ा है। भारी वाहनों को हाईवे से बाहर किया जा रहा है। पुलिसकर्मियों को डायवर्जन का सख्ती से पालन कराने के निर्देश दिए गए हैं।

देश पर मंडरा रहा खतरा!

भारत में कभी भी तबाही मचा सकती हैं 2500 ग्लेशियर झीलें

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के 36 राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में से 27 प्रदेश, आपदा के लिहाज से अत्यधिक संवेदनशील या जोखिम वाली स्थिति में हैं। हिमनदी झील के फटने से आने वाली बाढ़ (जीएलओएफ) की स्थिति में जोखिम का आकलन करने की तकनीक तो विकसित कर ली गई है, लेकिन इससे बचाव अभी तक एक चुनौती बना हुआ है। देश के विभिन्न हिस्सों में बाढ़ मैदानी क्षेत्रों पर अतिक्रमण हो चुका है। नदी तल में अनियमित गतिविधियां जारी हैं। नदी बेसिन-स्तरीय योजना का अभाव है। ऐसे में अगर जीएलओएफ जैसा कुछ होता है तो उस दौरान जानमाल के बचाव का अचूक और सुरक्षित समाधान नजर नहीं आ रहा। देश में 25 सौ से अधिक ग्लेशियल झीलें संवेदनशील स्थिति में हैं तो वहीं हिमालय की 400 से अधिक ग्लेशियर झीलें तेजी से पिंघल रही हैं। तिब्बत से सटे नेपाल के रसुवा जिले की भोटेकोशी नदी में अचानक आई तेज बाढ़ से जानमाल की भारी क्षति हुई है। नेपाल के उत्तरी हिस्से में चीन-तिब्बत सीमा से निकलने वाली भोटेकोशी नदी को हिमालयी नदी कहा जाता है। नेपाल की इस भयानक त्रासदी के पीछे हिमनदी झील का फटना बताया जा रहा है। देश के अनेक भागों में बार-बार आने वाली बाढ़ की समस्या इसलिए गंभीर

हो जाती है, क्योंकि बाढ़ मैदानी क्षेत्रों पर अतिक्रमण हो चुका है। नदी तल में अनियमित गतिविधियां जारी हैं। नदी बेसिन-स्तरीय योजना का अभाव है। इसके चलते जब बाढ़ आती है तो भारी नुकसान होता है। अगर उक्त उपायों पर गंभीरता से काम हो तो जन-धन एवं संपत्ति की हानि को टाला जा सकता है।

पहाड़ों में तेज बारिश, बद्रीनाथ हाईवे 30 मीटर वॉशआउट:पिथौरागढ़ में लैंडस्लाइड; नेपाल की बाढ़ से चंपावत में अलर्ट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

देहरादून। उत्तराखंड के पहाड़ी जिलों में देर रात से रुक-रुककर बारिश का दौर जारी है। बारिश के चलते चमोली में बद्रीनाथ हाईवे पर जोशीमठ-मरवाड़ी पुल से आगे हाथीपहाड़ के पास सड़क करीब 30 मीटर तक वॉशआउट हो गई। हाईवे बंद होने से बद्रीनाथ धाम और हेमकुंड साहिब की यात्रा प्रभावित हुई है। मौके पर पुलिस बल तैनात किया गया है। चमोली में ही भूस्खलन के चलते निजमुला मार्ग बंद है। सुतोल गांव में भू-धंसाव से 10 मकानों में दरारें आने की सूचना है। प्रशासन की ओर से प्रभावित क्षेत्र पर नजर रखी जा रही है। वहीं, पिथौरागढ़ में आज सुबह लैंडस्लाइड हुई है, जिससे एलागाड़ में धारचूला-गुंजी सड़क बंद हो गई है। अल्मोड़ा, नैनीताल, हल्द्वानी, टिहरी, पौड़ी, रुद्रप्रयाग, खटीमा और उत्तरकाशी में भी रुक-रुककर बारिश हो रही है। नेपाल में भारी बारिश और बाढ़ की आशंका को देखते हुए सीमावर्ती चंपावत में प्रशासन ने सतर्कता बढ़ा दी है। शारदा नदी से जुड़े संवेदनशील इलाकों में विशेष निगरानी की जा रही है। मौसम विभाग के अनुसार, आज उत्तराखंड के पहाड़ी जिलों में अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश के साथ गरज-बौछार हो सकती है।

महाराष्ट्र भाषा विवाद:

ऑटो और टैक्सी वालों को मराठी सीखने के लिए मिलेगा एक साल

एजेंसी

नई दिल्ली। महाराष्ट्र सरकार ने ऑटो-रिक्शा और टैक्सी चालकों को बुनियादी मराठी सीखने के लिए एक साल का समय देने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार ने चालकों को भाषा सीखने के लिए एक साल की मोहलत देने का निर्णय लिया है। ऑटो-रिक्शा और टैक्सी चालकों के संगठनों के प्रतिनिधियों ने हाजी अराफात शेख के नेतृत्व में मुख्यमंत्री फडणवीस से मुलाकात की। फडणवीस ने बताया कि प्रतिनिधियों ने इस नियम का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि चालक बुनियादी मराठी

सीखने के लिए तैयार हैं। हालांकि, प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि चालक अलग-अलग उम्र के हैं। कई लोग वर्षों पहले औपचारिक पढ़ाई छोड़ चुके हैं। ऐसे में कम समय में मराठी सीखना उनके लिए मुश्किल है। उन्होंने सरकार से एक साल का समय देने की मांग की थी।

मामले से जुड़ी पांच बड़ी बातें

- ऑटो-रिक्शा चालकों के लिए यह फैसला किया गया है।
- टैक्सी चालक भी इस फैसले के दायरे में होंगे।
- चालकों को मराठी सीखने के लिए एक साल की मोहलत मिलेगी।
- उन्हें बुनियादी स्तर की मराठी सीखनी होगी।
- इस फैसले की जानकारी मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने दी।

एक वफ़ादार परिवार के बेटे के ख़िलाफ़ एक बड़ी राजनीतिक और प्रशासनिक साज़िश?

हेल्थ डिपार्टमेंट में खेला गया गंदा खेल!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात के हेल्थ सेक्टर और राजनीतिक गलियारों में एक बहुत बहस वाला और गंभीर मुद्दा सामने आया है। एक जाने-माने दलित परिवार के बेटे किरण पारिख, जिन्होंने 30 साल से ज़्यादा समय तक BJP और जनसंघ की वफ़ादारी से सेवा की और 52 सालों तक राज्य में मुफ़्त डायलिसिस सर्विस की नींव रखी, के ख़िलाफ़ तीखे आरोप लगे हैं कि हेल्थ डिपार्टमेंट के ही कुछ बड़े अधिकारियों और विरोधी तत्वों ने एक बड़ी साज़िश रची है।

अगर हम इस पूरे चैप्टर को क्रोनोलॉजी के हिसाब से देखें, तो कई शक वाली बातें सामने आती हैं। 10/3/25 को, किरण पारिख को हेल्थ डिपार्टमेंट के सबसे बड़े हेड ने सभी तरह के आरोपों से पूरी तरह क्लीन चिट दे दी थी। लेकिन, 23/4/25 को, डॉ. प्रांजल मोदी ने किरण पारिख को अपना बचाव करने का एक भी मौका दिए बिना तुरंत नौकरी से निकाल दिया। हैरानी की बात है कि उनके निकाले जाने के दो दिन बाद यानी 25/4/25 को ही एक जांच कमेटी बना दी गई! एडिशनल डायरेक्टर (मेडिकल एजुकेशन) श्री राघवेंद्र दीक्षित की अध्यक्षता में बनी इस कमेटी में तरूस्हरुके जनरल मैनेजर डॉ. समिध शाह और एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर श्री चरपोट सदस्य थे। यह गंभीर आरोप है कि इस कमेटी ने कुछ अनदेखी ताकतों के दबाव में आकर, हेल्थ डिपार्टमेंट के किसी भी व्यक्ति का बयान लिए बिना, 03/09/25 को एकतरफा और पक्षपाती शुरुआती रिपोर्ट पेश कर दी।

गौरतलब है कि किरण पारीख की तीन पीढ़ियों ने गुजरात सरकार और राजनीतिक क्षेत्र में बुनियादी सेवाएं दी हैं। उनके पिता श्री हरगोबिंदभाई परमार ने 52 साल से ज़्यादा समय तक डायलिसिस के क्षेत्र में लगातार सेवाएं दी हैं। आज पूरे गुजरात में घर बैठे जो मुफ्त और अच्छी क्वालिटी की डायलिसिस सेवाएं मिल रही हैं, वह परमार साहब की अथक कोशिशों का ही नतीजा है। पद्मश्री डॉ. एच. एल. त्रिवेदी साहेब ने उन्हें सम्मान पत्र भी दिया और साफ-साफ कहा कि 'उनके जैसे समर्पित व्यक्ति के बिना यह सेवा देना नामुमकिन होता।' उन्होंने पूर्व स्वास्थ्य मंत्री श्री जयनारायण व्यास, श्री नितिन पटेल और श्री ऋषिकेश पटेल के नेतृत्व में ईमानदारी से काम किया है।

उनके दादा जनसंघ के समय से ही जमीनी कार्यकर्ता थे और 1967 से 1972 तक कडी विधानसभा से MLA भी रहे थे। उसके बाद संघ ने उन्हें राज्यसभा के लिए चुना और जोटाना सीट से BJP से MLA का टिकट भी दिया। उन्होंने 30 साल से ज़्यादा समय तक सार्वजनिक जीवन में बेदाग सेवा दी है। अपने दादा के मूल्यों से प्रेरित होकर किरण पारिख ने अपने पैतृक कडी और कर्मभूमि अहमदाबाद में BJP के समर्थन में चुनावों में सक्रिय भूमिका निभाई है। हालांकि, एक दलित अधिकारी की सफलता और बढ़ते दबदबे पर कुछ ऊंची जाति के व्यापारियों और वर्ग के अधिकारियों की नज़र पड़ रही है। कांग्रेस से जुड़े और एडमिनिस्ट्रेटिव सिस्टम में घुसे लोग मीडिया ट्रायल करके किरण पारिख को बदनाम करने की साज़िश कर रहे हैं।

सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि हेल्थ मिनिस्टर द्वारा करोड़ों रुपये की 600 डायलिसिस मशीनों के करप्शन को लेकर विधानसभा में जो विवाद हुआ, उसमें 4 कर्मचारियों को सस्पेंड कर दिया गया। लेकिन किरण पारिख के सस्पेंशन लेटर से पता चलता है कि उन्होंने 'गलत काम' किया था! इस डबल स्टैंडर्ड के पीछे असली कौन है? क्या बड़े नेताओं और करप्ट अधिकारियों को बचाने के लिए किरण पारिख को बलि का बकरा बनाया गया है? इस पूरे मामले में ऐसा लगता है कि पूरी दाल काली नहीं बल्कि काली है। इस गंदी राजनीति और करोड़ों के करप्शन के पीछे छिपे आकाओं को बेनकाब करने के लिए प्राइम मिनिस्टर ऑफिस से निष्पक्ष जांच करवाना बहुत ज़रूरी हो गया है। राज्य सरकार को भी बेगुनाहों को इंसाफ दिलाने के लिए तुरंत कदम उठाने चाहिए और साज़िश करने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

खेल केवल मेडल जीतने तक सीमित नहीं, यह जिम्मेदार नागरिक बनाता है: प्रधानमंत्री

कार्यक्रम के दूसरे सत्र में राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों और आईआईएम रांची के छात्रों के साथ संवाद किया।

एजेंसी

रांची। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि नागरिक निर्माण के तहत खेल केवल मेडल जीतने का माध्यम नहीं बल्कि यह हर व्यक्ति को एक जिम्मेदार और बेहतर नागरिक बनाता है। उन्होंने कहा कि वैश्विक पहचान के लिए किसी खिलाड़ी की सफलता उसके परिवार, संस्थान, राज्य और देश को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाती है, जिसका लाभ आने वाली पीढ़ियों को मिलता है। भारतीय प्रबन्धन संस्थान (आईआईएम) रांची में 'खेलो इंडिया: खेल की बात पीएम के साथ' के तहत आज विशेष ऑनलाइन कार्यक्रम को संबोधित

करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवाओं को खेल से जुड़ने की सीख दी। उन्होंने विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा करते हुए खेल को बढ़ावा देने की पहल की। उन्होंने कहा कि खेलों के विस्तार के लिए 2026 और आने वाले वर्षों में भारत की ओर से ओलंपिक जैसे बड़े आयोजनों की मेजबानी की तैयारियों के बीच युवाओं को पारंपरिक खेलों से आगे बढ़ना होगा। भारत के पास वॉटर और विंटर स्पोर्ट्स के लिए उपयुक्त भूगोल और जनसांख्यिकी दोनों उपलब्ध हैं। उन्होंने नशा मुक्त समाज के लिए खेल और बेहतर जीवन शैली को आपस में जोड़ने की बात कही। प्रधानमंत्री ने कहा कि नशा मुक्त समाज के निर्माण में खेल एक सशक्त माध्यम बन सकता है। टैलेंट हंट योजना के तहत 05 से 15 वर्ष के आयु वर्ग के बच्चों को चिन्हित कर उन्हें उच्च स्तरीय प्रशिक्षण की सुविधाएं दी जाएंगी। इससे पूर्व, केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने स्वागत भाषण में कहा कि यह संवाद राज्यों के कोने-कोने से खेल प्रतिभाओं को सही मंच देने और एक मजबूत स्पोर्ट्स इकोसिस्टम विकसित करने की दिशा में एक सार्थक पहल है।

इस राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम में देशभर के 5,000 से अधिक संस्थानों से 10 लाख से अधिक युवाओं ने भाग लिया, जिसमें आईआईएम रांची से भी सैकड़ों विद्यार्थी शामिल हुए। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ शामिल हुए।

सुभाष चंद्रा का 22,000 करोड़ के कर्ज माफ

6.5 करोड़ के रीपेमेंट प्लान को मिली मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल ने एस्सेल ग्रुप के संस्थापक और मीडिया कारोबारी सुभाष चंद्रा की रीपेमेंट योजना को बहुमत के आधार पर मंजूरी दे दी है। इस योजना के तहत सुभाष चंद्रा को विभिन्न कर्जदाताओं (लेंडर्स) के कुल 22,006.57 करोड़ रुपये के स्वीकृत दावों के पूर्ण निपटारे के लिए केवल 6.5 करोड़ रुपये का भुगतान करना होगा। एनसीएलटी के इस फैसले के बाद कर्जदाताओं को उनके मूल स्वीकृत दावों की कुल राशि का महज 0.028फीसदी हिस्सा ही वापस मिलने की उम्मीद है। यह मामला अब बहुमत की राय के अनुसार औपचारिक आदेश जारी करने के लिए मूल डिवीजन बेंच के समक्ष जाएगा। इंडियाबुल्स ने शुरू की थी दिवाला प्रक्रिया: सुभाष चंद्रा के खिलाफ यह दिवाला प्रक्रिया इंडियाबुल्स हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड द्वारा वर्ष 2022 में शुरू की गई थी। कर्ज के एनपीए (बैड लोन) में बदलने के बाद ट्रिब्यूनल का रुख किया गया था, जिसे वर्ष 2024 में एनसीएलटी द्वारा स्वीकार किया गया। वित्तीय संस्थानों का कड़ा विरोध: कई बैंकों और वित्तीय संस्थानों ने इस रीपेमेंट योजना का कड़ा विरोध किया।

बिहार में छात्रों की मांगों पर सरकार का बड़ा फैसला

टीआरई-4 परीक्षा एकल चरण में होगी

एजेंसी

पटना। बिहार में प्रतियोगी परीक्षाओं को लेकर आंदोलन कर रहे छात्रों और राज्य सरकार के बीच गुरुवार को हुई वार्ता के बाद कई महत्वपूर्ण मांगों पर सहमति बनी। शिक्षा विभाग के सचिव की अध्यक्षता में हुई बैठक में छात्र प्रतिनिधिमंडल की सभी लिखित मांगों पर बिंदुवार चर्चा की गई। बैठक के बाद छात्रों ने सर्वसम्मति से आंदोलन समाप्त करने का निर्णय लिया। बैठक में सबसे महत्वपूर्ण निर्णय शिक्षक भर्ती परीक्षा टीआरई-4 को लेकर हुआ। सरकार ने छात्रों की एकल परीक्षा आयोजित करने की मांग स्वीकार कर ली है। साथ ही 'एक अभ्यर्थी, एक परिणाम' के संदर्भ में नियमानुसार आगे की कार्रवाई करने पर भी सहमति बनी है। सरकार ने 70वीं बीपीएससी परीक्षा की पारदर्शिता से जांच, बिहार कर्मचारी चयन आयोग की भर्ती परीक्षाओं के समयबद्ध आयोजन, 1,799 दरोगा पदों की भर्ती परीक्षा की जांच तथा सहायक प्राध्यापक नियुक्ति से पहले बिहार पात्रता परीक्षा आयोजित करने की मांग पर भी निर्णय लिया। परीक्षा सुधार के लिए पटना उच्च न्यायालय के न्यायाधीश की अध्यक्षता में गठित होने वाली विशेषज्ञ समिति के समक्ष शिकायतकर्ताओं को साक्ष्य के साथ अपना पक्ष और सुझाव रखने का अवसर दिया जाएगा। समिति की अनुशंसा के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी। 1,799 दरोगा भर्ती की अग्रेतर प्रक्रिया भी समिति की रिपोर्ट के बाद ही की जाएगी। वहीं, बिहार कर्मचारी चयन आयोग द्वारा जल्द परीक्षा कैलेंडर जारी कर समय पर परीक्षाएं कराने की कार्रवाई की जाएगी।

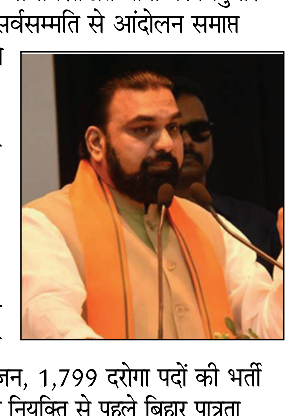

गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी के गृह शहर में ही कानून के दावों पर सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। गुजरात में कागजों पर सख्त शराबबंदी के दावों के बीच सूरत के वराछा इलाके से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी के गृह शहर सूरत में वराछा पुलिस थाने की सीमा में कथित तौर पर चल रहे शराब के अड्डे पर स्थानीय लोगों ने खुद पहुंचकर 'जनता रेड' की। इस कार्रवाई का वीडियो भी बनाया गया, जिसके बाद पुलिस और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि जिस कार्रवाई की जिम्मेदारी पुलिस की है, उसके लिए उन्हें खुद सड़क पर उतरना पड़ा। घटना सामने आने के बाद वराछा क्षेत्र में पुलिस की निगरानी और शराबबंदी के अमल को लेकर चर्चा तेज हो गई है। स्थानीय लोगों और जागरूक नागरिकों ने वराछा इलाके में कथित शराब के अड्डे पर अचानक पहुंचकर कार्रवाई की और पूरी घटना की वीडियो रिकॉर्डिंग की। कार्रवाई के दौरान मौके से देशी और विदेशी शराब का जत्था तथा नशे में बताए जा रहे कुछ लोग मिलने का दावा किया गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि पुलिस अपने स्तर पर नियमित निगरानी और कार्रवाई कर रही होती तो नागरिकों को इस तरह खुद कार्रवाई करने के लिए आगे नहीं आना पड़ता। घटना के बाद स्थानीय नागरिकों में नाराजगी देखी जा रही है। लोगों की ओर से सवाल उठाए जा रहे हैं कि सूरत जैसे बड़े शहर में शराबबंदी के बावजूद यदि पुलिस थाने की सीमा में कथित तौर पर शराब का अड्डा चल रहा था, तो पुलिस को इसकी जानकारी क्यों नहीं मिली। लोग यह भी सवाल उठा रहे हैं कि क्या शराब तस्करों को कानून का डर नहीं रहा या फिर कहीं स्थानीय स्तर पर कथित मिलीभगत और अवैध वसूली का खेल तो नहीं चल रहा था। हालांकि, पुलिस या प्रशासन की मिलीभगत अथवा अवैध वसूली से जुड़े इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। इसलिए जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि शराब का अड्डा कितने समय से चल रहा था और इसके पीछे कौन लोग शामिल थे। गुजरात सरकार और गृह विभाग की ओर से राज्य में शराबबंदी के कड़े अमल की बात लगातार कही जाती रही है। ऐसे में गृह राज्य मंत्री के गृह शहर सूरत में और वराछा जैसे महत्वपूर्ण पुलिस थाना क्षेत्र में इस तरह की घटना सामने आना प्रशासन के लिए गंभीर सवाल खड़े करता है।

अहमदाबाद में नकली हृदय और बीपी दवाओं का रैकेट बेनकाब, 3 गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद क्राइम ब्रांच और खाद्य एवं औषधि नियंत्रण प्रशासन की संयुक्त टीम ने हृदय रोग और उच्च रक्तचाप की नकली दवाएं बेचने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया है। मामले में अहमदाबाद के एक व्यापारी समेत लखनऊ के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। जांच में फरवरी 2026 से सक्रिय नेटवर्क द्वारा गुजरात समेत कई राज्यों में 2700 से अधिक नकली दवाओं की स्ट्रिप सप्लाई किए जाने का खुलासा हुआ। आरोपि यों पर अधिक कमीशन और छूट का लालच देकर दवा विक्रेताओं के जरिए नकली दवाएं मरीजों तक पहुंचाने का आरोप है। पुलिस मुख्य निर्माण केंद्र और नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश कर रही है।

अहमदाबाद शॉपिंग फेस्टिवल-2026 की तैयारी तेज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर के प्रमुख आयोजन 'अहमदाबाद शॉपिंग फेस्टिवल-2026' को इस बार और अधिक व्यवस्थित, पारदर्शी और बेहतर बनाने के लिए अहमदाबाद महानगरपालिका ने तैयारियां तेज कर दी हैं। पिछले वर्ष के अनुभवों और कमियों को ध्यान में रखते हुए इस बार फेस्टिवल से जुड़े प्रत्येक आयोजन और परियोजना को महानगरपालिका के प्रमुख पदाधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा और समीक्षा के बाद ही लागू करने का निर्णय लिया गया है। फेस्टिवल को लेकर महानगरपालिका की स्थायी समिति ने कई महत्वपूर्ण फैसले किए हैं। इनमें सबसे अहम फैसला खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और मिठाइयों की शुद्धता से जुड़ा है। अब त्योहारों के दौरान ग्राहक अपनी खरीदी हुई मिठाई या अन्य खाद्य सामग्री की मौके पर ही जांच करवा सकेंगे। त्योहारों के मौसम में मिठाई और अन्य खाद्य पदार्थों में मिलावट की शिकायतें सामने आती रहती हैं। आमतौर पर खाद्य पदार्थों की जांच महानगरपालिका की स्वास्थ्य टीम द्वारा की जाती है। लेकिन इस बार नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए एक विशेष व्यवस्था तैयार की जाएगी, जिसके तहत ग्राहक स्वयं भी अपनी खरीदी हुई मिठाई या खाद्य सामग्री की मौके पर जांच करवा सकेंगे। इस व्यवस्था का उद्देश्य नागरिकों को खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और शुद्धता को लेकर अधिक भरोसा देना है। साथ ही मिलावटी और घटिया खाद्य सामग्री बेचने वालों पर भी नजर रखी जाएगी। शॉपिंग फेस्टिवल के साथ आगामी त्योहारों को देखते हुए महानगरपालिका खाद्य सामग्री की गुणवत्ता को लेकर सतर्कता बढ़ाएगी। विशेष जांच व्यवस्था के माध्यम से नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण और शुद्ध खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। मिठाई या अन्य खाद्य सामग्री खरीदने वाले नागरिकों को यदि गुणवत्ता को लेकर संदेह होता है, तो वे निर्धारित व्यवस्था के माध्यम से उसकी जांच करा सकेंगे। इससे खाद्य पदार्थों में मिलावट के मामलों पर अंकुश लगाने में मदद मिलने की उम्मीद है।

सुपर एक्सक्लूसिव
AMC का... 'रिश्वतखोर' फायर चीफ सलाखों के पीछे

रिश्वतकांड में नया मोड़: डोंगरे की बेल खारिज, अब खुलेगा सिंडिकेट के 'गॉडफादर' का राज?

36 हजार तो बानगी है, डोंगरे का असली आका कौन?

क्या सिर्फ 'आनंद राव डोंगरे' मोहरा है... असली आकाओं तक कब पहुँचेगा ACB का शिकंजा?

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अहमदाबाद। अहमदाबाद महानगरपालिका के भ्रष्टाचार के नेटवर्क पर बड़ा प्रहार करते हुए विशेष ACB अदालत ने घूसखोर मुख्य फायर अधिकारी अमितकुमार आनंद राव डोंगरे और उसके वफादार प्रशासक भावसिंह झाला की जमानत याचिका को पूरी तरह खारिज कर दिया है। अदालत का यह कड़ा फैसला उन भ्रष्टाचारियों के मुंह पर करारा तमाचा है जो सिस्टम को अपनी जागीर समझ बैठे थे। फिलहाल दोनों आरोपियों की नई जगह जेल की सलाखें हैं! लेकिन, अदालत के इस फैसले के साथ ही प्रशासनिक गलियारों में एक नया और भयावह बवंडर उठ खड़ा हुआ है–क्या 36 हजार की रिश्वत का यह खेल सिर्फ एक बानगी है, और डोंगरे के पीछे किसी बहुत बड़े सिंडिकेट का हाथ है?

36 हजार तो सिर्फ बानगी, असली खेल कितना बड़ा?

अगस्त 2026 में शहर की 6 अलग-अलग इमारतों की फायर एनओसी मंजूर करने के एवज में 36 हजार रुपये की रिश्वत ऐंठते हुए ACB ने डोंगरे और झाला को रंगे हाथों दबोचा था। सवाल यह है: जिस विभाग पर पूरे शहर की सुरक्षा और मासूम जिंदगियों की हिफाजत का जिम्मा है, क्या वहां का सबसे बड़ा अधिकारी अकेले ही एनओसी का सौदा कर रहा था? क्या बिना किसी ऊपरी वरदहस्त के एक अधिकारी इतनी दुस्साहसिक धांधली को अंजाम दे सकता है?

घर पर रेड, कंप्यूटर जब्त: अब खुलेंगे कई बड़े आकाओं के राज!

गिरफ्तारी के तुरंत बाद एसीबी की टीमों ने डोंगरे के ठिकाने पर धावा बोला। घर की तलाशी के दौरान कंप्यूटर, हार्ड ड्राइव और कई संदिग्ध दस्तावेज जब्त किए गए हैं। प्रशासनिक गलियारों में इस बात की चर्चा गरम है कि यदि इन जब्त उपकरणों की फोरेंसिक जांच ईमानदारी से हुई, तो कई सफेदपोशों और रसूखदार अधिकारियों के चेहरे बेनकाब होंगे।

नगर आयुक्त का चाबुक: तुरंत सस्पेंड, पर क्या इतने से मिट जाएगा दाग?

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के ट्रैप के बाद मचे हड़कंप को देखते हुए AMC नगर आयुक्त ने आनन-फानन में अमित डोंगरे को निलंबित कर दिया। लेकिन जनता के मन में सीधा सवाल है–सिर्फ निलंबन ही क्यों? क्या यह कार्रवाई महज खानापूर्ति है या फिर उस पूरे रैकेट को उखाड़ फेंका जाएगा जो एनओसी के नाम पर जनता का खून चूस रहा था? अब सबसे तीखा सवाल: मामला दबेगा या बड़े चेहरे नंगे होंगे?

जब तक आकाओं पर हाथ नहीं पड़ेगा, तब तक सिस्टम का फायर बुझना नामुमकिन है!

विशेष एसीबी अदालत द्वारा बेल खारिज किए जाने के बाद अब सबकी निगाहें जांच एजेंसियों पर टिकी हैं:

1. क्या जांच सिर्फ 36 हजार रुपये की टेबल-के-नीचे वाली डील तक सिमटकर रह जाएगी?

2. या फिर ACB डोंगरे के उस गॉडफादर की गर्दन तक पहुंचेगी, जिसके दम पर यह पूरा रिश्वत-रैकेट फल-फूल रहा था?

आने वाले दिन अहमदाबाद नगर निगम के कई बड़े दिग्गजों के लिए भारी पड़ने वाले हैं। देखना यह होगा कि कानून का शिकंजा कसता है या हमेशा की तरह बड़े नाम मामले को दबाने में कामयाब होते हैं!

रिश्वतकांड का बड़ा सवाल:

अहमदाबाद महानगरपालिका के फायर विभाग में रिश्वत के चर्चित मामले में नया मोड़ आ गया है, जहां विशेष ACB अदालत ने मुख्य फायर अधिकारी अमित डोंगरे और प्रशासक भावसिंह झाला की जमानत याचिका खारिज कर उन्हें जेल भेज दिया है। 6 इमारतों की एनओसी मंजूर करने के बदले 36 हजार रुपये की घूस लेते रंगे हाथों पकड़े गए डोंगरे के घर पर हुई छापेमारी के बाद अब सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि क्या यह सिर्फ 36 हजार की रिश्वत का मामला है या इसके पीछे किसी बड़े सफेदपोश सिंडिकेट और प्रभावशाली आकाओं का वरदहस्त था? नगर आयुक्त द्वारा डोंगरे को तत्काल निलंबित किए जाने और घर से जब्त कंप्यूटर व दस्तावेजों के सामने आने के बाद अब देखना यह होगा कि जांच एजेंसियां इस भ्रष्टाचार के नेटवर्क की जड़ों तक पहुंचकर असली चेहरों को बेनकाब करती हैं या यह मामला भी वक्त के साथ दबा दिया जाएगा।

स्पेशल पॉलिटिकल एनालिसिस : BJP सरकार ने कालाबाजारियों को छूट दी?

त्योहारों की मिठास में महंगाई की कड़वाहट: चीनी, दाल और तेल के दाम बढ़ने से लोग परेशान

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अहमदाबाद। रक्षा बंधन से शुरू हुआ त्योहारों का मौसम अब जन्माष्टमी, नवरात्रि और दिवाली की तरफ बढ़ रहा है, ऐसे में गुजरात के लाखों गरीब और मिडिल क्लास परिवारों को मिठाई की जगह महंगाई की कड़वाहट झेलनी पड़ रही है। त्योहारों के समय ही चीनी, सब्जियों और खाने के तेल के दाम बेकाबू होने से गुज़ारा करना मुश्किल हो गया है। BJP सरकार के विकास के खोखले नारों और असंवेदनशील नीतियों पर हमला बोलते हुए गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया कन्वीनर और प्रवक्ता डॉ. मनीष दोशी ने तीखे सवाल उठाए हैं।

किसान परेशान, ग्राहक लुट रहे: दो महीने में चीनी के दाम 40% बढ़ गए!

डॉ. मनीष दोशी ने आंकड़ों की जानकारी देते हुए कहा कि गुजरात में गन्ने की खेती 2021-22 में 2.23 लाख हेक्टेयर थी, जो 2024-25 में घटकर 1.89 लाख हेक्टेयर रह गई है (लगभग 15 प्रतिशत की कमी)। खाद, बीज, डीजल, सिंचाई और मजदूरी की लागत में लगातार बढ़ोतरी के बावजूद किसानों को सही दाम नहीं मिल रहा है। दूसरी ओर, पिछले दो महीनों में चीनी की कीमतों में 40 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई है। कीमतें काबू से बाहर होने के बाद केंद्र सरकार ने 10 लाख टन कच्ची चीनी के आयात की अनुमति दी, लेकिन सवाल यह है कि जब मांग बढ़ने वाली थी, तब समय पर कदम क्यों नहीं उठाए गए? सरकार कालाबाजारी करने वालों और जमाखोरों को काबू करने में पूरी तरह नाकाम रही है।

त्योहारों से पहले
महंगाई का तुलनात्मक ग्राफ
मई-2013 बनाम अगस्त-2026 (कीमतें ₹ प्रति किग्रा/लीटर)

आवश्यक वस्तुएं	मई-2013 (₹ प्रति किग्रा/लीटर)	अगस्त-2026 (₹ प्रति किग्रा/लीटर)	कीमत वृद्धि का प्रतिशत (2013 से 2026 तक)
चीनी	₹ 37.00	₹ 84.00	127.03%
हल्दी	₹ 75.00	₹ 180.00	140.00%
उड़द दाल	₹ 71.00	₹ 180.00	153.52%
चना दाल	₹ 50.00	₹ 125.00	150.00%
सरसों का तेल	₹ 102.00	₹ 263.00	157.84%
कैस्टर ऑयल	₹ 165.00	₹ 286.00	73.33%
दूध	₹ 36.00	₹ 85.00	136.11%
गेहूं का आटा	₹ 21.00	₹ 69.00	228.57%
चावल	₹ 29.00	₹ 71.00	144.83%

सबसे ज्यादा बढ़ी कीमतें: गेहूं का आटा 228.57% | सरसों का तेल 157.84% | उड़द दाल 153.52% | चना दाल 150.00%

सोत: उपलब्ध कराए गए तुलनात्मक आंकड़े | वृद्धि प्रतिशत मूल कीमतों के आधार पर

12 साल में फ्यूल के नाम पर 140 करोड़ लोगों की जेब से 40 लाख करोड़ रुपये निकाल लिए गए!

कांग्रेस प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि पेट्रोल, डीजल, सीएनजी और पीएनजी की कीमतों में लगातार वृद्धि करके केंद्र के तहत भाजपा सरकार ने देशवासियों से 40 लाख करोड़ रुपये टैक्स के रूप में वसूले हैं। आमदनी घट रही है और खर्च बढ़ रहा है, जिससे गरीब और आम परिवार आर्थिक बर्बादी की ओर बढ़ रहे हैं।

कांग्रेस की ज़रूरी मांगें:

मिलों से लेकर होलसेलर और रिटेलर तक के स्टॉक और कीमतों की हाई-लेवल जांच होनी चाहिए।

जमाखोरी करने वाले ब्लैक मार्केटरों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए।

पूरी सप्लाई चेन का ट्रांसपेरेंट ऑडिट करके त्योहारों के दौरान जनता को तुरंत राहत दी जानी चाहिए।

अगर किसानों को सही कीमत नहीं मिल रही है और कंज्यूमर को राहत नहीं मिल रही है, तो इस महंगाई का सीधा फायदा किन व्यापारियों या जमाखोरों को मिल रहा है? गुजरात की जनता अब BJP सरकार से विज्ञापन नहीं, बल्कि ठोस जवाब चाहती है। क्या इन त्योहारों के दौरान आपके घर का बजट भी बिगड़ गया है? कमेंट्स में अपनी राय शेयर करें!

रक्षाबंधन पर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की बड़ी सौगात

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य की महिला विधायकों और उनके विधानसभा क्षेत्रों के लिए बड़ी विकास सौगात की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने राज्य की सभी 14 महिला विधायकों के विधानसभा क्षेत्रों में सड़क और बुनियादी ढांचे से जुड़े विकास कार्यों को गति देने के लिए कुल 28 करोड़ रुपये की विशेष अनुदान राशि मंजूर की है। इस फैसले के तहत प्रत्येक महिला विधायक के विधानसभा क्षेत्र को 2 करोड़ रुपये की अतिरिक्त अनुदान राशि मिलेगी। सरकार का उद्देश्य इन क्षेत्रों में प्राथमिकता वाले और लंबे समय से लंबित विकास कार्यों को तेजी से पूरा करना है। गुजरात विधानसभा में शहरी और ग्रामीण, दोनों क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाली 14 महिला विधायकों के क्षेत्रों के लिए यह विशेष राशि मंजूर की गई है। सरकार के अनुसार इस राशि का उपयोग सड़क, संपर्क मार्ग और स्थानीय बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने के लिए किया जाएगा। कुल 28 करोड़ रुपये की राशि में प्रत्येक महिला विधायक के विधानसभा क्षेत्र को 2 करोड़ रुपये मिलेंगे। इन 14 महिला विधायकों में 9 शहरी क्षेत्रों और 5 ग्रामीण क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाली विधायक शामिल हैं। विशेष अनुदान का मुख्य उद्देश्य सड़क निर्माण,

आंतरिक मार्गों, संपर्क सड़कों और अन्य स्थानीय बुनियादी ढांचे से जुड़े कार्यों को तेजी से पूरा करना है। इससे उन विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जा सकेगा, जो लंबे समय से लंबित हैं या जिन्हें तत्काल पूरा करने की जरूरत है। सरकार के इस निर्णय से संबंधित 14 विधानसभा क्षेत्रों में सड़क और संपर्क व्यवस्था मजबूत होने की उम्मीद है। ग्रामीण इलाकों के साथ-साथ शहरी क्षेत्रों में भी आंतरिक सड़कों और संपर्क मार्गों के निर्माण एवं सुधार के कामों को गति मिल सकती है। सड़क और संपर्क व्यवस्था बेहतर होने से रोजाना आवागमन करने वाले लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है। बेहतर सड़कें और संपर्क मार्ग होने से ग्रामीण क्षेत्रों में आवाजाही आसान होगी, जबकि शहरी क्षेत्रों में स्थानीय स्तर पर यातायात से जुड़ी समस्याओं को कम करने में मदद मिल सकती है। विशेष अनुदान के जरिए स्थानीय जरूरतों के अनुसार विकास कार्यों को आगे बढ़ाया जाएगा, जिससे संबंधित विधानसभा क्षेत्रों के नागरिकों को सीधे तौर पर लाभ मिलने की संभावना है।

पालेज पुलिस थाने का जिला पुलिस अधीक्षक अक्षय राज मकवाणा ने किया वार्षिक निरीक्षण

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पालेज। भरूच जिला पुलिस अधीक्षक अक्षय राज मकवाणा ने पालेज पुलिस थाने का वार्षिक निरीक्षण किया। पुलिस थाने पहुंचने पर पुलिस निरीक्षक एन.के. डाभी ने उनका स्वागत किया। इसके बाद जिला पुलिस अधीक्षक ने पुलिस कर्मचारियों की परेड का निरीक्षण कर सलामी ली और थाने की विभिन्न गतिविधियों की वार्षिक समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पालेज थाना क्षेत्र में अपराध के मामलों में हुई बढ़ोतरी या कमी की जानकारी ली। साथ ही पुलिस कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं, उनकी प्रस्तुतियों और कार्यों से जुड़े मुद्दों पर भी अधिकारियों से चर्चा की। पालेज नगर क्षेत्र की गश्त व्यवस्था और टंकारिया क्षेत्र की पुलिस गतिविधियों की भी समीक्षा की गई। इस दौरान पालेज ओवरब्रिज का एक और हिस्सा यातायात के लिए जल्द खोलने को लेकर स्थानीय मीडिया कर्मियों ने जिला पुलिस अधीक्षक के समक्ष मौखिक रूप से मांग रखी। जिला पुलिस अधीक्षक ने इस मामले में जल्द आवश्यक कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। निरीक्षण के दौरान भरूच के उप पुलिस अधीक्षक सी.के. पटेल, जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय के कर्मचारी तथा पालेज पुलिस थाने के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

डभोई के शक्तिनगर में स्वाइन फ्लू का मामला सामने आने से हड़कंप, 25 वर्षीय युवक अस्पताल में भर्ती; स्वास्थ्य व्यवस्था पर उठे सवाल

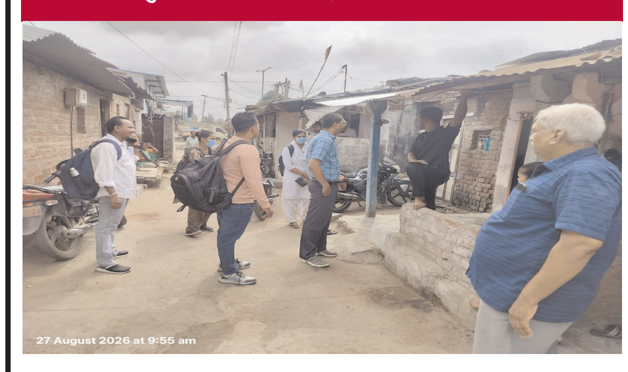

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। डभोई के शक्तिनगर इलाके में स्वाइन फ्लू का एक मामला सामने आने के बाद पूरे क्षेत्र में चिंता का माहौल है। शक्तिनगर निवासी 25 वर्षीय महेशभाई रमणभाई तड़वी में स्वाइन फ्लू के संदिग्ध लक्षण पाए जाने पर उन्हें डभोई रेफरल अस्पताल ले जाया गया था। जांच रिपोर्ट में संक्रमण की पुष्टि होने के बाद उनकी स्थिति को देखते हुए आगे के इलाज के लिए वडोदरा के गोत्री सामान्य अस्पताल रेफर किया गया है। मरीज को गोत्री सामान्य अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में रखा गया है। अस्पताल के अनुसार, उन्हें अलग वार्ड में रखकर आवश्यक उपचार दिया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग ने संक्रमण को दूसरे लोगों तक फैलने से रोकने के लिए प्रभावित क्षेत्र में निगरानी बढ़ा दी है। स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने शक्तिनगर और आसपास के क्षेत्रों में सघन निगरानी शुरू कर दी है। प्रभावित क्षेत्र से करीब 50 लोगों के संदिग्ध नमूने लिए गए थे, जिनकी सभी जांच रिपोर्ट नकारात्मक आई हैं। इसके अलावा बीमारी की स्थिति पर नजर रखने के लिए अलग-अलग क्षेत्रों से पीने के पानी के करीब 150 नमूने भी एकत्र किए गए हैं। बुखार और अन्य लक्षण वाले मरीजों की करीब 33 रक्त जांच तैयार कर प्रयोगशाला भेजी गई हैं। स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर सर्वे कर रही हैं और लोगों में किसी तरह के संदिग्ध लक्षण होने की लगातार जांच की जा रही है। मामला सामने आने के बाद स्थानीय लोगों ने स्वास्थ्य व्यवस्था पर भी सवाल उठाए हैं। डभोई तहसील में लंबे समय से तहसील स्वास्थ्य अधिकारी का स्थायी पद खाली होने के कारण स्वास्थ्य व्यवस्था प्रभारी अधिकारी के भरोसे चल रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि किसी बीमारी का प्रकोप सामने आने के बाद ही स्वास्थ्य विभाग सक्रिय होता है। लोगों का कहना है कि यदि पहले से सफाई और जरूरी एहतियाती कदम उठाए जाते तो ऐसी स्थिति को नियंत्रित करने में मदद मिल सकती थी। इसी वजह से स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली और तैयारियों को लेकर सवाल उठ रहे हैं। डभोई के प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी जितेंद्रभाई राणा ने बताया कि पूरे क्षेत्र में सघन निगरानी की जा रही है। करीब 150 पानी के नमूने और 33 रक्त के नमूने जांच के लिए भेजे गए हैं। स्वास्थ्य विभाग की टीमें लगातार सर्वे कर रही हैं, ताकि संक्रमण को आगे फैलने से रोका जा सके।

लालबापू के स्वास्थ्य में सुधार, शनिवार को अस्पताल से मिलेगी छुट्टी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजकोट। राजकोट जिले के उपलेटा तहसील के गधेतड़ गांव में वेणु नदी के किनारे स्थित प्रसिद्ध गायत्री आश्रम के संत श्री लालबापू पिछले एक सप्ताह से अहमदाबाद के एक निजी अस्पताल में उपचाराधीन हैं। गुरुवार को उनके स्वास्थ्य की जानकारी लेने के लिए भारत रक्षा मंच के पश्चिम क्षेत्र के संगठन अध्यक्ष डॉ. इलेवान ठाकोर सहित प्रतिनिधिमंडल ने अस्पताल पहुंचकर उनसे मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल में प्रांत उपाध्यक्ष धर्मेंद्रसिंह गोहिल, गोपालभाई उपाध्याय, प्रांत मंत्री एवं गांधीनगर-साबरकांठा जिला प्रभारी केतनभाई जोशी, गंगा समग्र के प्रांत संयोजक अरुण राजपूत और जाबालभाई दवे सहित अन्य सदस्य शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल ने अस्पताल के चिकित्सक डॉ. व्यास से मुलाकात कर लालबापू के स्वास्थ्य की स्थिति और उपचार के बारे में विस्तृत जानकारी ली। चिकित्सकों ने बताया कि लालबापू के स्वास्थ्य में अब काफी सुधार है और उनकी हालत में लगातार सकारात्मक प्रगति हो रही है। अस्पताल के चिकित्सकों के अनुसार लालबापू की उपचार प्रक्रिया सफल रही है और अब उनकी तबीयत में काफी सुधार है। चिकित्सकों ने प्रतिनिधिमंडल को बताया कि उन्हें आगामी शनिवार को अस्पताल से छुट्टी दी जाएगी। लालबापू के स्वास्थ्य में सुधार और जल्द अस्पताल से घर लौटने की खबर सुनकर प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने प्रसन्नता व्यक्त की। सभी ने उनके शीघ्र पूर्ण स्वस्थ होने और निरोगी जीवन की कामना की। भारत रक्षा मंच के पश्चिम क्षेत्र के संगठन अध्यक्ष डॉ. इलेवान ठाकोर ने कहा कि लालबापू के स्वास्थ्य में सुधार होने से सभी को खुशी हुई है। पूज्य लालबापू का धार्मिक और सामाजिक क्षेत्र में विशेष योगदान माना जाता है। उन्होंने पूर्व में 21 महीने तक एकांतवास में रहकर गायत्री माता का कठोर अनुष्ठान किया था। इसके अलावा वे समाज में व्यसनमुक्ति को लेकर भी लगातार प्रयास करते रहे हैं। उनके धार्मिक कार्यों और सामाजिक गतिविधियों के कारण अनुयायियों और समाज के लोगों में उनके प्रति विशेष सम्मान और आस्था है। लालबापू के स्वास्थ्य में तेजी से सुधार होने और शनिवार को अस्पताल से छुट्टी मिलने की जानकारी के बाद गायत्री आश्रम तथा उनके अनुयायियों में खुशी का माहौल है। प्रतिनिधिमंडल में शामिल सभी सदस्यों ने लालबापू के शीघ्र पूर्ण स्वस्थ होने की प्रार्थना की और उनके निरोगी एवं दीर्घायु जीवन के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

अमित शाह और जीतू वाघाणी के बीच दिखी 'दूरी' बनी चर्चा का विषय

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अमरेली जिले में आयोजित एक सरकारी कार्यक्रम की तस्वीरों को लेकर अब राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गई हैं। लाठी तालुका के दूधाला गांव के पास गागड़िया नदी पर 'गुजरात गौरव सरोवर' के लोकार्पण कार्यक्रम में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह, उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी और अमरेली जिला प्रभारी एवं कृषि मंत्री जीतू वाघाणी सहित कई नेता मौजूद रहे। कार्यक्रम के बाद सरकारी सूचना विभाग की ओर से जारी की गई तस्वीरों में अमित शाह और जीतू वाघाणी के बीच दिखाई देने वाली दूरी राजनीतिक चर्चा का विषय बन गई है। मंच पर और तस्वीरें खिंचवाते समय दोनों नेताओं के बीच दूरी साफ दिखाई देने की बात कही जा रही है। कार्यक्रम में अमरेली जिले के प्रभारी और कृषि मंत्री जीतू वाघाणी भी मौजूद थे। हालांकि, कार्यक्रम से संबंधित जारी तस्वीरों में अमित शाह और जीतू वाघाणी के बीच दिखाई दे रही दूरी को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। राजनीतिक गलियारों में यह सवाल उठ रहा है कि जीतू वाघाणी अमित शाह से दूर क्यों रहे या उन्हें दूर क्यों रखा गया। हालांकि, इस संबंध में अभी तक जीतू वाघाणी, अमित शाह या सरकार के किसी विभाग की ओर से कोई आधिकारिक बयान या स्पष्टीकरण सामने नहीं आया है। इसलिए तस्वीरों में दिखाई दे रही दूरी को लेकर चल रही चर्चाओं को फिलहाल राजनीतिक अटकलों के रूप में ही देखा जा रहा है। गौरतलब है कि जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी या केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह गुजरात के दौरे पर आते हैं, तो सरकारी कार्यक्रमों में प्रोटोकॉल के अनुसार मंच पर नेताओं की बैठने और खड़े होने की व्यवस्था पहले से तय की जाती है। इसी तरह आधिकारिक तस्वीरों के दौरान भी नेताओं की स्थिति और स्थान निर्धारित किए जा सकते हैं। इसी वजह से अमरेली के इस कार्यक्रम में अमित शाह और जीतू वाघाणी के बीच तस्वीरों में दिखाई दे रही दूरी को लेकर राजनीतिक विश्लेषकों और विपक्षी खेमे में चर्चा शुरू हो गई है। हालांकि, केवल तस्वीरों के आधार पर दोनों नेताओं के बीच किसी तरह के मतभेद या राजनीतिक विवाद का निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा। इस संबंध में कोई आधिकारिक स्पष्टीकरण सामने आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

नेपाल में विनाशकारी बाढ़ से 288 भारतीय संपर्कविहीन, 21 को सुरक्षित बचाया गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। नेपाल में अचानक आई विनाशकारी बाढ़ और जलप्रलय ने बड़े पैमाने पर तबाही मचा दी है। बाढ़ के कारण नेपाल के अलग-अलग प्रभावित क्षेत्रों में बड़ी संख्या में भारतीय नागरिक फंस गए हैं। भारत के विदेश मंत्रालय ने स्थिति को लेकर जानकारी देते हुए बताया कि संचार व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित होने के कारण करीब 288 भारतीय नागरिकों से फिलहाल संपर्क नहीं हो पा रहा है। हालांकि, भारत सरकार नेपाल सरकार और स्थानीय प्रशासन के साथ लगातार संपर्क में है तथा फंसे हुए भारतीयों को सुरक्षित निकालने के लिए राहत और बचाव अभियान चला रही है। गुरुवार दोपहर तक 21 भारतीयों को सुरक्षित निकाला जा चुका है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि सुरक्षित निकाले गए सभी 21 नागरिक तमिलनाडु के हैं, जो कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए नेपाल गए थे। सरकार की ओर से इन यात्रियों की सुरक्षित वापसी के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। विदेश मंत्रालय के अनुसार, संपर्क नहीं हो पा रहे 288 भारतीय नागरिक नेपाल के अलग-अलग इलाकों में कई समूहों में मौजूद हैं। इनमें त्रिशूली-1 बिजली परियोजना में काम करने वाले भारतीय कर्मचारी भी शामिल हैं। इस परियोजना में काम कर रहे करीब 73 भारतीय कर्मचारियों से फिलहाल संपर्क नहीं हो पा रहा है। विदेश मंत्रालय परियोजना के प्रमुख के साथ लगातार संपर्क में है और कर्मचारियों की स्थिति का पता लगाने की कोशिश की जा रही है। इसके अलावा तमिलनाडु से कैलाश मानसरोवर यात्रा पर गए दो अलग-अलग समूह भी बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। इनमें एक समूह में 37 और दूसरे समूह में 49 यात्री शामिल हैं। ये दोनों समूह अलग-अलग यात्रा संचालकों के माध्यम से नेपाल पहुंचे थे। पश्चिम बंगाल के 32 नागरिक भी बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में फंसे हुए हैं। ये यात्री एक यात्रा समूह के साथ नेपाल पहुंचे थे और फिलहाल रसुवा जिले के तिमुरे इलाके में बताए जा रहे हैं। इसके अलावा विभिन्न राज्यों के 61 भारतीय नागरिकों का एक अन्य समूह भी संपर्कविहीन है।

तीन महीने से अधूरा पड़ा नाला निर्माण 48 घंटे में शुरू

महानगर मेट्रो की खबर का असर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। डभोई-वाघोडिया मुख्य मार्ग पर तरसाणा चौकड़ी के पास पिछले तीन महीने से अधूरा पड़ा दो नालों का निर्माण कार्य आखिरकार फिर शुरू हो गया है। ठेकेदार की लापरवाही के कारण लंबे समय से बंद पड़े इस काम को लेकर महानगर मेट्रो ने प्रमुखता से खबर प्रकाशित की थी। खबर का असर हुआ और प्रशासन ने महज 48 घंटे के भीतर मौके पर निर्माण कार्य दोबारा शुरू करवा दिया।

हजारों लोगों के आवागमन का प्रमुख मार्ग

डभोई-वाघोडिया मार्ग क्षेत्र का प्रमुख और व्यस्त मार्ग है। इस रास्ते से रोजाना बड़ी संख्या में कर्मचारी, श्रमिक और विद्यार्थी वाघोडिया औद्योगिक क्षेत्र, पारुल विश्वविद्यालय एवं अस्पताल सहित विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों और औद्योगिक इकाइयों की ओर आते-जाते हैं। नाला निर्माण अधूरा होने के कारण वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था और यहां जाम के साथ दुर्घटना का खतरा भी बना हुआ था।

तीन महीने से बंद था काम

तरसाणा चौकड़ी के पास दो नालों का निर्माण कार्य ठेकेदार ने बीच में ही रोक दिया था। स्थानीय ग्रामीणों और रोजाना सफर करने वाले लोगों ने कई बार संबंधित विभाग से काम शुरू कराने की मांग की, लेकिन लंबे समय तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। समस्या को महानगर मेट्रो ने अपनी खबर के माध्यम से सामने रखा।

खबर के बाद प्रशासन हरकत में आया

खबर प्रकाशित होने के बाद प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लिया और संबंधित अधिकारियों को तत्काल निर्माण कार्य शुरू कराने के निर्देश दिए। इसके बाद महज 48 घंटे के अंदर मौके पर काम दोबारा शुरू कर दिया गया। निर्माण कार्य शुरू होने से स्थानीय ग्रामीणों और वाहन चालकों में राहत की भावना है।

लोगों ने जताया... महानगर मेट्रो का आभार

काम शुरू होने के बाद आसपास के ग्रामीणों, वाहन चालकों और कामगारों ने प्रशासन की त्वरित कार्रवाई का स्वागत किया। स्थानीय लोगों ने जनहित की समस्या को प्रमुखता से उठाने और प्रशासन तक उनकी आवाज पहुंचाने के लिए महानगर मेट्रो का आभार जताया। लोगों ने उम्मीद जताई कि अब निर्माण कार्य जल्द पूरा होगा और मार्ग पर आवागमन की परेशानी से स्थायी राहत मिलेगी।

सच्ची श्रद्धा से असंभव कार्य भी संभव हो जाते हैं : साध्वी डॉ. अमृतरसा श्री जी महाराज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महिदपुर रोड। श्री राजेंद्र सूरी ज्ञान मंदिर में चातुर्मास के लिए विराजित परम पूज्य साध्वी डॉ. अमृतरसा श्री जी महाराज साहब आदि ठाणा ने गुरुवार को आयोजित धर्मसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि जीवन में परमात्मा और धर्म के प्रति सच्ची श्रद्धा रखी जाए तो असंभव कार्य भी संभव हो जाते हैं। जहां चाह होती है, वहां राह भी निकल आती है। परमात्मा की कृपा से 'असंभव' भी 'संभव' हो सकता है। साध्वी डॉ. अमृतरसा श्री जी महाराज ने प्रवचन में उदाहरण देते हुए कहा कि जिस प्रकार बंजर भूमि को उपजाऊ बनाने के बाद ही उसमें बीज बोया जा सकता है, उसी प्रकार मनुष्य को भी अपने भीतर मौजूद चार प्रमुख कषायों—क्रोध, मान, माया और लोभ—का त्याग करना आवश्यक है। इन कषायों का त्याग कर सच्ची श्रद्धा, आस्था और विश्वास के साथ अपने जीवन को संस्कारित और उपजाऊ

बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जब तक मनुष्य के भीतर परमात्मा के प्रति सच्ची श्रद्धा उत्पन्न नहीं होगी, तब तक आत्मकल्याण का मार्ग प्रशस्त नहीं हो सकता। साध्वीश्री ने शास्त्रों का उल्लेख करते हुए कहा, 'श्रद्धा साची आवे, भव तीजे मोक्ष सीधावे।' अर्थात परमात्मा के प्रति सच्ची श्रद्धा जागृत होने पर मनुष्य मोक्ष के मार्ग की ओर अग्रसर हो सकता है। उन्होंने धर्म और परमात्मा के प्रति विश्वास को जीवन की महत्वपूर्ण शक्ति बताते हुए कहा कि सच्ची श्रद्धा व्यक्ति के भीतर सकारात्मक परिवर्तन लाती है और उसे आत्मकल्याण के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। जैन समाज के मीडिया प्रभारी सचिन भंडारी ने जानकारी देते हुए बताया कि गत दिवस की धार्मिक भक्ति प्रभावना का लाभ राहुल कुमार पारसमल बोथरा परिवार ने लिया। वहीं गुरुवार को आयोजित धार्मिक भक्ति प्रभावना का लाभ राजेंद्र कुमार मनोहर लाल डूंगरवाल परिवार द्वारा लिया गया। गत दिवस की प्रभावना का लाभ प्रकाशचंद, रमेशकुमार एवं राहुलकुमार रांका परिवार, गड़ां वालों द्वारा लिया गया। धर्मसभा और संपूर्ण मंगलमय आयोजन में सकल जैन श्रीसंघ के सदस्यों ने भाग लिया। क्षेत्रीय विधायक एवं जैन समाज गौरव दिनेश जैन बॉस भी उपस्थित रहे और उन्होंने धर्मसभा में शामिल होकर धर्मलाभ प्राप्त किया।

चार बदमाशों ने रात में दुकान का शटर बीच से उठाकर वारदात को दिया अंजाम, चोरी की पूरी घटना सीसीटीवी में कैद

शटर तोड़कर 74,400 रुपये का माल ले गए चोर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर के जजेज बंगला रोड पर एक पान पार्लर को चार बदमाशों ने निशाना बनाया। देर रात बदमाशों ने दुकान का शटर बीच से उठाकर अंदर प्रवेश किया और गल्ले में रखी नकदी समेत महंगी सिगरेट के पैकेट चोरी कर फरार हो गए। चोरी की पूरी वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। वस्त्रापुर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। बोपल निवासी 56 वर्षीय अनिल समरसिंह राजपूत ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। वे जजेज बंगला रोड स्थित कदम कॉम्प्लेक्स के भूतल पर चॉइस पान पार्लर नाम से दुकान चलाते हैं। शिकायत के मुताबिक, 26 अगस्त की सुबह करीब 7 बजे दुकान पर काम करने वाले राहुल और उत्सव जब पान पार्लर पहुंचे तो दुकान के शटर पर दोनों ताले लगे हुए थे। हालांकि, शटर बीच से मुड़ा हुआ दिखाई दे रहा था। दोनों ने दुकान के अंदर जाकर देखा तो गल्ले में रखी नकदी और अन्य सामान गायब था। इसके बाद दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग खंगाली गई। फुटेज में चार बदमाश दुकान के अंदर घुसकर गल्ले से नकदी और सामान चोरी करते हुए दिखाई दिए।

सीसीटीवी फुटेज के अनुसार, चारों बदमाश रात के समय पान पार्लर के बाहर पहुंचे। उन्होंने दुकान के शटर को बीच से ऊपर उठाया और अंदर दाखिल हो गए। इसके बाद बदमाशों ने काउंटर में रखी 48 हजार रुपये की नकदी निकाल ली। इतना ही नहीं, चोरों ने दुकान में रखे 26,400 रुपये कीमत के महंगे सिगरेट के पैकेट भी चोरी कर लिए। इस तरह बदमाश कुल 74,400 रुपये की नकदी और सामान लेकर फरार हो गए।

चोरी की जानकारी मिलने के बाद पान पार्लर संचालक ने पुलिस को सूचना दी। वस्त्रापुर पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चारों आरोपियों की पहचान करने और उन्हें गिरफ्तार करने की दिशा में जांच कर रही है। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि वारदात को अंजाम देने वाले बदमाश किसी अन्य चोरी की घटना में भी शामिल हैं या नहीं।

अहमदाबाद में पुनर्विकास का काम नहीं मिलने पर बिल्डर ने महिलाओं को किया परेशान, पीछा कर दी गालियां

राणीप की सोसायटी में महिलाओं का आरोप—बेंच पर बैठी महिलाओं को देखकर कार से मारी टक्कर, व्हाट्सऐप समूह में अश्लील संदेश और वीडियो किए पोस्ट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर के राणीप इलाके में सोसायटी के पुनर्विकास का काम नहीं मिलने से नाराज एक बिल्डर पर सोसायटी की महिलाओं को लगातार परेशान करने और अभद्र व्यवहार करने का आरोप लगा है। महिलाओं का आरोप है कि बिल्डर उनका पीछा करता था, रास्ते में गालियां देता था और सोसायटी के मुद्दों को लेकर धमकाता था। इतना ही नहीं, पिछले छह महीनों से बनाए गए व्हाट्सऐप समूह में भी अभद्र टिप्पणियां और अश्लील वीडियो पोस्ट किए जा रहे थे। बिल्डर के लगातार कथित उत्पीड़न से परेशान होकर सोसायटी की महिलाओं ने राणीप पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है। जानकारी के अनुसार, सुभाषब्रिज के पास स्थित एक सोसायटी के पुनर्विकास का काम पहले शिवालय इंफ्रा के तेजस पटेल को दिया गया था। हालांकि, तेजस द्वारा सोसायटी की शर्तों को स्वीकार नहीं किए जाने के कारण उसे पुनर्विकास का काम नहीं दिया गया। महिलाओं का आरोप है कि इसके बाद से तेजस लगातार सोसायटी की

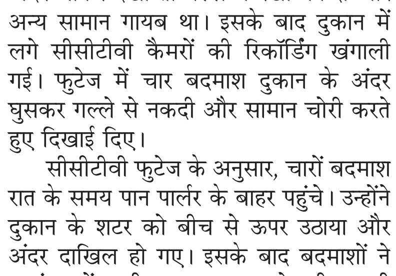

महिलाओं को परेशान करने लगा। जब महिलाएं बाजार या किसी अन्य काम से बाहर जाती थीं, तो वह कथित तौर पर उनके पीछे-पीछे जाता और रास्ते में गालियां देता था। महिलाओं की शिकायत के मुताबिक, 16 मई को तेजस कार लेकर सोसायटी में आया था। उस समय सोसायटी की कुछ महिलाएं बेंच पर बैठी हुई थीं। आरोप है कि महिलाओं को देखकर तेजस ने अपनी कार बेंच से टकरा दी। कार की टक्कर के बाद महिलाएं वहां से उठकर चली गईं। आरोप है कि इसके बाद तेजस ने महिलाओं को गालियां देना शुरू कर दिया। महिलाओं का आरोप है कि तेजस सोसायटी में आने-जाने वाली महिलाओं को गालियां देकर परेशान करता था। वह सोसायटी के विभिन्न मुद्दों को लेकर महिलाओं को धमकी भी देता था। पिछले करीब छह महीनों से तेजस ने एक व्हाट्सऐप समूह बनाया हुआ था, जिसमें सोसायटी के सदस्यों को जोड़ा गया था। महिलाओं के मुताबिक, इस समूह में अभद्र भाषा वाली टिप्पणियां की जाती थीं और अश्लील एवं आपत्तिजनक वीडियो भी पोस्ट किए जाते थे। महिलाओं का कहना है कि तेजस के कथित व्यवहार से सोसायटी की महिलाएं और अन्य सदस्य लंबे समय से परेशान थे। बार-बार की घटनाओं से परेशान होकर सोसायटी की महिलाएं एकजुट हुईं और राणीप पुलिस थाने पहुंचकर तेजस पटेल के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। अब पुलिस घटना से जुड़े साक्ष्यों, व्हाट्सऐप समूह में किए गए संदेशों और वीडियो तथा अन्य उपलब्ध जानकारी के आधार पर आगे की कार्रवाई कर रही है।

सागबारा के किसानों को सबूतों के आधार पर मिलेगा जंगल की जमीन का अधिकार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। नर्मदा जिले के सागबारा तालुका के 12 से 13 गांवों के किसानों की जंगल की जमीन के अधिकार को लेकर सरकार और सांसद मनसुख वसावा के बीच हुई बैठक में महत्वपूर्ण सहमति बनी है। सरकार ने आवश्यक प्रमाण प्रस्तुत करने वाले पात्र किसानों के दावों पर नियमों के अनुसार कार्रवाई करने की बात कही है। गुजरात में जंगल की जमीन से जुड़े करीब 80 हजार लंबित दावों के निपटारे पर भी चर्चा हुई। सांसद के अनुसार, सागबारा क्षेत्र के किसान करीब 20 वर्षों से जंगल की जमीन पर खेती कर रहे हैं और जमीन के अधिकार की मांग को लेकर 15 से 16 दिनों से धरने पर बैठे हैं। रक्षाबंधन के बाद वन मंत्री प्रवीण माली और प्रभारी मंत्री ईश्वरसिंह पटेल सागबारा पहुंचकर करीब 1300 किसानों से बातचीत करेंगे। बैठक में जाति प्रमाणपत्र सहित आदिवासी समाज के अन्य मुद्दों पर भी चर्चा हुई।

नेपाल जलप्रलय में गुजरात के 12 यात्री संपर्कविहीन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद/गांधीनगर। नेपाल-तिब्बत सीमा क्षेत्र में अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन के कारण कैलाश मानसरोवर यात्रा और पर्यटन के लिए नेपाल गए गुजरात के 12 नागरिकों के फंसने की जानकारी सामने आई है। इनमें अहमदाबाद के 3, सूरत के 3, वडोदरा के 2, आणंद के 2 तथा राजकोट और वलसाड के एक-एक नागरिक शामिल हैं। हालांकि, वलसाड की रोमा इंटवाला के नेपाल में सुरक्षित होने की जानकारी भी राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र ने दी है। स्थिति को देखते हुए गुजरात सरकार ने गांधीनगर में 24 घंटे का राज्य नियंत्रण कक्ष शुरू किया है। सरकार काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास के साथ लगातार संपर्क में है और प्रभावित यात्रियों की स्थिति का पता लगाने के साथ उनकी सुरक्षित निकासी के प्रयास किए जा रहे हैं। अहमदाबाद से अशोकभाई धीरजलाल कापड़िया, दिनेशभाई प्रागजीभाई पटेल और भाविनकुमार रजनीकांत रावल के संपर्कविहीन होने की जानकारी है। अशोकभाई से अंतिम संपर्क सुबह करीब 8:30 बजे हुआ था। दिनेशभाई मूल रूप से अमरेली के रहने वाले हैं और अमेरिकी नागरिक हैं। भाविनकुमार मोटेरा-कोटेश्वर क्षेत्र के निवासी हैं, मूल रूप से मेहसाणा के हैं और ऑस्ट्रेलियाई नागरिक हैं। वे 26 अन्य लोगों के समूह के साथ यात्रा पर गए थे। आणंद के विद्यनगर रोड निवासी बिमलकुमार पटेल और जयमिनाबेन पटेल भी प्रभावित यात्रियों में शामिल हैं। दोनों मूल भारतीय और अमेरिकी नागरिक हैं। जानकारी के अनुसार, दोनों एक यात्रा एजेंसी के माध्यम से कैलाश मानसरोवर यात्रा पर नेपाल गए थे। वडोदरा से किन्नरी पटेल और मिहिर पटेल के संपर्कविहीन होने की जानकारी सामने आई है। दोनों मणिनगर, अहमदाबाद के निवासी बताए गए हैं और एक यात्रा कंपनी के माध्यम से नेपाल गए थे। दोनों से अंतिम संपर्क सुबह करीब 4:51 बजे हुआ था। सूरत से परेशभाई नटवरलाल पटेल, ज्योतिबेन परेशभाई पटेल और मीनाक्षीबेन संजयभाई रमाणी के संपर्कविहीन होने की जानकारी है। इनमें परेशभाई और ज्योतिबेन वर्तमान में अमेरिका में रहते हैं, जबकि मीनाक्षीबेन मुंबई में रहती हैं। राजकोट से जय दिनेश कोटेचा भी प्रभावित यात्रियों की सूची में हैं। वर्तमान में मुंबई में रहने वाले जय से अंतिम संपर्क फ्रेंडशिप ब्रिज और भोटे कोशी नदी के आसपास रसुवागढ़ी-केरुंग सीमा क्षेत्र में हुआ था।

कोचिंग क्लास की गाइडलाइन या 'व्यवस्था' की गंगोत्री? ट्यूशन संचालकों को बचाने के लिए नियमों में बड़े खेल का आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शिक्षा और विद्यार्थियों की सुरक्षा के नाम पर तैयार किए गए नए मसौदा दिशा-निर्देशों को लेकर अब सवाल उठने लगे हैं। क्या प्रस्तावित नियम

वास्तव में विद्यार्थियों के हित और सुरक्षा को ध्यान में रखकर बनाए गए हैं या फिर बड़े कोचिंग संस्थानों को राहत देने के लिए नियमों में बदलाव किया जा रहा है? मसौदे को लेकर कई गंभीर सवाल उठाए जा रहे हैं और नियम तैयार करने की प्रक्रिया में कथित तौर पर बड़े स्तर पर 'व्यवस्था' किए जाने के आरोप भी लगाए जा रहे हैं। इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन प्रस्तावित प्रावधानों को लेकर अभिभावकों और शिक्षा क्षेत्र से जुड़े लोगों के बीच बहस तेज हो गई है। मसौदे में कोचिंग क्लास के संचालन और पढ़ाई के घंटों से जुड़े प्रावधानों को लेकर सबसे अधिक सवाल उठाए जा रहे हैं। आलोचकों का कहना है कि बच्चों की उम्र, मानसिक स्थिति और शारीरिक क्षमता को ध्यान में रखते हुए पढ़ाई का समय संतुलित होना चाहिए। यदि किसी विद्यार्थी को स्कूल के लगभग छह घंटे के बाद कोचिंग में भी पांच से आठ घंटे तक बैठना पड़े, तो उसके पास खेलकूद, पर्याप्त नींद, आराम और स्व-अध्ययन के लिए कितना समय बचेगा, यह बड़ा सवाल है। आलोचकों का सवाल है कि बच्चों पर इतना अधिक पढ़ाई का बोझ डालने की अनुमति देने से उनके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर क्या असर पड़ेगा। साथ ही यह भी पूछा जा रहा है कि लंबे समय तक कोचिंग चलाने की व्यवस्था से आखिर किसे लाभ होगा। कोचिंग में प्रवेश की न्यूनतम आयु को लेकर भी विवाद खड़ा हुआ है। आलोचकों के अनुसार केंद्र सरकार के मसौदा दिशा-निर्देशों में 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को कोचिंग संस्थानों में प्रवेश देने पर रोक का प्रावधान था, ताकि कम उम्र में विद्यार्थियों पर प्रतियोगी परीक्षाओं का अनावश्यक दबाव न पड़े। अब यदि प्रवेश की आयु सीमा 16 वर्ष से घटाकर 14 वर्ष करने का प्रावधान किया जाता है, तो इसके पीछे का तर्क स्पष्ट किया जाना चाहिए।

15 दिनों के भीतर दो बार एक मंच पर आएंगे मोदी-पुतिन और शी, ट्रंप की बेचैनी बढ़ी

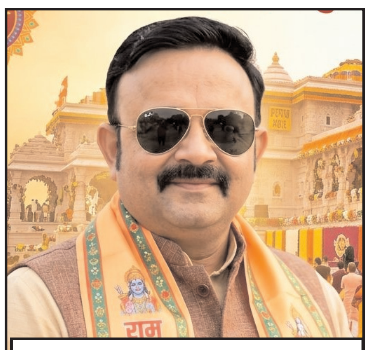

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

देखा जाये तो प्रधानमंत्री मोदी की उज्बेकिस्तान यात्रा और किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में 31 अगस्त से 1 सितंबर तक होने वाला एससीओ शिखर सम्मेलन ऐसे समय पर हो रहा है, जब मध्य एशिया वैश्विक शक्ति संघर्ष का नया मैदान बन चुका है।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एससीओ शिखर सम्मेलन में शिरकत करने की पुष्टि करते हुए उनके उज्बेकिस्तान और किर्गिस्तान दौरे के कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी जिसके बाद पूरी दुनिया में हलचल-सी मच गयी है। हलचल इसलिए मची है क्योंकि जब भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग एक बार फिर एक साथ दिखाई देंगे, तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सीने पर पिछले साल की तरह फिर से सांप लोट सकते हैं। पिछली बार चीन के तियानजिन में एससीओ मंच पर इन तीन नेताओं की तस्वीर ने अमेरिकी रणनीतिक हलकों में बेचैनी बढ़ा दी थी। तब पूर्व अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन ने ट्रंप की टैरिफ नीतियों को भारत-अमेरिका रिश्तों को दशकों पीछे धकेलने वाला कदम बताया था और कहा था कि ऐसी नीतियों ने मोदी को पुतिन और शी के और करीब पहुंचा दिया। अब दृश्य और बड़ा है। पहले मध्य एशिया, फिर नई दिल्ली यानि पहले एससीओ और उसके तुरंत बाद ब्रिक्स। संदेश साफ है कि भारत किसी की रणनीतिक जागीर नहीं है।

देखा जाये तो प्रधानमंत्री मोदी की उज्बेकिस्तान यात्रा और किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में 31 अगस्त से 1 सितंबर तक होने वाला एससीओ शिखर सम्मेलन ऐसे समय पर हो रहा है, जब मध्य एशिया वैश्विक शक्ति संघर्ष का नया मैदान बन चुका है। चीन बेल्ट एंड रोड के जरिए अपनी पकड़ बढ़ा रहा है, रूस इस क्षेत्र को अपने पारंपरिक प्रभाव क्षेत्र के रूप में देखता है और अमेरिका भी यहां अपनी मौजूदगी तथा रणनीतिक पहुंच बनाए रखने की कोशिश में है। ऐसे में मोदी की सक्रिय कूटनीति भारत को खेल का महत्वपूर्ण खिलाड़ी बना रही है।

उज्बेकिस्तान इस रणनीति का अहम केंद्र है। मोदी की प्रस्तावित ताशकंद यात्रा व्यापार, रक्षा, निवेश, कनेक्टिविटी, डिजिटल तकनीक, ऊर्जा और महत्वपूर्ण खनिजों जैसे क्षेत्रों में सहयोग को नई गति दे सकती है। पिछले पांच वर्षों में भारत-उज्बेकिस्तान व्यापार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और द्विपक्षीय कारोबार लगभग 1.3 अरब डॉलर तक पहुंचने का उल्लेख किया गया है। भारत का निवेश फार्मास्यूटिकल्स,

स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य क्षेत्रों में फैला है, जबकि भारतीय विश्वविद्यालय भी उज्बेकिस्तान में अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुके हैं।

लेकिन इस यात्रा की असली ताकत केवल व्यापार के आंकड़ों में नहीं है। उज्बेकिस्तान भारत की मध्य एशिया रणनीति का महत्वपूर्ण प्रवेश द्वार है। पाकिस्तान द्वारा भूमि मार्ग अवरुद्ध रखने के कारण भारत के सामने संपर्क का प्रश्न लंबे समय से चुनौती बना हुआ है। यही वजह है कि अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा यानि आईएनएसटीसी और चाबहार बंदरगाह भारत के लिए सामरिक महत्व रखते हैं। ईरान और पश्चिम एशिया की मौजूदा अस्थिरता ने इन परियोजनाओं की राह कठिन जरूर बनाई है, लेकिन भारत के लिए विकल्प तलाशना अब मजबूरी नहीं, रणनीतिक आवश्यकता है।

अफगानिस्तान भी मोदी-मिर्जियोयेव वार्ता का बड़ा मुद्दा हो सकता है। स्थिर अफगानिस्तान के बिना दक्षिण और मध्य एशिया की कनेक्टिविटी, व्यापार और सुरक्षा की कोई भी बड़ी योजना अधूरी है। ताशकंद और नई दिल्ली पुनर्निर्माण, आर्थिक विकास और क्षेत्रीय स्थिरता पर अधिक निकट समन्वय विकसित कर सकते हैं। इसके साथ ही रक्षा सहयोग, 'दुस्तलिक' सैन्य अभ्यास, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, विज्ञान-तकनीक और महत्वपूर्ण खनिजों में साझेदारी भारत की मध्य एशिया नीति को नई धार दे सकती है।

इसके बाद बिश्केक में एससीओ का मंच मोदी को रूस और चीन समेत प्रमुख यूरेशियाई शक्तियों के साथ सीधे संवाद का अवसर देगा। भारत के लिए एससीओ केवल फोटो-ऑप नहीं है। आतंकवाद, ऊर्जा सुरक्षा, कनेक्टिविटी, आर्थिक सहयोग और क्षेत्रीय स्थिरता, ये सभी भारत के प्रत्यक्ष राष्ट्रीय हित से जुड़े प्रश्न हैं। नई दिल्ली लगातार यह भी रेखांकित करती रही है कि कनेक्टिविटी परियोजनाएं संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करें तथा आतंकवाद के खिलाफ दोहरे मानदंड स्वीकार नहीं किए जा सकते।

इस पूरे घटनाक्रम का सबसे दिलचस्प पहलू मोदी-पुतिन संबंध हैं। हम आपको बता दें कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर की मॉस्को यात्रा के दौरान पुतिन ने मोदी से एससीओ में मिलने की इच्छा जताई और भारत के लिए उर्वरक आपूर्ति बढ़ाने की बात कही। दोनों देशों के बीच ऊर्जा, व्यापार, परमाणु सहयोग और कृषि जरूरतों से जुड़े रिश्ते लगातार महत्वपूर्ण बने हुए हैं। भारत ने पश्चिमी दबाव के बावजूद अपने राष्ट्रीय हितों के आधार पर रूस के साथ आर्थिक संबंध बनाए रखे हैं और यही मोदी की रणनीतिक स्वायत्तता का सबसे बड़ा प्रमाण है।

लेकिन असली भू-राजनीतिक धमाका इसके बाद हो सकता है। 12-13 सितंबर को नई दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में पुतिन और शी चिनफिंग की मौजूदगी की संभावना भारत की कूटनीतिक हैसियत को और मजबूत करेगी। यदि मोदी, पुतिन और शी एक ही मंच पर लगातार दो बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में मिलते हैं, तो यह किसी औपचारिक मित्रता की घोषणा नहीं होगी; लेकिन यह जरूर दिखाएगा कि विश्व राजनीति अब एकध्रुवीय निर्देशों पर नहीं चलती।

भारत, रूस और चीन के बीच मतभेद मौजूद हैं, विशेषकर भारत-चीन संबंधों में। इसलिए इसे किसी स्थायी त्रिपक्षीय गठबंधन के रूप में देखना जल्दबाजी होगी। मगर बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था, वैश्विक शासन सुधार, ग्लोबल साउथ की आवाज, ऊर्जा सुरक्षा और वैकल्पिक आर्थिक संस्थाओं के सवाल पर तीनों देशों की बातचीत का प्रभाव अमेरिका और पश्चिमी शक्तियों तक जरूर पहुंचेगा।

मोदी की उज्बेकिस्तान से बिश्केक और फिर नई दिल्ली तक फैली यह कूटनीतिक श्रृंखला एक बड़े संदेश का निर्माण करती है। संदेश यह है कि भारत अब मध्य एशिया में अपनी पहुंच बढ़ा रहा है, रूस के साथ पुराने रणनीतिक संबंधों को नए आर्थिक आधार दे रहा है, चीन के साथ प्रतिस्पर्धा और संवाद, दोनों को एक साथ साध रहा है और ब्रिक्स जैसे मंचों के जरिए ग्लोबल साउथ की राजनीति को नई दिशा देने की कोशिश कर रहा है। वॉशिंगटन के लिए संदेश इसलिए असहज हो सकता है, क्योंकि दबाव, टैरिफ और रणनीतिक ध्रुवीकरण की राजनीति भारत को किसी खेमे में बांधने की गारंटी नहीं देती।

बहरहाल, मोदी की कूटनीति का मूल मंत्र साफ दिखाई देता है कि जहां भारत का हित, वहीं भारत का हाथ। अगले कुछ सप्ताह में ताशकंद, बिश्केक और नई दिल्ली के मंच शायद यही साबित कर दें कि बदलती विश्व व्यवस्था में भारत अपनी शर्तों पर चाल चलने वाला निर्णायक खिलाड़ी है।

संपादकीय

आत्महंता होनहार

राजस्थान के कोटा से एक और दुखद खबर आई। मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट की तैयारी कर रही 20 वर्षीय छात्रा ने फंदा लगाकर जान दे दी। इसके अलावा विचलित करने वाली यह खबर भी है कि पिछले पांच सालों में देश के प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग संस्थान आईआईटी में 70 होनहारों ने आत्महत्या की। गंभीर चिंता यह भी कि जुलाई से शुरू हुए सत्र में अब तक आईआईटी के तीन और आईआईएम का एक छात्र आत्महत्या कर चुका है। वहीं आईआईएससी बंगलूरु में भी पंद्रह दिन में दो छात्रों ने आत्मघात किया है। विडंबना यह है कि इन आंकड़ों में देश के अन्य शिक्षण संस्थानों के आत्मघात के मामले शामिल नहीं किए जाते हैं। जिससे देश में आत्महत्या करने वाले छात्रों की वास्तविक तस्वीर सामने नहीं आ पाती। यह अकल्पनीय है कि जिन इंजीनियरिंग संस्थानों में दाखिला लेना छात्रों का सपना होता है, वहां पहुंचकर कोई छात्र आत्महत्या क्यों कर लेता है? विचारणीय प्रश्न है कि आखिर ये छात्र आत्मघाती कदम क्यों उठा रहे हैं? क्या वे इंजीनियरिंग आदि के पाठ्यक्रम के साथ साम्य नहीं बैठा पाते? क्या सिस्टम की खामियां उन्हें हताश करती हैं? क्या ग्रामीण पृष्ठभूमि से आए हिंदी व अन्य भारतीय भाषाओं के छात्र अंग्रेजी के पाठ्यक्रम के साथ तालमेल नहीं बैठा पाते हैं? अक्सर चर्चा होती है कि उच्च इंजीनियरिंग संस्थानों में देश के चर्चित व महंगे अंग्रेजी स्कूलों से आए छात्रों द्वारा भाषा,जाति, ग्रामीण पृष्ठभूमि तथा आर्थिक स्तर पर अन्य छात्रों के साथ भेदभाव किया जाता है। आरोप है कि अंग्रेजी माध्यम से आये छात्र हिंदी व क्षेत्रीय भाषाओं से पढ़ाई कर-के आए छात्रों को हेय दृष्टि से देखते हैं। आरोप तो यहां तक हैं कि कुछ शिक्षक भी ऐसे छात्रों के प्रति दुराग्रह रखते हैं। कमोबेश ऐसी चिंताएं ग्रामीण पृष्ठभूमि व वंचित समाज से आए छात्रों को लेकर भी सामने आती हैं। नये छात्रों को परिसर तथा छात्रावासों में भेदभाव जैसी समस्याओं का भी सामना करना पड़ता है। फलतः इन छात्रों का आत्मविश्वास डिगता है। कालांतर वे अपनी कक्षाओं की पढ़ाई के साथ साम्य नहीं बना पाते व हताशा में आत्मघात की राह चुनते हैं। इंजीनियरिंग व प्रबंधन से जुड़े देश के उच्च शिक्षण संस्थानों में छात्रों की आत्महत्या की बढ़ती घातक प्रवृत्ति के मद्देनजर सरकार ने मामले की पड़ताल के लिए पिछली जनवरी में तीन सदस्यीय समिति गठित की थी। इस समिति ने भी स्वीकार किया था कि व्यवस्था में कुछ खामियां जरूर हैं, जिसके चलते छात्र आत्मघात के लिये बाध्य होते हैं। दरअसल, कुछ छात्र शिक्षा व्यवस्था, सामाजिक, आर्थिक व पारिवारिक आकांक्षाओं के बोझ के साथ अध्ययन कर रहे होते हैं। जिससे उनके मन में यह भय पैदा हो जाता है कि क्या वे अपने जीवन के लक्ष्य हासिल भी कर पाएंगे? बड़ी संख्या में मध्यमवर्गीय, गरीब परिवारों व वंचित समाज की प्रतिभाएं खून-पसीना एक करके इन संस्थानों में दाखिला लेती हैं। उन पर मानसिक दबाव होता है कि परिवार ने पेट काटकर और कर्ज आदि लेकर उन्हें महंगे इंजीनियरिंग व प्रबंधन संस्थानों में दाखिला दिलाया है। यदि वे असफल हुए तो परिवार को क्या मुंह दिखाएंगे? दूसरा, हमारे समाज में इंजीनियर, प्रबंधक व डॉक्टर बनने की भेड़चाल चल रही होती है।

चिंतन-मनन

प्रेम और सहयोग का नाम है परिवार

पारिवारिक सदस्यों के त्याग, सहयोग, स्वच्छता, प्रेम, संतुष्टि व व्यसनमुक्ति से ही परिवार संयुक्त और समृद्धिशाली बनता है। वे सौभाग्यशाली हैं जो संयुक्त परिवार में रह रहे हैं तथा जिन्हें माता -पिता का सान्निध्य प्राप्त हो रहा है। विश्व बंधुत्व की बात करने वालों को पहले अपने परिवार में बंधुत्व बनाए रखने के लिए प्रयत्न करना चाहिए। आज छोटी-छोटी बातों को लेकर परिवार टूट रहे हैं। हम अधिकारों की बजाए एक-दूसरे के हितों का ध्यान रखेंगे, तभी हमारे परिवार खुशहाल और सुदृढ़ होंगे।

एक माता-पिता अपने पाँच-पाँच बच्चों को पाल पोसकर बड़ा करके योग्य बना देते हैं जबकि पाँच-पाँच बच्चे बुढ़ापे में अपने एक माता-पिता को संभालने से कतराते हैं। आज हम जितने बूढ़े दादा-दादी के प्रति लापरवाह हैं यदि हमारे बचपन में वे हमारे प्रति इतने ही लापरवाह होते तो हमारी क्या दुर्गति हो गई होती। इस बात को युवा पीढ़ी को अच्छी तरह ध्यान रखना चाहिए।

परिवार में ब्याह कर आई नई बहू को चाहिए कि जितने उम्र का पति उसे मिला है कम से कम उतने साल तो सास-ससुर का फर्ज मानकर उन्हें निभा देना चाहिए। इस पीढ़ी को व्यसनमुक्त होकर अपने माता-पिता की सेवा करने, उनके प्रणाम करने के तरीको को जीवन में अपनाना चाहिए। जीवन में सदाचार को अपना कर हमें अपने विचारों को बदलना होगा। विचार जीवन का प्रतिबिंब है। संतों की संगति से अच्छे विचार आते हैं। विचार अच्छे होना हमारी जागरूकता को दर्शाता है। हमारे विचार हमारे जीवन का परिचय देते हैं। रुपया-पैसे का लालच छोड़कर हमें जीवन में धार्मिक आराधना करते रहना चाहिए। जिससे हमारा जीवन और हमारे परिवार का जीवन सार्थक होगा।

नेपाल जलप्रलय को समझें प्रकृति की चेतावनी

डॉ. हिदायत अहमद खान

नेपाल में आई प्राकृतिक आपदा ने भारत को भी झकझोर कर रख दिया है। इस आपदा में जहां 170 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई, वहीं 133 भारतीयों समेत हजार से ज्यादा लोग लापता बताए जा रहे हैं। ऐसे में मृतकों की संख्या बढ़ने का अंदेशा भी बना हुआ है। इस विनाशकारी बाढ़ ने हिमालयी क्षेत्र की संवेदनशीलता को एक बार फिर पूरी भयावहता के साथ रेखांकित कर दिया है। तिब्बत सीमा से लगे इलाकों में अचानक आए फ्लैश फ्लड ने देखते ही देखते बस्तियों, सड़कों, पुलों और जलविद्युत परियोजनाओं को निगल लिया। यह आपदा उस खतरे की गंभीर चेतावनी को दशार्ता है जो हिमालयी क्षेत्र में तेजी से बदलते पर्यावरण, बढ़ती मानवीय गतिविधियां और अपर्याप्त आपदा तैयारी के कारण बढ़ रहा है। इस त्रासदी का सबसे मार्मिक पक्ष यह है कि बड़ी संख्या में कैलाश मानसरोवर यात्रा पर गए श्रद्धालुओं से लेकर तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और अन्य राज्यों के पर्यटकों तक, अनेक परिवार अपने प्रियजनों की खबर का इंतजार कर रहे हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि सभी सकुशल होंगे और बहुत जल्द अपने-अपने घरों को लौअ आएंगे। संचार व्यवस्था ठप होने के कारण लापता लोगों का पता लगाना और भी कठिन हो गया है। संकट की इस घड़ी में सीमापार आपदा के लिए पहले से तैयार एक साझा तंत्र की जरूरत महसूस हो रही है। नेपाल की इस आपदा का एक महत्वपूर्ण पहलू इसकी अचानक आई बाढ़ है। अधिकारियों ने भूकंप के बाद बाढ़ आने और हिमनद या प्राकृतिक जल अवरोध टूटने की आशंका जताई है। यदि यह आशंका सही साबित होती है, तो यह घटना हिमालयी पारिस्थितिकी में हो रहे बदलावों को समझने के लिए भी महत्वपूर्ण होगी। हालांकि, किसी एक कारण को अंतिम रूप से जिम्मेदार ठहराने से पहले वैज्ञानिक जांच आवश्यक है। एक तरफ भूविज्ञानी ग्लोबल वार्मिंग को लेकर लंबे समय से दुनियां के तमाम शक्तिशाली देशों को चेताते चले आ रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ यह भी कहा जा रहा है कि प्राकृतिक घटनाओं को रोकना संभव नहीं है। यहां समझने वाली बात यह है कि भविष्य में प्राकृतिक आपदाओं के विनाशकारी प्रभाव को कम करना निश्चित रूप से संभव है। इसके लिए सीमाओं से परे जाकर अथक प्रयास करने की आवश्यकता है। फिलहाल तो सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या नेपाल और उसके पड़ोसी देश ऐसी आपदाओं के लिए पर्याप्त रूप से तैयार हैं? पहाड़ी क्षेत्रों में सड़कें, पुल और जलविद्युत परियोजनाएं विकास की आवश्यकता हैं, लेकिन विकास और पर्यावरणीय सुरक्षा के बीच संतुलन न हो तो यही ढांचा आपदा के समय जोखिम बढ़ा सकता है। नेपाल में नौ बैंक शाखाओं के बह जाने और बड़ी संख्या में बैंक कर्मचारियों तथा सुरक्षाकर्मियों के संपर्क से बाहर होने की जानकारी बताती है कि आपदा का प्रभाव केवल आम आबादी तक सीमित नहीं रहता, बल्कि आर्थिक और प्रशासनिक ढांचा भी इसकी चपेट में आता है।

भारत के लिए भी यह घटना महज पड़ोसी देश की त्रासदी नहीं है। नेपाल की नदियां भारत में प्रवेश करने के बाद गंडक और अन्य नदी प्रणालियों का हिस्सा बनती हैं। इस बार नेपाल से आया तेज बहाव बिहार तक पहुंचा और वाल्मीकिनगर गंडक बराज पर दबाव बढ़ा। बराज के सभी 36 गेट खोले गए। राहत की बात यह रही कि नारायणी नदी के विस्तृत बहाव क्षेत्र में पानी फैलने से बिहार में बड़े पैमाने पर बाढ़ का खतरा फिलहाल टल गया। लेकिन इस राहत को स्थायी सुरक्षा समझना भूल होगी। दरअसल, नेपाल और भारत के बीच नदियां सीमाओं को नहीं मानतीं। इसलिए बाढ़, भूस्खलन, ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड जैसी आपदाओं से निपटने के लिए दोनों देशों को रियल टाइम सूचना साझा करने की व्यवस्था मजबूत करनी होगी। यदि किसी नदी के ऊपरी हिस्से में अचानक जलस्तर बढ़ता है, तो निचले इलाकों को समय रहते चेतावनी मिलनी चाहिए। चेतावनी और राहत के बीच जितना अधिक समय मिलेगा, उतनी ही अधिक जानें बचाई जा सकती हैं। इस आपदा ने संचार व्यवस्था की कमजोरी को भी उजागर किया है। पहाड़ी इलाकों में मोबाइल नेटवर्क और बिजली व्यवस्था के ठप होने के बाद प्रशासन के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह बन जाती है कि किसे बचाया जाए और कहां लोग फंसे हैं। इसलिए आपदा प्रबंधन की योजनाओं में वैकल्पिक संचार व्यवस्था, स्थानीय बचाव दल, सामुदायिक प्रशिक्षण और आपातकालीन आश्रय स्थलों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। भारत ने नेपाल के साथ एकजुटता दिखाई है और राहत सामग्री भेजी है। यह मानवीय सहयोग दोनों देशों के संबंधों की स्वाभाविक अभिव्यक्ति है। मगर असली परीक्षा आपदा समाप्त होने के बाद शुरू होती है। पुनर्वास, क्षतिग्रस्त ढांचे का पुनर्निर्माण और भविष्य के जोखिम को कम करना कहीं अधिक कठिन और लंबी प्रक्रिया है। नेपाल का जलप्रलय हमें यह समझाने के लिए पर्याप्त है कि हिमालय केवल प्राकृतिक सौंदर्य का क्षेत्र नहीं, बल्कि अत्यंत संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र भी है। विकास जरूरी है, पर्यटन जरूरी है और ऊर्जा परियोजनाएं भी जरूरी हैं, लेकिन इनके लिए प्रकृति की सीमाओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हर पुल, सड़क और परियोजना के साथ यह सवाल पूछा जाना चाहिए कि आपदा की स्थिति में उसका जोखिम कितना है। प्रकृति को दोष देकर जिम्मेदारी से बचा नहीं जा सकता।

उपहारों में नहीं, रिश्तों के अनमोल विश्वास में है राखी का मोल

योगेश कुमार गोयल

रिश्तों की पवित्रता और सुरक्षा के संकल्प का पर्व रक्षाबंधन...

रक्षाबंधन पर्व रक्षा के तात्पर्य से बांधने वाला एक ऐसा सूत्र है, जिसमें बहनें अपने भाईयों के माथे पर तिलक लगाकर जीवन के हर संघर्ष तथा मोर्चे पर उनके सफल होने तथा निरन्तर प्रगति पथ पर अग्रसर रहने की ईश्वर से प्रार्थना करती हैं तथा उनके सुखद जीवन के लिए मंगलकामना करती हैं। भाई इस कच्चे धागे के बदले अपनी बहनों की हर प्रकार की विपत्ति से रक्षा करने का वचन देते हैं और उनके शील एवं मयार्दा की रक्षा करने का संकल्प लेते हैं। वास्तव में भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक पर्व रक्षाबंधन स्नेह, सौहार्द एवं सद्भावना का एक ऐसा पर्व है, जो उन्हें अटूट एकता के सूत्र में बांध देता है। श्रावण मास की पूर्णिमा को मनाए जाने वाले रक्षाबंधन पर्व की भारतीय समाज और संस्कृति में कितनी महत्ता है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि बहनों के हाथ अपने भाईयों की कलाईयों पर राखियां बांधने के लिए मचल उठते हैं और कलाई पर बांधे जाने वाले मामूली से दिखने वाले इन्हीं कच्चे धागों से पक्के रिश्ते बनते हैं। पवित्रता तथा स्नेह का सूचक यह पर्व भाई-बहन को पवित्र स्नेह के बंधन में बांधने का पवित्र एवं यादगार दिवस है। इस पर्व को भारत के कई हिस्सों में श्रावणी के नाम से जाना जाता है। पश्चिम बंगाल में ह्यगुरु महापूर्णिमाह्न, दक्षिण भारत में ह्यनारियल पूर्णिमाह्न तथा नेपाल में इसे ह्यजनेऊ पूर्णिमाह्न के नाम से जाना जाता है।

रक्षाबंधन मनाए जाने के संबंध में अनेक पौराणिक एवं ऐतिहासिक प्रसंगों का उल्लेख मिलता है। कहा जाता है कि जब देवराज इन्द्र बार-बार राक्षसों से परास्त होते रहे और हर बार राक्षसों के हाथों देवताओं की हार से निराश हो गए तो इन्द्राणी ने बहुत कठिन तपस्या की और अपने तपोबल से एक रक्षासूत्र तैयार किया। यह रक्षासूत्र इन्द्राणी ने देवराज इन्द्र की कलाई पर बांध दिया। तपोबल से युक्त इस रक्षासूत्र के प्रभाव से देवराज इन्द्र राक्षसों को परास्त करने में सफल हुए। तभी से रक्षाबंधन पर्व की शुरूआत हुई। एक उल्लेख यह भी मिलता है कि जब भगवान विष्णु ने वामन अवतार लिया था, तब उन्होंने एक ब्राह्मण वेश धारण कर अपनी दानशील प्रवृत्ति के लिए तीनों लोकों में प्रसिद्ध राजा बलि से तीन पग भूमि दान में मांगी और बलि द्वारा उनकी मांग स्वीकार कर लिए जाने पर भगवान वामन ने अपने पग से सम्पूर्ण पृथ्वी को नापते हुए बलि को पाताल लोक भेज दिया। कहा जाता है कि उसी की याद में रक्षाबंधन पर्व मनाया गया।

रक्षाबंधन पर्व से कई ऐतिहासिक प्रसंग भी जुड़े हैं। ऐतिहासिक दृष्टि से इस पर्व की शुरूआत मध्यकालीन युग से मानी जाती है। भारतीय इतिहास ऐसे प्रसंगों से भरा पड़ा है, जब राजपूत योद्धा अपनी जान की बाजी लगाकर युद्ध के मैदान में जाते थे तो उनके देश की बेटियां उन वीर सैनिकों की आरती उतारकर उनकी कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा करती थी तथा वीर रस के गीत गाकर उनकी हौंसला अफजाई करते हुए उनसे राष्ट्र की रक्षा का प्रण भी कराती थी। कहा जाता है कि उस जमाने में अधिकांश मुस्लिम शासक हिन्दू युवतियों का बलपूर्वक अपहरण करके उन्हें अपने हरम की शोभा बनाने का प्रयास किया करते थे और ऐसी परिस्थितियों से बचने के लिए राजपूत कन्याओं ने बलशाली राजाओं को राखियां भेजकर उनके साथ भ्रातृत्व संबंध स्थापित कर अपने शील की रक्षा करनी आरंभ कर दी थी। उसी परम्परा ने बाद में रक्षाबंधन पर्व का रूप ले लिया।

चितौड़ की महारानी कर्मावती का प्रसंग तो इस संबंध में विशेष रूप से उल्लेखनीय है। जब गुजरात के शासक बहादुरशाह ने चितौड़ पर आक्रमण कर दिया तो चितौड़ की महारानी कर्मावती घबरा गई। उन्हें चितौड़ के साथ-साथ स्वयं की तथा चितौड़ की अन्य राजपूत बालाओं की सुरक्षा का कोई रास्ता नजर नहीं आ रहा था। कोई उपाय न सूझने पर रानी कर्मावती ने बादशाह हुमायूं को राखी के धागे में रक्षा का पैगाम भेजा और हुमायूं को अपना भाई मानते हुए उनसे अपनी सुरक्षा की प्रार्थना की। बादशाह हुमायूं महारानी कर्मावती का यह रक्षासूत्र और संदेश पाकर भाव विभोर हो गए और अपनी इस अनदेखी बहन के प्रति अपना कर्त्तव्य निभाने तुरन्त अपनी विशाल सेना लेकर चितौड़ की ओर रवाना हो गए लेकिन जब तक वह चितौड़ पहुंचे, तब तक महारानी कर्मावती और चितौड़ की हजारों वीरांगनाएं अपने शील की रक्षा हेतु अपने शरीर की अग्नि में आहूति दे चुकी थी। उसके बाद हुमायूं ने महारानी कर्मावती की चिता की राख से अपने माथे पर तिलक लगाकर बहन के प्रति अपने कर्त्तव्य का निर्वहन करने के लिए जो कुछ किया, वह इतिहास के पन्नों पर स्वर्णाक्षरों में अंकित हो गया तथा इसी के साथ रक्षाबंधन पर्व के इतिहास में एक अविस्मरणीय अध्याय भी जुड़ गया। इस ऐतिहासिक घटना के बाद ही यह परम्परा बनी कि कोई भी महिला या युवती जब किसी व्यक्ति को राखी बांधती है तो वह व्यक्ति उसका भाई माना जाता है।

समय के साथ-साथ रक्षाबंधन पर्व के स्वरूप और मूल उद्देश्य में बहुत बदलाव आया है। तेजी से आधुनिकता की ओर अग्रसर आज के इस भागदौड़

भरे और स्वार्थपरक जमाने में जहां बहनों के लिए अब राखी का अर्थ भाई से महंगे उपहार तथा नकदी इत्यादि पाना हो गया है, वहीं भाई भी अपनी निजी जिन्दगी की व्यस्तताओं के चलते बहनों के प्रति अपने कर्त्तव्य का निर्वहन सही ढ़ंग से नहीं कर पाते। ऐसे में यह पवित्र पर्व अब रुपये-पैसे तथा साड़ी, आभूषण व अन्य कीमती उपहारों इत्यादि के लेन-देन का पर्व बनता जा रहा है और भाई-बहन के बीच राखी का मोलभाव होने की वजह से धीरे-धीरे इस पर्व की मूल भावनाएं सिकुड़ रही हैं। कच्चे धागों की जगह रेशम के धागों ने ले ली और अब इन धागों की अहमियत कम होती जा रही है। रक्षाबंधन महज कलाई पर एक धागा बांधने की रस्म नहीं है बल्कि यह भाई-बहन के अटूट स्नेह, पवित्रता और सद्भावना का पर्व है। यह पर्व रिश्तों की पवित्रता और वचनबद्धता का प्रतीक है। इसलिए रक्षाबंधन पर्व को चंद रुपयों या कीमती उपहारों से तोलकर देखना इस पर्व के अंतस में विद्यमान पवित्र भावना का अपमान है।

7000 लीटर दूध मिट्टी में मिलाया: आगरा में मिलावटखोरी के खिलाफ बड़ा एक्शन, 145 किलो खोया भी नष्ट कराया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आगरा। आगरा में खाद्य विभाग की टीम ने रक्षाबंधन त्योहार से पहले मिलावटखोरी पर बड़ा एक्शन लिया. सैंया टोल प्लाजा पर मध्य प्रदेश के एक टैंकर को पकड़ा. चालक रामनिवास कुशवाह आवश्यक कागजात नहीं दिखा सका, जिसके बाद टीम ने नमूने लेकर 1.75 लाख रुपये की कीमत का 7 हजार लीटर दूध जमीन पर गिराकर नष्ट करवा दिया. इसके अलावा फतेहाबाद तहसील के नाथूपुर में टीम ने कार्रवाई करते हुए 29 हजार रुपये कीमत का 145 किलो खोया नष्ट कराया और मौके से 52 किलो वनस्पति जैसा मिलावटी सामान सीज किया.खाद्य विभाग की टीम ने केवल टैंकर पर ही कार्रवाई नहीं की, बल्कि फतेहाबाद तहसील क्षेत्र के नाथूपुर में भी छापेमारी की. यहां टीम ने 145 किलो खोया नष्ट कराया, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 29 हजार रुपये बताई गई है. इसके साथ ही कार्रवाई के दौरान मिलावट के अंदेशे में मौके से 52 किलो वनस्पति जैसा अडल्ट्रेट भी सीज किया गया है.

मिठाई और दूध के 16 नमूने लैब भेजे गए

त्योहार के दौरान शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग ने विभिन्न स्थानों से मिठाई, दूध, दही, पनीर, घी और खोया समेत कुल 16 नमूने एकत्र किए हैं. इन सभी नमूनों को विस्तृत जांच के लिए प्रयोगशाला भेज दिया गया है. अधिकारियों का कहना है कि लैब रिपोर्ट आने के बाद दोषियों पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी.

पति ने बिना तलाक की दूसरी शादी की तो टूट गई मां, दो बेटों के मुंह में ठूंसा कपड़ा, सिर पर रॉड से वार कर की हत्या

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर।गाजीपुर में एक मां ने अपने दो बेटों की हत्या कर दी। पति द्वारा दूसरी शादी करने से नाराज होकर महिला ने यह कदम उठाया। उसने बच्चों को दवा मिलाकर और फिर सिर पर प्रहार कर मार डाला। घटना के बाद महिला ने खुदकुशी का प्रयास भी किया।

उत्तर प्रदेश में गाजीपुर जिले के खानपुर थाना क्षेत्र के रजहटी गांव में दो नाबालिग भाइयों की मौत के बाद सनसनी फैल गई। पुलिस के अनुसार, 14 वर्षीय करन और 12 वर्षीय आर्यन के शव घर के एक कमरे में मिले हैं। मामले में बच्चों की मां पूजा राजभर पर दोनों की हत्या का आरोप लगा है। पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है।

बताया जा रहा है कि पूजा का पति अर्जुन राजभर मुंबई में रहता है। आरोप है कि उसने पूजा से तलाक लिए बिना ही वहां दूसरी शादी कर ली। पति की दूसरी शादी की जानकारी मिलने के बाद से पूजा मानसिक तनाव में थी। पुलिस अब इसी घटनाक्रम को भी जांच का हिस्सा बनाकर आगे बढ़ रही है।

पति की दूसरी शादी के बाद तनाव में थी पूजा

रजहटी गांव निवासी पूजा अपने सास-ससुर, दो बेटों और एक बेटी के साथ रहती थी। उसका पति अर्जुन मुंबई में रहकर काम करता था। परिवार के मुताबिक, अर्जुन ने मुंबई में दूसरी महिला से शादी कर ली थी। बताया जा रहा है कि पति की दूसरी शादी की जानकारी मिलने के बाद पूजा काफी तनाव में रहने लगी थी। इसी बीच मंगलवार को दोनों बेटों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई।

कमरे में मिले दोनों बच्चों के शव

बताया जा रहा है कि बच्चों की दादी कुछ समय के लिए घर से बाहर गई थीं। वापस लौटने पर उन्होंने दोनों बच्चों के बारे में पूछा। काफी देर तक बच्चे दिखाई नहीं दिए तो उन्हें शक हुआ और पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के दौरान घर के एक कमरे को खुलवाया गया। कमरे के अंदर दोनों बच्चों के शव मिले। इसके बाद पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी।

पुलिस कर रही जांच

पुलिस को आशंका है कि बच्चों को पहले कोई पदार्थ खिलाया गया हो सकता है और इसके बाद मुंह में कपड़ा ठूंसकर सिर पर रॉड से वार कर दोनों की हत्या कर दी गई। हालांकि, मौत की वास्तविक वजह पोस्टमार्टम और जांच के बाद ही स्पष्ट होगी। पुलिस ने घटनास्थल से जरूरी साक्ष्य जुटाए हैं और मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

मां ने भी आत्महत्या की कोशिश की

घटना के बाद पूजा द्वारा खुदकुशी की कोशिश किए जाने की बात भी सामने आई है। हालांकि, आसपास मौजूद लोगों ने उसे रोक लिया। पुलिस अब पूजा की मानसिक स्थिति, पति की दूसरी शादी और घटना से पहले परिवार में हुई परिस्थितियों की भी जानकारी जुटा रही है।

फिलहाल पुलिस मामले की गहन जांच में जुटी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पति द्वारा दूसरी शादी करने से नाराज होकर महिला ने यह कदम उठाया। उसने बच्चों को दवा मिलाकर और फिर सिर पर प्रहार कर मार डाला। घटना के बाद महिला ने खुदकुशी का प्रयास भी किया।

उत्तर प्रदेश में गाजीपुर जिले के खानपुर थाना क्षेत्र के रजहटी गांव में दो नाबालिग भाइयों की मौत के बाद सनसनी फैल गई। पुलिस के अनुसार, 14 वर्षीय करन और 12 वर्षीय आर्यन के शव घर के एक कमरे में मिले हैं। मामले में बच्चों की मां पूजा राजभर पर दोनों की हत्या का आरोप लगा है। पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है।

बताया जा रहा है कि पूजा का पति अर्जुन राजभर मुंबई में रहता है। आरोप है कि उसने पूजा से तलाक लिए बिना ही वहां दूसरी शादी कर ली।

अमेरिका में EX गर्लफ्रेंड की हत्या, आगरा में गिरफ्तारी

सॉफ्टवेयर इंजीनियर अर्जुन शर्मा की कहानी; किया जाएगा डिपोर्ट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ । अमेरिका में तेलुगु महिला निकिता की हत्या कर भारत भागे आरोपी सॉफ्टवेयर इंजीनियर अर्जुन शर्मा को आगरा से गिरफ्तार कर लिया गया है. हैदराबाद और आगरा पुलिस के संयुक्त ऑपरेशन में पकड़ा गया आरोपी दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया गया, जहां से अब उसे अमेरिका प्रत्यर्पित करने की कानूनी प्रक्रिया जारी है. आगरा अमेरिका में 27 वर्षीय तेलुगु महिला की हत्या के मामले में वांटेड सॉफ्टवेयर इंजीनियर अर्जुन शर्मा को उत्तर प्रदेश के आगरा से गिरफ्तार किया गया है. अमेरिका में हत्या की वारदात को अंजाम देने के बाद अर्जुन के भारत भाग आने का आरोप है. उसकी तलाश कर रही हैदराबाद पुलिस ने आगरा पुलिस की मदद से उसे कहरई स्थित शंकर ग्रीन अपार्टमेंट के फ्लैट नंबर 1202 से गिरफ्तार किया. मैरीलैंड में हुई थी निकिता की हत्या यह पूरा मामला अमेरिका के मैरीलैंड राज्य के हॉवर्ड काउंटी के कोलंबिया इलाके का है. यहां 27 वर्षीय तेलुगु महिला निकिता गोडिशाला की हत्या का मामला सामने आया था. अमेरिकी पुलिस के मुताबिक, निकिता की हत्या 31 दिसंबर 2025 से 2 जनवरी 2026 के बीच की गई थी. आरोप है कि निकिता की उसके पूर्व प्रेमी अर्जुन शर्मा ने चाकू से हत्या की. हत्या के बाद अर्जुन अमेरिका से भारत भाग आया. अमेरिकी अधिकारियों ने अर्जुन शर्मा पर हत्या के गंभीर आरोप लगाए हैं और उसकी गिरफ्तारी के लिए गैर-जमानती वारंट जारी किया गया था. मामले में निकिता के पिता ने भी गंभीर आरोप लगाए हैं. उनका कहना है कि निकिता और अर्जुन के बीच पैसों को लेकर विवाद चल रहा था. इसी विवाद को भी हत्या की वजह से जोड़कर देखा जा रहा है. हालांकि हत्या के वास्तविक कारण और घटनाक्रम की पूरी तस्वीर जांच और कानूनी प्रक्रिया के बाद ही साफ होगी.अर्जुन शर्मा की तलाश हैदराबाद पुलिस भी कर रही थी. जांच के दौरान सामने आया कि अर्जुन

हैदराबाद के लल्लागुड़ा थाने में दर्ज एक एफआईआर में भी संदिग्ध था. जांच के दौरान अर्जुन के आगरा स्थित पते पर नोटिस भी भेजा गया था. इसके बाद अमेरिकी अधिकारियों की ओर से जारी गैर-जमानती वारंट के आधार पर उसकी गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई शुरू की गई.

डीसीपी सिटी से किया संपर्क

अर्जुन की लोकेशन आगरा में मिलने के बाद हैदराबाद पुलिस ने आगरा के डीसीपी सिटी सैयद अली अब्बास से संपर्क किया. इसके बाद हैदराबाद पुलिस ने आगरा पुलिस की मदद से एकता थाना क्षेत्र के कहरई स्थित शंकर ग्रीन अपार्टमेंट में दबिश दी. पुलिस ने अर्जुन शर्मा को अपार्टमेंट के फ्लैट नंबर 1202 से गिरफ्तार कर लिया.

दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट में हुई पेशी

गिरफ्तारी के बाद अर्जुन शर्मा को दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया गया. मामले की सुनवाई अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अनिमेष भास्कर मणि त्रिपाठी की अदालत में हुई.सुनवाई के दौरान सीबीआई ने अदालत को पूरे मामले की जानकारी दी. अदालत ने गिरफ्तारी के बाद आरोपी को हिरासत में रखने और आगे की कानूनी प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश दिया.अब अमेरिका प्रत्यर्पण की तैयारीअदालत को बताया गया कि अर्जुन शर्मा के खिलाफ अमेरिका में गैर-जमानती वारंट जारी है. अमेरिका ने आरोपी को भारत से वापस भेजने का अनुरोध भी किया है.अब अर्जुन शर्मा को अमेरिका भेजने के लिए प्रत्यर्पण की कानूनी प्रक्रिया आगे बढ़ेगी

गंगा एक्सप्रेसवे पर फिर पड़ीं दरारें, 10 दिनों में दूसरी बड़ी घटना कटाव, धंसाव और गड्ढों की घटनाओं से निर्माण में सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उन्नाव। उन्नाव में गंगा एक्सप्रेसवे के पैचवर्क पर फिर बड़ी दरारें दिखी हैं और हुए नुकसान की मरम्मत पर सवाल उठे हैं. भारी बारिश के बाद कई हिस्सों में कटाव, धंसाव और गड्ड की घटनाओं से निर्माण और ड्रेनेज व्यवस्था चर्चा में है. उत्तर प्रदेश के उन्नाव में गंगा एक्सप्रेसवे पर किए गए पैचवर्क में एक बार फिर बड़ी दरारें दिखाई देने से हड़कंप मच गया है. इससे एक्सप्रेसवे की मजबूती और निर्माण गुणवत्ता को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं. इससे पहले भी बारिश के बाद इस सड़क के कई हिस्सों में मिट्टी धंसने और कटाव की समस्या सामने आई थी, जिसके बाद संबंधित एजेंसियों ने मरम्मत और पैचवर्क कराया था. ताजा मामला उन्नाव के आसपास का बताया जा रहा है, जहां मरम्मत किए गए हिस्से पर बड़ी-बड़ी दरारें नजर आ रही हैं. यह स्थिति ऐसे समय में सामने आई है, जब लगातार बारिश के बाद एक्सप्रेसवे के अलग-अलग हिस्सों में जमीन और सड़क की स्थिति को लेकर पहले ही चिंता

जताई जा चुकी है. गंगा एक्सप्रेसवे पर इससे पहले भारी बारिश के बाद करीब 10 मीटर गहरा गड्डा बन गया था. मेरठ-प्रयागराज कैरिजवे पर किलोमीटर 421 के पास सड़क और उसके आसपास के एम्बैंकमेंट का एक हिस्सा बारिश के पानी के बहाव में क्षतिग्रस्त होने की जानकारी सामने आई थी. इसके बाद उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी की टीम मौके पर पहुंची और मरम्मत का काम शुरू कराया गया. इससे पहले जुलाई में उन्नाव के सोनिक टोल प्लाजा को गंगा एक्सप्रेसवे से जोड़ने वाली करीब सात मीटर की एप्रोच रोड भी भारी बारिश के बाद क्षतिग्रस्त हो गई थी. यहां एम्बैंकमेंट में मिट्टी का कटाव हुआ और सड़क का एक हिस्सा धंस गया था.

36,230 करोड़ की परियोजना पर सवाल

करीब 36,230 करोड़ रुपये की लागत से बना 594 किलोमीटर लंबा गंगा एक्सप्रेसवे मेरठ से प्रयागराज को जोड़ता है. छह लेन का यह एक्सेस-कंट्रोल एक्सप्रेसवे 12 जिलों से होकर गुजरता है. इसे उत्तर प्रदेश के लिए अहम इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट माना जाता है. इसका उद्घाटन 29 अप्रैल 2026 को किया गया था.उद्घाटन के कुछ ही समय बाद अलग-अलग हिस्सों में नुकसान और मरम्मत की खबरों ने परियोजना की टिकाऊ क्षमता पर सवाल खड़े किए हैं. खास तौर पर भारी बारिश वाले इलाकों में सड़क की ड्रेनेज व्यवस्था, एम्बैंकमेंट और निर्माण गुणवत्ता को लेकर चिंता बढ़ी है.जिलों से होकर गुजरता है. इसे उत्तर प्रदेश के लिए अहम इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट माना जाता है. इसका उद्घाटन 29 अप्रैल 2026 को किया गया था.उद्घाटन के कुछ ही समय बाद अलग-अलग हिस्सों में नुकसान और मरम्मत की खबरों ने परियोजना की टिकाऊ क्षमता पर सवाल खड़े किए हैं. निर्माण गुणवत्ता को लेकर चिंता बढ़ी है.

स्कूटी सवार को टक्कर मारकर भाग रहा था ट्रक, कैंटर से भिड़ा तो लगी आग, जिंदा जल गया ड्राइवर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बिजनौर । बिजनौर के धामपुर में एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ. तेज रफ्तार ट्रक ने पहले स्कूटी सवार को टक्कर मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया और मौके से भागने लगा. कुछ दूर चलने के बाद ट्रक कैंटर से भिड़ गया. इसके बाद दोनों वाहनों में आग लग गई. ट्रक चालक नदीम आग में फंस गया और उसकी जिंदा जलकर मौत हो गई. वहीं, हादसे में घायल स्कूटी सवार ने भी दम तोड़ दिया. बिजनौर में बीती रात एक सड़क हादसे ने ऐसा खौफनाक मोड़ लिया कि मौके पर अफरा-तफरी मच गई. धामपुर में तेज रफ्तार ट्रक ने पहले स्कूटी सवार को कुचल दिया. हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से भागने लगा. लेकिन कुछ दूर जाकर ट्रक सामने से आ रहे कैंटर से भिड़ गया. टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों वाहनों में आग लग गई. ट्रक चालक आग की चपेट में आ गया और उसकी जिंदा जलकर मौत हो गई. वहीं, हादसे में घायल स्कूटी सवार ने भी इलाज के दौरान दम तोड़ दिया.घटना धामपुर में एसडीएम ऑफिस के पास की है. नूरपुर की ओर से तेज रफ्तार में ट्रक आ रहा था. इसी दौरान ट्रक की चपेट में एक स्कूटी

सवार आ गया. हादसे में स्कूटी सवार गंभीर रूप से घायल हो गया. इसके बाद ट्रक चालक ट्रक लेकर मौके से भागने लगा. तभी धामपुर एसडीएम ऑफिस के पास चढ़ाई पर सामने से आ रहे कैंटर से ट्रक की भिड़ंत हो गई. दोनों वाहनों की टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कुछ ही देर में ट्रक और कैंटर आग की लपटों से घिर गए. आग इतनी भीषण थी कि उसकी लपटें दूर तक दिखाई दे रही थीं. सड़क पर अचानक आग का गोला देखकर आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया.सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची. फायर फाइटर्स ने आग बुझाने का काम शुरू किया. इस दौरान पुलिस ने कैंटर में फंसे चालक और परिचालक को किसी तरह बाहर निकाला और इलाज के लिए अस्पताल भेजा. लेकिन ट्रक के अंदर फंसे चालक को बचाया नहीं जा सका. आग बुझने के बाद ट्रक के अंदर का मंजर बेहद दर्दनाक था. ट्रक चालक नदीम की सीट पर ही जिंदा जलकर मौत हो चुकी थी. फायर ब्रिगेड की टीम ने काफी मशक्कत के बाद उसके शव को ट्रक से बाहर निकाला. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. जिस स्कूटी सवार को टक्कर मारी, उसकी भी मौत उधर, ट्रक की चपेट में आए स्कूटी सवार कुलवंत सिंह गंभीर रूप से घायल हुए थे. उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, लेकिन हालत गंभीर होने के चलते उन्हें बचाया नहीं जा सका. इलाज के दौरान उनकी भी मौत हो गई. कुलवंत सिंह की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया. ट्रक और कैंटर की भिड़ंत में कैंटर चालक और परिचालक भी घायल हुए हैं. दोनों का अस्पताल में इलाज चल रहा है. पुलिस घटनाक्रम की जांच कर रही है.एसपी पूर्वी बिजनौर अमित किशोर श्रीवास्तव के मुताबिक, हादसे में दो लोगों की मौत हुई है.

ग्वालियर: डबरा में भैंस लेकर दफ्तर पहुंचे पार्षद, बीन बजाकर किया प्रदर्शन, सीएमओ और अध्यक्ष पर बड़ा हमला

डबरा में भैंस लेकर दफ्तर पहुंचे पार्षद, बीन बजाकर किया प्रदर्शन, सीएमओ और अध्यक्ष पर बड़ा हमला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डबरा। मध्य प्रदेश के डबरा नगर पालिका में सियासी खींचतान के बीच पार्षदों ने अनोखा विरोध प्रदर्शन किया है। अपनी मांगों और समस्याओं की अनदेखी से नाराज पार्षद भैंस लेकर नगर पालिका कार्यालय पहुंच गए और उसके सामने बीन बजाई। भाजपा उपाध्यक्ष के समर्थकों ने सीएमओ और अध्यक्ष पर सुनवाई न करने का गंभीर आरोप लगाते हुए अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया है।मध्य प्रदेश का डबरा नगर पालिका इन दिनों अपने विकास कार्यों से ज्यादा राजनीतिक ड्रामे और अनोखे विरोध प्रदर्शनों को लेकर सुर्खियों में छाया हुआ है। नगर पालिका परिसर के भीतर पार्षदों द्वारा किया गया एक ऐसा प्रदर्शन सामने आया है जिसने स्थानीय प्रशासन से लेकर राजनीतिक गलियारों तक हलचल मचा दी है। सुनवाई न होने से खफा पार्षदों ने विरोध का जो रास्ता चुना, उसने हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है।

भैंस के आगे बीन बजाकर पार्षदों ने जताया कड़ा रोष

अपनी विभिन्न मांगों और समस्याओं के समाधान के लिए दर-दर भटकने के बाद जब पार्षदों की सुनवाई नहीं हुई, तो उन्होंने अनोखा तरीका

अपनाया। नाराज पार्षद सीधे नगर पालिका कार्यालय परिसर में एक जीवित भैंस लेकर पहुंच गए। इसके बाद उन्होंने उस भैंस के सामने बीन बजाकर प्रशासन और जिम्मेदार अधिकारियों के प्रति अपनी गहरी नाराजगी जाहिर की।पार्षदों का साफ कहना था कि मुट्ठी भर अफसरों और जनप्रतिनिधियों की हठधर्मिता के आगे उनकी कोई बात सुनने को तैयार नहीं है। इस अनोखे और प्रतीकात्मक प्रदर्शन का मुख्य उद्देश्य कुंभकर्ण की नींद सोए प्रशासन को जगाना था।बीजेपी उपाध्यक्ष के समर्थन वाले पार्षदों का अनिश्चितकालीन धरनाडबरा नगर पालिका का यह विवाद अब पूरी तरह से खुलकर राजनीतिक रंग ले चुका है। भारतीय जनता पार्टी (BJP) के उपाध्यक्ष सतेंद्र दुबे के समर्थन वाले पार्षदों ने नगर पालिका परिसर में ही अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया है।पार्षदों का मुख्य आरोप है कि उनकी शिकायतों, जनता से जुड़े मुद्दों और विकास कार्यों से जुड़ी मांगों पर अपेक्षित स्तर पर कोई सुनवाई नहीं की जा रही है। इसी उदासीन रवैये के चलते उन्होंने धरना बीच में ही समाप्त करने के बजाय आंदोलन को अनिश्चितकाल तक जारी रखने का सख्त फैसला किया है। इस अंदरूनी सियासी घमासान ने नगरपालिका के कामकाज पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।सीएमओ और अध्यक्ष से नहीं हो पाई थी मुलाकातविवाद की शुरुआत तब हुई जब पार्षद नगर पालिका सीएमओ साक्षी वाजपेई और अध्यक्ष लक्ष्मी देवी से मिलकर अपनी समस्याएं रखना चाहते थे। लेकिन आरोप है कि तमाम कोशिशों के बावजूद उनकी मुलाकात संबंधित अधिकारियों से नहीं हो पाई।जब जिम्मेदार लोगों ने मिलने से कन्नी काट ली, तब पार्षदों का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया और उन्होंने विरोध का यह नायाब रास्ता चुना। नगर पालिका परिसर में भैंस के सामने बीन बजाए जाने का दृश्य जैसे ही सामने आया, वहां बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों और तमाशबीनों की भीड़ जमा हो गई।जब तक समाधान नहीं, तब तक जारी रहेगा आंदोलनधरने पर बैठे पार्षदों ने दो टूक शब्दों में कह दिया है कि यह आंदोलन तब तक समाप्त नहीं किया जाएगा जब तक उनकी समस्याओं पर गंभीरता से चर्चा नहीं होती। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर प्रशासनिक स्तर पर जल्द ही ठोस पहल नहीं की गई।

दलालों के जरिए घुसे भारत, डेढ़ साल से ग्वालियर में थे... 13 अवैध बांग्लादेशी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल कर्नल सोफिया कुरैशी पर टिप्पणी को लेकर सरकार मंत्री विजय शाह को बचाने में जुटी है। मामला सुप्रीम कोर्ट में है लेकिन एमपी कैबिनेट ने केस चलाने की मंजूरी नहीं दी है। पूर्व आईएफएस अधिकारी और सिस्टम परिवर्तन अभियान के अध्यक्ष आजाद सिंह डबास ने राज्यपाल को पत्र लिखा है। साथ ही मंत्री विजयशाह को बर्खास्त करने की मांग की है। आजाद सिंह डबास ने उन पर भ्रष्टाचार के भी आरोप लगाए हैं। साथ ही उनकी गिरफ्तारी की मांग की है।आजाद सिंह डब्बास ने मंत्री विजय शाह के पुराने बयानों का जिक्र अपने पत्र में किया है। इसमें पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान की पत्नी पर की गई, उनकी टिप्पणी भी शामिल है। साथ ही टीशर्ट वितरण कार्यक्रम में भी लड़कियों पर आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर आरोप हैं। पूर्व आईएफएस अधिकारी ने मंत्री पर आरोप लगाया है कि इन्होंने वरिष्ठ आईएएस और आईएफएस अधिकारियों पर भी आपत्तिजनक टिप्पणी की हैं।यही नहीं पूर्व आईएफएस अधिकारी ने मंत्री विजय शाह पर भ्रष्टाचार के आरोप भी लगाए हैं। उन्होंने अपने पत्र में लिखा है कि मध्य प्रदेश शासन में दो बार वन मंत्री रहते हुए भारी भ्रष्टाचार किया गया है।

दलालों के जरिए घुसे भारत, डेढ़ साल से ग्वालियर में थे... 13 अवैध बांग्लादेशी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ग्वालियर ग्वालियर में अवैध रूप से रह रहे 13 बांग्लादेशी नागरिकों को पुलिस ने पकड़ा. गृह मंत्रालय की SOP के तहत BSF के जरिए बांग्लादेश डिपोर्ट करने की प्रक्रिया शुरू... मध्य प्रदेश पुलिस ने ग्वालियर में गैर-कानूनी रूप से रह रहे 13 बांग्लादेशी नागरिकों को वापस भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है. पुलिस ने केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा जारी स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (SOP) के तहत जांच-पड़ताल के बाद यह प्रक्रिया शुरू की. क्राइम ब्रांच के डिप्टी सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस (DSP) मनीष यादव ने पत्रकारों को बताया कि 4 अगस्त को मिली जानकारी के आधार पर ग्वालियर पुलिस ने सभी 13 संदिग्धों की पहचान की. पूछताछ और दस्तावेजों की जांच के दौरान यह पुष्टि हुई कि वे बांग्लादेशी नागरिक हैं. DSP यादव ने बताया कि पूछताछ के दौरान इन लोगों ने स्वीकार किया कि वे दलालों के जरिए गैर-कानूनी तरीके से भारत में आए थे. इनमें सात पुरुष हैं, जबकि तीन महिलाएं और तीन बच्चे हैं. उन्होंने कहा, 'ये लोग पश्चिम बंगाल के रास्ते देश में आए थे और पिछले डेढ़ साल से ग्वालियर में रह और काम कर रहे थे. अब उन्हें बांग्लादेशी नागरिक घोषित कर दिया गया है, इसलिए एक केंद्रीय एजेंसी के माध्यम से उन्हें वापस भेजने की प्रक्रिया चल रही है. कानूनी प्रक्रिया का पालन किया गया है. 'उनके अनुसार, सभी आरोपियों को बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (BSF) पश्चिम बंगाल सीमा से वापस बांग्लादेश भेजेगी.ष्टरूयादव ने कहा कि राज्य में गैर-कानूनी रूप से रह रहे लोगों का पता लगाने का पुलिस का यह अभियान जारी रहेगा.

नेपाल में फंसे लोगों की मदद के लिए दिल्ली में एमपी सरकार ने बनाया कंट्रोल रूम, हेल्पलाइन नंबर जारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। नेपाल में विनाशकारी बाढ़ से भयंकर तबाही आई है। भारत के अलग-अलग राज्यों से वहां घूमने गए लोग फंस गए हैं या लापता हैं। बताया ज रहा है कि मध्य प्रदेश के लोग भी वहां फंसे हुए हैं। लेकिन अभी तक उनकी संख्या के बारे में जानकारी नहीं है।

नेपाल की त्रासदी पर सीएम मोहन यादव ने दुख जताया है।

एमपी के लोग भी नेपास में फंसेइस त्रासदी के बीच मध्यप्रदेश के कई निवासी भी वहां फंसे हुए हैं। सीएम मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार संकट के समय अपने नागरिकों के साथ खड़ी है। सरकार जनता के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। इसलिए सरकार ने जनता की सुविधा के लिए हर संभव व्यवस्था की है।

दिल्ली में कंट्रोल रूम स्थापित -राज्य सरकार ने नेपाल में आई आपदा के बीच मध्यप्रदेश वासियों की मदद के लिए नई दिल्ली में कंट्रोल रूम स्थापित किया है। इस कंट्रोल रूम के माध्यम से प्रभावितों को हर संभव सहायता मुहैया कराई जाएगी।

हेल्पलाइन नंबर जारी -सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर, व्हाट्सएप नंबर और ईमेल आईडी जारी किए गए हैं। हेल्पलाइन नंबर: 011-26772005, व्हाट्सएप नंबर: 9818963273 और recpvmpbhawan@mp.gov.in ये हैं। नेपाल में फंसे नागरिक या उनके परिजन सहायता और जानकारी के लिए इन नंबरों पर संपर्क कर सकते हैं।गौरतलब है कि नेपाल बाढ़ में अभी तक 175 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, 1500 लोगों के लापता होने की खबर है। भारत सरकार भी वहां के लोगों की मदद कर रही है।

ब्रेकअप के बाद बॉयफ्रेंड ने खोला राज

प्रेमिका को पास कराने के लिए लीक कराया पेपर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र में ड्रग इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा के पेपर लीक मामले ने चौंकाने वाला मोड़ ले लिया है। मामला किसी बड़े गिरोह की शिकायत से नहीं, बल्कि एक प्रेम कहानी के टूटने के बाद सामने आया। आरोप है कि प्रेमिका को परीक्षा में पास कराने के लिए बॉयफ्रेंड ने कथित तौर पर गोपनीय प्रश्नपत्र हासिल कर उसे पहुंचाया। लेकिन रिश्ते में दरार और फिर ब्रेकअप के बाद उसी युवक ने पेपर लीक का राज खोल दिया। 22 मार्च को ड्रग इंस्पेक्टर पद के लिए परीक्षा आयोजित हुई थी और जुलाई में इसका परिणाम जारी किया गया। पुलिस के मुताबिक, ऋतुजा पाटील को कथित तौर पर लीक प्रश्नपत्र का फायदा मिला और वह मेरिट सूची में सातवें स्थान पर रहीं। पेपर लीक की जानकारी सामने आने के बाद महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग ने परीक्षा रद्द कर दी और मामले की जांच मुंबई क्राइम ब्रांच को सौंप दी। जांच में सामने आया कि लोकेश उर्फ गौरव राजेंद्र पाटील का ऋतुजा पाटील से प्रेम संबंध था। आरोप है कि गौरव ने ऋतुजा को पास कराने के लिए प्रश्नपत्र हासिल किया और उसे उपलब्ध कराया। बाद में दोनों के रिश्ते खराब हुए और ब्रेकअप हो गया। इसके बाद गौरव ने कथित तौर पर आयोग को पेपर लीक की जानकारी दी। इसी शिकायत के बाद मामले की जांच आगे बढ़ी। मुंबई क्राइम ब्रांच ने मामले में कुल छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग के अवर सचिव अभिजित गणपतराव लेंडवे और सहायक कक्ष अधिकारी विश्वेश्वर दत्तात्रय नकाते व गोपाळ भटु मराठे शामिल हैं। पुलिस अब यह जांच कर रही है कि इन अधिकारियों की गोपनीय प्रश्नपत्र तक पहुंच कैसे बनी और पेपर बाहर

निकालने में उनकी क्या भूमिका थी। मामले में नासिक की एक कोचिंग अकादमी का कनेक्शन भी सामने आया है। शिकायत के अनुसार, कोचिंग संचालक प्रवीण पाटिल ने मयूर ठाकरे के जरिए प्रश्नपत्र की फोटोकॉपी अमृत पाटिल को नासिक के पाथर्डी फाटा में सौंपी थी। क्राइम ब्रांच ने ऋतुजा पाटील को पूछताछ के लिए नोटिस जारी किया है। वहीं, गिरफ्तार आरोपियों में उनके पिता अमृत नामदेव पाटील भी शामिल हैं। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि लीक प्रश्नपत्र से किस-किस को फायदा हुआ और इस पूरे मामले में कितने लोग जुड़े थे। कोर्ट ने गिरफ्तार आरोपियों को 2 सितंबर तक क्राइम ब्रांच की हिरासत में भेज दिया है। जांच एजेंसी व्हाट्सऐप चैट, प्रश्नपत्रों की फोटोकॉपी, डिजिटल सबूत, परीक्षा रिकॉर्ड और आरोपियों के बयानों को खंगाल रही है। पुलिस यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि गोपनीय प्रश्नों तक पहुंच किस तरह बनी, लीक सामग्री किन लोगों तक पहुंची और क्या इसके पीछे किसी बड़े पेपर लीक नेटवर्क का हाथ है। मामले में प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े कानून, भ्रष्टाचार निवारण कानून और धोखाधड़ी, जालसाजी व आपराधिक साजिश से संबंधित धाराओं में केस दर्ज किया गया है।

तिलक नगर में मॉडल की चाकू मारकर हत्या, जिम ट्रेनर पर मुख्य संदेह...

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली के तिलक नगर इलाके में घर में अकेली मौजूद एक युवती की चाकू मारकर हत्या का मामला सामने आया है। घायल युवती को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतका की पहचान मुस्कान के रूप में बताई जा रही है। वह पढ़ाई के साथ-साथ अंशकालिक रूप से मॉडलिंग भी करती थी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, घटना के समय मुस्कान घर में अकेली थी। इसी दौरान एक हमलावर घर में दाखिल हुआ और उस पर चाकू से कई वार कर दिए। हमले के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। परिजनों और परिचितों ने इस वारदात में इमरान नाम के युवक पर संदेह जताया है। बताया जा रहा है कि इमरान उसी व्यायामशाला में प्रशिक्षक था, जहां मुस्कान जाती थी। मृतका के मित्र अमन के अनुसार, इमरान काफी समय से मुस्कान को परेशान कर रहा था और पहले भी उसे परेशान कर चुका था। अमन ने दावा किया कि आरोपी शाम करीब 5:40 बजे मुस्कान के घर में दाखिल हुआ था। मुस्कान के भाई आकाश ने भी पुलिस और परिवार के लोगों को इमरान पर संदेह होने की जानकारी दी है। बताया जा रहा है कि घर और आसपास लगे निगरानी कैमरों के फुटेज में आकाश ने संदिग्ध की पहचान की है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आरोपी की तलाश की जा रही है। पुलिस आसपास के निगरानी कैमरों की रिकॉर्डिंग खंगाल रही है, ताकि घटना की पूरी कड़ी सामने आ सके। साथ ही हत्या के पीछे की वजह और आरोपी की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

लॉरेंस बिश्नोई के वकील दीपक उर्फ मामा को एयरपोर्ट से गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई को बड़ा झटका लगा है। क्राइम ब्रांच ने उसके वकील दीपक नंदा उर्फ दीपक खत्री उर्फ मामा को मंगलवार रात दिल्ली हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, दीपक का कथित तौर पर शाहबाज अंसारी-सलीम पिस्टल के अंतरराष्ट्रीय हथियार तस्करी सिंडिकेट और आतंकी मॉड्यूल से संबंध है। उसके खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस के मुताबिक, इस मामले में अब तक 18 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। जांच एजेंसियों को आशंका है कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई समर्थित इस सिंडिकेट का सरगना शाहबाज अंसारी विदेश भाग चुका है। जांच के दौरान क्राइम ब्रांच ने अप्रैल में गीता कॉलोनी निवासी हर्ष पाल सिंह उर्फ रूबल को गिरफ्तार किया था। पूछताछ में उसके लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़े होने की बात सामने आई। आरोप है कि रूबल धमकी भरे वसूली कॉल का सामना करने वाले सट्टा संचालकों और विदेश में बैठे गिरोह के सदस्यों के बीच पैसों का लेन-देन और समझौता करवाता था। पुलिस का दावा है कि दीपक उर्फ मामा भी इस नेटवर्क में मध्यस्थ की भूमिका निभाता था। दोनों पर ऑनलाइन सट्टे से जुड़ी रकम गैंगस्टरों तक पहुंचाने में मदद करने का आरोप है। पुलिस के अनुसार, वे लॉरेंस बिश्नोई के अलावा रोहित गोदारा और राशिद केवलवाला से जुड़े लोगों के लिए भी बिचौलिए के तौर पर काम करते थे।

दीपक पर पहले भी हुआ था हमला

पुलिस के अनुसार, 24 फरवरी की रात कश्मीरी गेट के यमुना बाजार स्थित हनुमान मंदिर से निकलने के बाद बाइक सवार बदमाशों ने दीपक पर गोलीबारी की थी। जांच में इसे लॉरेंस बिश्नोई और गोल्डी बराड़-रोहित गोदारा गुटों के बीच कथित गैंगवार से जोड़कर देखा गया। हमले के बाद दीपक ने पुलिस से सुरक्षा की मांग भी की थी।

लुकआउट सर्कुलर के बाद एयरपोर्ट पर पकड़

क्राइम ब्रांच ने दीपक के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी कर रखा था। मंगलवार रात दिल्ली हवाई अड्डे पर पहुंचते ही उसे पकड़ लिया गया। बुधवार को उसे राउज एवेन्यू अदालत में पेश किया गया, जहां अदालत ने क्राइम ब्रांच को तीन दिन की हिरासत दे दी। पुलिस का कहना है कि पूछताछ में दीपक ने रूबल और निशांत अरोड़ा उर्फ नोनी के माध्यम से शाहबाज अंसारी के कथित आतंकी मॉड्यूल से संपर्क होने की बात स्वीकार की है। जांच एजेंसी अब उससे नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों, हथियार तस्करी और कथित आर्थिक लेन-देन के बारे में पूछताछ कर रही है।

मामा बना कंस: भांजे की कैंची और छोटी तलवार से हमला कर हत्या

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। केंद्रीय दिल्ली के पहाड़गंज इलाके में झुग्गी को लेकर हुए विवाद ने खूनी रूप ले लिया। आराम बाग की झुग्गियों में 39 वर्षीय मामा रवि ने अपने 19 वर्षीय भांजे पर कैंची और छोटी तलवार से हमला कर उसकी हत्या कर दी। घटना के करीब दो घंटे के भीतर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। वारदात में इस्तेमाल कैंची और छोटी तलवार भी बरामद कर ली गई है। पुलिस के अनुसार, 25 अगस्त की रात करीब 8:05 बजे पहाड़गंज थाना पुलिस को एक पड़ोसी ने पुलिस नियंत्रण कक्ष में फोन कर झुग्गी में चाकू से हमला किए जाने की सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। जांच में सामने आया कि शाम करीब 7:15 बजे रवि ने अपने भांजे पर हमला किया था।पुलिस के मुताबिक, आरोपी रवि मुल्तानी ढांडा, नबी करीम का रहने वाला है और ई-रिक्शा चलाता है। प्रारंभिक जांच में झुग्गी से जुड़े विवाद को हत्या की वजह बताया जा रहा है। पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

पीरागढ़ी में युवक को गोली मारी

नई दिल्ली बाहरी दिल्ली के पीरागढ़ी मेट्रो स्टेशन के पास बुधवार रात 32 वर्षीय निहाल खान को गोली मारने की घटना सामने आई। बताया जा रहा है कि युवक मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर-2 से अंदर जाने की कोशिश कर रहा था, तभी उसे गोली मार दी गई। गंभीर हालत में उसे अस्पताल पहुंचाया गया। प्रारंभिक जांच में पुलिस को वारदात के पीछे प्रेम प्रसंग का कारण होने का संदेह है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और हमलावर की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

छत से गिरी, पेड़ पर लटकी... मुंबई में बाल-बाल बची नवविवाहिता की जान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। के भांडुप पश्चिम इलाके में एक नवविवाहिता अचानक इमारत से नीचे गिर गई, लेकिन पेड़ की डालियों में फंसने से उसकी जान बच गई. महिला की हालत गंभीर है. उसे इलाज के लिए एडमिट कराया गया है. मुंबई के भांडुप पश्चिम इलाके में बुधवार को एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई. तुलशेतपाड़ा की सनशाइन को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी में 26 साल की एक नवविवाहिता अचानक इमारत से नीचे गिर गई. गनीमत रही कि वह सीधे जमीन पर नहीं गिरी. दरअसल, वह नीचे मौजूद एक पेड़ की डालियों में वह फंस गई. इससे उसकी जान बच गई. हालांकि, महिला की हालत गंभीर बताई जा रही है. पीड़िता की पहचान प्रतीक्षा अंकुश हिवराले (26) के रूप में हुई है. प्रतीक्षा की शादी करीब चार महीने पहले ही हुई थी. घटना के बाद सोसाइटी में अफरा-तफरी मच गई. आसपास के लोगों ने तुरंत इसकी जानकारी फायर ब्रिगेड को दी. सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची. महिला नीचे पेड़ की डालियों में फंसी हुई थी. उसकी हालत देखकर रेस्क्यू टीम ने तुरंत बचाव अभियान शुरू किया. काफी सावधानी के साथ महिला को पेड़ से नीचे उतारा गया. रेस्क्यू के दौरान टीम ने महिला को सुरक्षित निकालने की पूरी कोशिश की. पेड़ की डालियों में फंसने की वजह से महिला जमीन पर गिरने से बच गई थी. अगर वह सीधे जमीन पर गिरती तो हादसा और भी गंभीर हो सकता था. फायर ब्रिगेड की टीम ने महिला को सुरक्षित नीचे उतारने के बाद तुरंत अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की. महिला को पहले मुलुंड जनरल अस्पताल ले जाया गया. मुलुंड जनरल अस्पताल में डॉक्टरों ने महिला की जांच की. उसकी हालत गंभीर होने के कारण डॉक्टरों ने उसे बेहतर इलाज के लिए सायन अस्पताल रेफर कर दिया. इसके बाद महिला को सायन अस्पताल ले जाया गया. फिलहाल प्रतीक्षा सायन अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती है. डॉक्टर उसकी हालत पर लगातार नजर रख रहे हैं. महिला की स्थिति गंभीर होने के कारण अभी तक उसका बयान दर्ज नहीं हो सका है.

पुलिस ने लिया मेडिकल एंडोर्समेंट

घटना की जानकारी पुलिस को भी दी गई है. पुलिस ने महिला की मौजूदा हालत को देखते हुए मेडिकल एंडोर्समेंट ले लिया है. इसका मतलब है कि फिलहाल महिला की स्थिति ऐसी नहीं है कि उसका बयान दर्ज किया जा सके.पुलिस अब

महिला के होश में आने का इंतजार कर रही है. इसके बाद उसका बयान दर्ज किया जाएगा. बयान के आधार पर घटना की पूरी स्थिति स्पष्ट हो सकेगी. पुलिस ने घटना की जानकारी महिला के मायके वालों को दे दी है. परिवार के लोगों को अस्पताल और महिला की हालत के बारे में बताया गया है. परिवार के लोग भी इस घटना से परेशान हैं. फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है. महिला के बयान के बाद ही यह साफ हो पाएगा कि वह इमारत से किस परिस्थिति में गिरी. पुलिस घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है. अभी तक महिला की ओर से कोई बयान सामने नहीं आया है. इसलिए घटना के कारणों को लेकर किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा गया है. इस हादसे में पेड़ की डालियां महिला के लिए जीवनरक्षक साबित हुईं. जमीन पर गिरने के बजाय पेड़ पर अटकने से उसकी जान बच गई.

दिल्ली रेस क्लब होगा खाली! पटियाला हाउस कोर्ट ने बेदखली पर रोक से किया इनकार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। लुटियंस दिल्ली स्थित करीब एक सदी पुराने दिल्ली रेस क्लब को पटियाला हाउस कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। अदालत ने केंद्र सरकार के उस आदेश पर अंतरिम रोक लगाने से इनकार कर दिया, जिसमें क्लब को 15 दिनों के भीतर परिसर खाली करने का निर्देश दिया गया था। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश पीतांबर दत्त ने क्लब की याचिका खारिज करते हुए कहा कि क्लब पहली नजर में ऐसा ठोस आधार पेश नहीं कर सका, जिससे संपदा अधिकारी के बेदखली आदेश पर अंतरिम रोक लगाई जा सके। यह मामला सेंट्रल गोल्फ लिंक रोड पर प्रधानमंत्री के सरकारी आवास के सामने स्थित क्लब की जमीन से जुड़ा है। संपदा अधिकारी ने सार्वजनिक परिसरों से अनधिकृत कब्जाधारियों की बेदखली संबंधी कानून के तहत 11 अगस्त को क्लब को परिसर खाली करने का आदेश दिया था। इसके खिलाफ क्लब ने अदालत में अपील दायर कर तत्काल रोक लगाने की मांग की थी।

क्लब ने प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का हवाला दिया

क्लब की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सुहेल दत्त ने दलील दी कि बेदखली की कार्रवाई प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के खिलाफ है। उनका कहना था कि बार-बार मांग के बावजूद क्लब को उस शिकायत या दावे की प्रति उपलब्ध नहीं कराई गई, जिसके आधार पर कार्रवाई शुरू हुई थी। क्लब की ओर से यह भी बताया गया कि इसी विवाद से जुड़ा वर्ष 1999 का कारण बताओ नोटिस दिल्ली हाईकोर्ट पहले ही रद्द कर चुका है। हालांकि, इन दलीलों के बावजूद अदालत ने बेदखली आदेश पर अंतरिम रोक लगाने से इनकार कर दिया। अब क्लब की अपील पर मामले की आगे सुनवाई होगी।

भांजी को अपशब्द कहने पर भड़का मामा, युवक पर धारदार हथियार से हमला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जालना। में भांजी को अपशब्द कहे जाने के विवाद ने खूनी रूप ले लिया. गुस्साए मामा ने युवक पर धारदार हथियार से हमला कर दिया. गंभीर रूप से घायल निखिल पवार को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई. चंदनझिरा पुलिस ने आरोपी संतोष लांडे को हिरासत में लेकर घटनास्थल पर स्पॉट पंचनामा किया. महाराष्ट्र के जालना जिले में भांजी को अपशब्द कहे जाने से नाराज एक मामा द्वारा युवक की हत्या किए जाने का मामला सामने आया है. घटना जालना शहर के नागेवाड़ी इलाके की बताई जा रही है. मृतक की पहचान निखिल पवार के तौर पर हुई है, जबकि पुलिस हिरासत में लिए गए आरोपी का नाम संतोष लांडे है. जानकारी के मुताबिक, निखिल पवार ने कथित तौर पर संतोष लांडे की भांजी के बारे में अपशब्द कहे थे. इसी बात को लेकर संतोष नाराज था. दोनों के बीच इसी विवाद को लेकर तनाव बढ़ गया और मामला देखते ही देखते हिंसक हो गया. आरोप है कि गुस्से में संतोष लांडे ने निखिल पर धारदार हथियार से हमला कर दिया. वार इतना गंभीर था कि निखिल बुरी तरह घायल हो गया. घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और मौके पर मौजूद लोगों ने घायल युवक को तत्काल अस्पताल पहुंचाया.

अस्पताल में इलाज के दौरान मौत

अस्पताल में डॉक्टरों ने निखिल का उपचार शुरू किया, लेकिन उसकी हालत गंभीर बनी हुई थी. तमाम कोशिशों के बावजूद इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई. युवक की मौत की खबर सामने आते ही नागेवाड़ी इलाके में हड़कंप मच गया और पुलिस ने मामले की जांच तेज कर दी. घटना की सूचना मिलने के बाद चंदनझिरा पुलिस मौके पर पहुंची. पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया और हत्या से जुड़े साक्ष्य जुटाने शुरू किए. मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने आरोपी संतोष लांडे को हिरासत में ले लिया. पुलिस आरोपी को घटनास्थल पर भी लेकर पहुंची. उसकी मौजूदगी में मौके का स्पॉट पंचनामा किया गया. इस दौरान पुलिस ने वारदात से जुड़े संभावित सबूतों को सुरक्षित किया और घटना के क्रम को समझने की कोशिश की.

भांजी को अपशब्द कहने का विवाद बना वजह

प्रारंभिक जानकारी में हत्या के पीछे निखिल द्वारा आरोपी की भांजी को अपशब्द कहे जाने का विवाद मुख्य वजह बताया जा रहा है. इसी बात से नाराज होकर संतोष ने कथित तौर पर निखिल पर हमला किया. हालांकि, घटना की वास्तविक वजह और पूरा घटनाक्रम पुलिस की विस्तृत जांच के बाद ही स्पष्ट होगा. पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर रही है. जांच के दौरान यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि विवाद किस तरह शुरू हुआ और हमला किन परिस्थितियों में किया गया. साथ ही घटनास्थल पर मौजूद लोगों से भी जानकारी जुटाई जा रही है.

नागेवाड़ी में मचा हड़कंप

युवक की हत्या की खबर फैलते ही नागेवाड़ी इलाके में सनसनी फैल गई. अचानक हुए इस हमले से स्थानीय लोगों में भी खलबली मच गई. पुलिस ने स्थिति को देखते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है और आरोपी को हिरासत में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है. चंदनझिरा पुलिस के सामने अब हत्या की पूरी कड़ी जोड़ने की चुनौती है. पुलिस घटनास्थल से मिले साक्ष्यों, प्रत्यक्षदर्शियों की जानकारी और आरोपी के बयान के आधार पर मामले की जांच आगे बढ़ा रही है. फिलहाल भांजी को अपशब्द कहे जाने का विवाद ही वारदात की प्रमुख वजह के तौर पर सामने आया है.

घोर लापरवाही! 3.5 साल से खतरनाक इमारत में चल रहा दिल्ली फायर सर्विस का मुख्यालय

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। राजधानी में इमारतों को अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र देने वाला दिल्ली अग्निशमन विभाग खुद करीब साढ़े तीन साल से खतरनाक घोषित इमारत में काम कर रहा है। लोक निर्माण विभाग ने 27 जनवरी 2023 को अग्निशमन सेवा मुख्यालय की इमारत को जर्जर और खतरनाक घोषित किया था। इसके बावजूद अब तक मुख्यालय को सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित नहीं किया जा सका है। खतरनाक घोषित होने के बाद इमारत के अलग-अलग हिस्सों में पांच से छह बार प्लास्टर और कमरों के हिस्से गिर चुके हैं। पिछले वर्ष 15 अगस्त को भी एक कमरे का बड़ा हिस्सा अचानक गिर गया था। इस इमारत में अग्निशमन विभाग के प्रधान निदेशक, मुख्य अग्निशमन अधिकारी समेत 100 से अधिक अधिकारी और कर्मचारी काम करते हैं। लोक निर्माण विभाग ने चेतावनी दी थी कि किसी हादसे की स्थिति में उसकी जिम्मेदारी नहीं होगी। सात अग्निशमन प्रमुख बदले, समस्या जस की तसख्यालय को दूसरी जगह स्थानांतरित करने की कई योजनाएं बनाई गईं, लेकिन कोई भी योजना अब तक जमीन पर नहीं उतर सकी। शंकर रोड स्थित अग्निशमन केंद्र की इमारत में मुख्यालय स्थानांतरित करने की योजना बनी थी। यहां दूसरी मंजिल पर लेखा कार्यालय संचालित हो रहा है, जिसे हटाकर मुख्यालय बनाने का प्रस्ताव था, लेकिन यह योजना भी अटक गई। पिछले साढ़े तीन वर्षों में अग्निशमन सेवा के सात प्रमुख बदल चुके हैं, लेकिन खतरनाक इमारत की समस्या बनी हुई है। अब विभाग के नए प्रमुख सचिन राणा से इस मामले में ठोस कार्रवाई की उम्मीद की जा रही है।

नए मुख्यालय को लेकर लगातार बदलते रहे प्रस्ताव

नए मुख्यालय के निर्माण को लेकर पहले लोक निर्माण विभाग, फिर एनबीसीसी और अब दिल्ली मेट्रो रेल निगम का नाम सामने आया है। वर्ष 2023-24 में इसके लिए बजट नहीं मिलने के कारण काम आगे नहीं बढ़ सका। नई सरकार ने करीब 500 करोड़ रुपये की लागत से नया अग्निशमन मुख्यालय बनाने की बात कही थी।

किराये की इमारत का विकल्प भी पड़ा ठंडे बस्ते में

पिछली सरकार के दौरान मुख्यालय को अस्थायी रूप से किराये की इमारत में स्थानांतरित करने का प्रस्ताव भी तैयार किया गया था। कनॉट प्लेस की एक बहुमंजिला इमारत का सर्वे किया गया, जहां करीब 75 लाख रुपये मासिक किराये की मांग की गई थी। चार साल में किराये पर करीब 36 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान था। नई इमारत बनने तक मुख्यालय को वहां चलाने की योजना थी, लेकिन भारी किराये के कारण यह प्रस्ताव भी आगे नहीं बढ़ सका।

1 सितंबर से मुंबई में ऑटो-टैक्सी का सफर महंगा, जानिए नए किराये

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। मुंबई महानगर क्षेत्र में 1 सितंबर 2026 से ऑटो-रिक्शा और काली-पीली टैक्सी से सफर करना महंगा हो जाएगा। मुंबई महानगर क्षेत्र परिवहन प्राधिकरण ने किराये में बढ़ोतरी को मंजूरी दी है। नए किराये के तहत ऑटो-रिक्शा के न्यूनतम किराये में 1 रुपये और टैक्सी के न्यूनतम किराये में 2 रुपये की बढ़ोतरी होगी।न नए किराया ढांचे के अनुसार, ऑटो-रिक्शा में शुरुआती 1.5 किलोमीटर के लिए न्यूनतम किराया 26 रुपये से बढ़कर 27 रुपये हो

जाएगा। इसके बाद प्रत्येक किलोमीटर के लिए किराया 17.14 रुपये से बढ़कर 18.22 रुपये होगा। वहीं, काली-पीली टैक्सी में शुरुआती 1.5 किलोमीटर का न्यूनतम किराया 31 रुपये से बढ़कर 33 रुपये हो जाएगा। इसके बाद प्रत्येक किलोमीटर के लिए किराया 20.66 रुपये से बढ़कर 21.90 रुपये होगा। पुराने मीटर दिखा सकते हैं पुराना किराया अधिकारियों के अनुसार, मुंबई महानगर क्षेत्र में बड़ी संख्या में वाहनों के इलेक्ट्रॉनिक मीटर को नए किराये के अनुसार समायोजित करने में समय लगेगा। इसलिए सितंबर से नवंबर के बीच कुछ वाहनों में पुरानी मीटर रीडिंग दिखाई दे सकती है। ऐसी स्थिति में यात्रियों को क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय द्वारा स्वीकृत किराया कार्ड से वास्तविक देय किराये की जांच करनी होगी। वाहन मालिकों को 30 नवंबर तक मीटर का पुनर्समायोजन कराने के लिए समय दिया गया है। 1 दिसंबर से जिन वाहनों के मीटर निर्धारित समय तक नए किराये के अनुसार समायोजित नहीं होंगे, उनके मालिकों पर विभागीय कार्रवाई और जुर्माना लगाया जा सकता है। यात्रियों को अधिक किराया वसूलने पर शिकायत की सलाह परिवहन अधिकारियों ने यात्रियों से अपील की है कि मीटर में पुरानी दर दिखाई देने पर अधिकृत किराया कार्ड के आधार पर किराये की जांच करें। यदि कोई चालक निर्धारित किराये से अधिक राशि वसूलता है या किराये को लेकर गड़बड़ी करता है, तो यात्री इसकी शिकायत संबंधित विभाग से कर सकते हैं। मुंबई महानगर क्षेत्र में इससे पहले फरवरी 2025 में ऑटो-रिक्शा और टैक्सी के किराये में बढ़ोतरी लागू हुई थी। करीब डेढ़ साल बाद एक बार फिर किराये में संशोधन किया गया है।

राजस्थान हाईकोर्ट में जजों का विवाद: जज संजीव ने हाईकोर्ट सीजेआई को दिया नोटिस

–सूर्यकांत ने कहा– इस मसले को केवल स्थापित संस्थागत तंत्र के जरिए ही निपटाया जाए

नई दिल्ली, एजेंसी।
राजस्थान हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। जस्टिस शर्मा के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस संदीप मेहता ने सीजेआई सूर्यकांत को चिट्ठी लिखी है। इसमें जस्टिस संजीव प्रकाश पर कई गंभीर आरोप लगाए गए हैं। इसके बाद सीजेआई सूर्यकांत ने कहा है कि इस मसले को केवल स्थापित संस्थागत तंत्र के जरिए ही निपटाया जाना चाहिए।

जस्टिस मेहता ने सीजेआई को लिखे तीन अलग-अलग पत्रों में जस्टिस संजीव प्रकाश के अधीन गंभीर प्रशासनिक अनियमितताएं होने और चुनिंदा मामलों को सूचीबद्ध किए जाने का आरोप लगाया है। देश की सर्वोच्च अदालतों के जजों के बीच इस विवाद ने एक पुराने मामले का याद ताजा कर दी है। उस विवाद में एक जज की गिरफ्तारी तक की नौबत आ गई थी। मामला 2016 का है। साल 2016 में न्यायपालिका के इतिहास में एक ऐसा घटनाक्रम सामने आया, जिसने सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के बीच अधिकारों को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए थे।

रिपोर्ट के मुताबिक मामला मद्रास हाईकोर्ट के तत्कालीन जज जस्टिस सीएस कर्णन से जुड़ा था। उन्होंने तत्कालीन सीजेआई टीएस ठाकुर की ओर से अपने तबादले की सिफारिश को ही रोकने का आदेश जारी कर दिया था। दरअसल, जस्टिस कर्णन का तबादला मद्रास हाईकोर्ट से कलकत्ता हाईकोर्ट करने की सिफारिश की गई थी। 12 फरवरी 2016 को उन्हें इस संबंध में प्रस्ताव मिला, लेकिन जस्टिस कर्णन इससे सहमत नहीं थे। उन्होंने 15 फरवरी को एक आदेश जारी किया था इसमें उन्होंने सीजेआई की ओर से उनके तबादले की सिफारिश पर ही रोक लगा दी।

यह मामला इसलिए असाधारण था क्योंकि एक हाईकोर्ट के मौजूदा जज ने देश के प्रधान न्यायाधीश के प्रशासनिक फैसले पर ही सवाल खड़ा कर दिया था। इतना ही नहीं, उन्होंने सीजेआई से इस तबादले की वजह बताने को कहा और इसके लिए लिखित जवाब मांगा था। जस्टिस कर्णन ने अपने आदेश में तत्कालीन सीजेआई से कहा कि उनके अधिकार क्षेत्र में दखल न दिया जाए। उन्होंने 1993 के उस ऐतिहासिक फैसले का भी हवाला दिया, जिसमें जजों के तबादले को जनहित और न्याय प्रशासन को बेहतर बनाने के उद्देश्य से जोड़ा गया था।

जस्टिस कर्णन और सुप्रीम कोर्ट के बीच टकराव अगले साल और बढ़ गया। 2017 में उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के तत्कालीन सीजेआई जेएस खेहर और दूसरे जजों के खिलाफ भी आदेश जारी किए। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के सात जजों को पांच साल की सश्रम कैद की सजा सुनाने तक का आदेश दे दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने इसे गंभीरता से लिया। उनके खिलाफ अवमानना की कार्यवाही शुरू हुई। मई 2017 में सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें दोषी ठहराते हुए छह महीने की जेल की सजा सुनाई। यह भारतीय न्यायपालिका के इतिहास में बेहद असाधारण फैसला था। जस्टिस कर्णन उस समय पद पर रहते हुए जेल की सजा पाने वाले पहले हाईकोर्ट जज बने। गिरफ्तारी से पहले ही उनका कार्यकाल खत्म हो गया था। इसके बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया और उन्होंने करीब छह महीने जेल में बिताए।

नेपाल बाढ़ : भारत का हरसंभव सहयोग, 130 से अधिक भारतीयों से संपर्क टूटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेपाल में अचानक आई भीषण बाढ़ से व्यापक तबाही मची है, इसके परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में लोग प्रभावित हुए हैं और कई लापता हैं। इस संकट की घड़ी में भारत सरकार ने राहत एवं बचाव अभियान तेज किया है। विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने पुष्टि की है कि नेपाल में

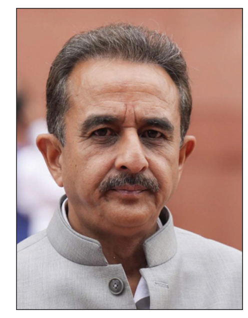

करीब 130–132 भारतीय नागरिक लापता हैं, जिससे संपर्क टूट गया है। उन्होंने बताया कि भारत की राष्ट्रीय राहत टीमें पहले से ही घटनास्थल पर मौजूद हैं और खोज एवं बचाव कार्यों में जुटी हुई हैं। विदेश राज्य मंत्री सिंह ने आपदा को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और दुखद बताया, जिसमें कई लोगों के हताहत होने की खबरें हैं। उन्होंने कहा कि भारत और नेपाल की संबंधित एजेंसियां मिलकर प्रभावित लोगों का पता लगाने, उन्हें सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने और अधिक से अधिक लोगों की जान बचाने में जुटी हैं। भारत नेपाल सरकार के साथ लगातार समन्वय बनाए हुए है और प्रभावित क्षेत्रों में राहत सामग्री तथा सहायता पहुंचाई जा रही है। विदेश राज्य मंत्री सिंह ने जोर दिया कि नेपाल भारत का मित्र राष्ट्र है, और दोनों देशों के बीच गहरे सामाजिक, सांस्कृतिक तथा भाइयों जैसे संबंध हैं। भारत संकट के हर क्षण में नेपाल के साथ खड़ा रहा है और भविष्य में भी हर जरूरी सहायता उपलब्ध कराता रहेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि वर्तमान में सबसे महत्वपूर्ण लक्ष्य लापता लोगों का पता लगाना, प्रभावितों को सुरक्षित निकालना और जीवन बचाना है, जिसके लिए दोनों देशों की टीमें अथक प्रयास कर रही हैं।

दिल्ली दंगे : उमर खालिद–शरजील मास्टरमाइंड, पुलिस का हाईकोर्ट में जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने गुरुवार को दिल्ली हाईकोर्ट में 2020 के दिल्ली दंगों की साजिश के मामले में आरोपी उमर खालिद और शरजील इमाम को मास्टरमाइंड बताया है। पुलिस ने अदालत में अपना जवाब दाखिल कर इन दोनों की जमानत याचिकाओं का कड़ा विरोध किया। पिछली सुनवाई में, 31 जुलाई को, दिल्ली हाईकोर्ट ने इस संबंध में दिल्ली पुलिस से जवाब दाखिल करने को कहा था। सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस ने बताया कि इमाम और खालिद ही दिल्ली दंगों के मुख्य योजनाकार थे। पुलिस का दावा है कि उनके पास दोनों आरोपियों के खिलाफ दंगों की योजना बनाने, लोगों को संगठित करने और हिंसा में रणनीतिक भूमिका निभाने से जुड़े अहम सबूत हैं। पुलिस ने तर्क दिया कि उनकी नई जमानत याचिकाएं अपने आप में गैरकानूनी और अदालत को गुमराह करने वाली हैं। पुलिस ने अदालत को बताया कि जनवरी में सुप्रीम कोर्ट ने मामले में कुछ सह–आरोपियों को जमानत दे दी थी, लेकिन खालिद और इमाम को यह कहकर जमानत देने से इंकार किया था कि दिल्ली दंगों में उनकी भूमिका अलग थी। उस समय, सुप्रीम कोर्ट ने माना था कि इस केस में यूएपीए की धारा 43डी(5) लागू होती है, जिसमें जमानत के लिए सख्त शर्तें होती हैं।

मणिपुर के कांगपोकपी में फिर भड़की हिंसा, चार लोगों की मौत

इम्फाल (एजेंसी)। मणिपुर के कांगपोकपी जिले में गुरुवार सुबह एक बार फिर हिंसा भड़क उठी। इम्फाल–तामेंगलॉन्ग रोड के पास स्थित नागा गांवों में अज्ञात हथियारबंद लोगों ने अचानक गोलीबारी कर दी। इस अंधाधुंध फायरिंग में चार आम नागरिकों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हुआ है। घटना के बाद एक ग्रामीण के लापता होने की भी सूचना है। जानकारी के मुताबिक, वारदात सुबह करीब 8:30 बजे मकुई आशांग और थानम्बा नागा गांवों के बीच हुई। यह इलाका आईटी रोड के किनारे बसे नागा गांवों के लिए आवाजाही का प्रमुख मार्ग माना जाता है। गोलीबारी के बाद क्षेत्र में तनाव फैल गया और दोनों तरफ से रुक–रुककर भारी फायरिंग होने की खबर सामने आई। मृतकों की पहचान टैडसोंगबाउ रिंगकांगमाई, मरियाकडीबाउ विजुनमाई, जापौ एमके और अनिल विजुनमाई के रूप में हुई है। टैडसोंगबाउ रिंगकांगमाई राइट पाथ स्कूल (टी खुलेन) के संस्थापक और प्रधानाचार्य थे। मरियाकडीबाउ विजुनमाई और अनिल विजुनमाई मकुई यूथ क्लब के कार्यकारी सदस्य थे, जबकि जापौ एमके थोंगलांग अकुत्पा के छात्र नेता थे। हमले में गैकामंग रिंगकांगमाई गंभीर रूप से घायल हुए हैं। वहीं, चावांगकिनिंग विलेज अथॉरिटी के अध्यक्ष विसोबाउ चारेनामाई के घटना के बाद से लापता होने की जानकारी मिली है। उनकी तलाश में सुरक्षा बलों ने आसपास के जंगलों और इलाकों में तलाशी अभियान शुरू किया है। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में सुरक्षा बलों को मौके पर तैनात किया गया। घायल व्यक्ति को तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया है।

नेपाल में फंसे लोगों की जानकारी लेने सरकार ने जारी किए हेल्पलाइन नंबर

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान सरकार ने नेपाल के रसुवा जिले में आई भीषण बाढ़ के मद्देनजर नेपाल की यात्रा कर रहे राज्य के लोगों की जानकारी और सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं। राज्य के आपदा प्रबंधन विभाग ने बताया कि नेपाल की यात्रा पर गए राजस्थान के किसी भी निवासी के संबंध में जानकारी या सहायता के लिए परिजन राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र के टोल–फ्री नंबर 1070 और 112 पर संपर्क कर सकते हैं। इसके अलावा 0141–2851960, 0141–2385776, 0141–2385777, 0141–2227296, 0141–2927392 और 0141–2227603 पर भी संपर्क किया जा सकता है। विभाग ने कहा है कि संबंधित जानकारी आईपी नंबर 28888 या ई–मेल के माध्यम से भी साझा की जा सकती है।

महुआ मोइत्रा के समर्थन में और विपक्षी सांसद, स्पीकर से जांच की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा के समर्थन में दो और विपक्षी सांसद सामने आए हैं। कांग्रेस के के. सुरेश और आम आदमी पार्टी के संजय सिंह ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर मोइत्रा के साथ बंगाल में 14 अगस्त को देर रात सर्किट हाउस खाली करने के लिए कथित तौर पर कहने की घटना की जांच विशेषाधिकार समिति से करने की मांग की है। इसके पहले समाजवादी पार्टी के धर्मेंद्र यादव, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) की सुप्रिया सुले, शिवसेना (उबाठा) के अरविंद सावंत और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के के. राधाकृष्णन भी लोकसभा अध्यक्ष बिरला को पत्र लिखकर मामले की जांच और इसमें शामिल अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर चुके हैं। टीएमसी सांसद मोइत्रा ने नादिया के जिलाधिकारी और दो अन्य अधिकारियों के खिलाफ स्वयं भी विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया है।

बंगाल में वोट चोरी के आरोप: मतदाता सूची से हटाए 91 प्रतिशत नाम बहाल

-कांग्रेस ने पीएम मोदी और चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को घेरा

नई दिल्ली, एजेंसी।
पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के दौरान 27 लाख लोगों के नाम हटाए गए थे। अब चुनाव आयोग द्वारा निपटाए गए मामलों के आंकड़े सामने आए हैं, जिससे पता चला है कि करीब 91 प्रतिशत दावे सही मिले और उनके नाम वापस मतदाता सूची में जोड़ दिए गए हैं। इस खुलासे के बाद कांग्रेस पार्टी ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर चुनाव चोरी का गंभीर आरोप लगाया है।

चुनाव आयोग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, न्यायाधिकरणों ने अब तक कुल 82,782 अपीलों का निपटारा किया है। इसमें से 75,443 (लगभग 91प्रतिशत) नाम मतदाता सूची में बहाल किए गए हैं, जबकि केवल 7,339 (8.86 प्रतिशत) लोगों के दावे खारिज हुए हैं।

कांग्रेस ने हमलाबार होकर लिखा, पश्चिम बंगाल में पीएम मोदी और ज्ञानेश कुमार ने मिलकर एसआईआर कराया और चुनाव चोरी किया। अब इसके सबूत सामने आ रहे हैं। कांग्रेस पार्टी ने आरोप लगाया कि चुनाव से पहले नाम हटाए गए और चुनाव के बाद बहाल किए गए, जो मोदी और ज्ञानेश कुमार के वोट चोरी सिस्टम का हिस्सा है, जिससे लोगों से उनके मत का अधिकार छीना जा रहा है। कांग्रेस ने दो महीने पहले पश्चिम बंगाल की एक सरकारी बिल्डिंग में 4,000 ईवीएम के जलने की घटना का हवाला देकर कहा कि ये सभी मामले भयंकर वोट चोरी की ओर इशारा करते हैं।

कांग्रेस सांसद ईशा खान चौधरी ने आरटीआई जवाब का उल्लेख कर चिंता व्यक्त की। उन्होंने बताया कि एसआईआर प्रक्रिया के दौरान 27.28 लाख लोगों को अयोग्य घोषित किया था, लेकिन कुल 38.10 लाख अपीलें दायर की गईं, यानी हटाए गए नामों से 10 लाख से अधिक अपीलें। सांसद ने सवाल उठाया कि क्या ये अतिरिक्त अपीलें उन मतदाताओं को हटाने के लिए थीं जो इस साल के विधानसभा चुनाव में पहले ही मतदान कर चुके थे।

कांग्रेस सांसद ने कहा कि 91 प्रतिशत नामों की बहाली इस बात का प्रमाण है कि शुरुआत में योग्य और असली मतदाताओं के नाम गलत तरीके से हटाए थे, जिससे नागरिक डर और अनिश्चितता के माहौल में जी रहे हैं और सरकारी योजनाओं के लाभ या रोजगार से वंचित हो रहे हैं।

गंडक नदी में फिर बढ़ी हलचल, उत्तर प्रदेश और बिहार में फिर अलर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी।
नेपाल में हालिया जल प्रलय के बाद उत्तर प्रदेश और बिहार के सीमावर्ती इलाकों में पैदा हुई चिंताएं अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुई हैं। गंडक नदी का जलस्तर एक बार फिर बढ़ने लगा है, जिसके चलते दोनों राज्यों को फिर से सतर्क रहने को कहा गया है। पहले गंडक नदी का जलस्तर तेजी से घट रहा था और वाल्मीकिनगर गंडक बैराज से भी पानी का बहाव कम हो गया था, जिससे कुछ राहत मिली थी। उस समय नेपाल में बाढ़ के बाद बिहार के सीमावर्ती इलाकों और पूर्वी उत्तर प्रदेश को हाई अलर्ट पर रखा गया था। हालांकि, यह राहत अल्पकालिक साबित हुई है, क्योंकि देवघाट क्षेत्र में देर रात हुई बारिश के कारण वॉटर लेवल एक बार फिर बढ़ना शुरू हो गया है। इस वृद्धि का सटीक असर कितना होगा, यह अभी स्पष्ट नहीं है।

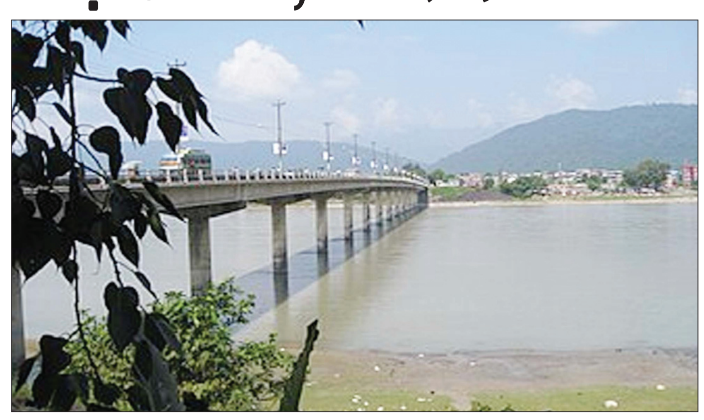

पूर्व में, वाल्मीकिनगर गंडक बैराज में पानी का बहाव घटकर 81 हजार क्यूसेक पर आ गया था। एक वजह यह भी बताई गई थी कि नेपाल की त्रिशूली नदी का पानी नारायणी नदी के जरिए आगे बढ़ा है, जिससे गंडक नदी पर दबाव में कमी आई थी। हालांकि, अब ताजा खतरे को देखते हुए अधिकारी पूरी तरह से अलर्ट मोड पर बने हुए हैं। गंडक नदी नेपाल से निकलकर भारतीय मैदानी इलाकों तक पानी लाती है, इसलिए ऊपरी हिस्से में बाढ़ जैसी स्थिति निचले हिस्सों के जिलों के लिए बड़ी चिंता का कारण बनती है। केंद्रीय गृह मंत्री ने स्थिति और नदियों का जलस्तर बढ़ने की आशंका को लेकर बिहार के मुख्यमंत्री और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री से बात की थी। उन्होंने कहा था कि जिन सीमावर्ती इलाकों में इसका असर पड़ने की आशंका है, वहां स्थानीय प्रशासन और राहत-बचाव दलों के साथ-साथ राष्ट्रीय आपदा राहत बल को भी हाई अलर्ट पर रखा गया है।

नेपाल में जल प्रलय से गंडक नदी में बाढ़ की आशंका को देखते हुए बिहार में सतर्कता बढ़ा दी गई थी। राज्य के आठ जिलों, जिनमें पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सारण, मुजफ्फरपुर, वैशाली, सीतामढ़ी और शिवहर शामिल हैं, के लिए हाई अलर्ट जारी किया गया था। गोपालगंज, मुजफ्फरपुर और बेतिया में राष्ट्रीय आपदा राहत बल और सशस्त्र सीमा बल की बटालियनें तैनात की गई हैं। उत्तर प्रदेश में भी अधिकारी अलर्ट मोड पर थे। निचले इलाकों को देर रात खाली करा लिया गया था। मुख्यमंत्री ने महराजगंज, कुशीनगर, सिद्धार्थनगर, गोरखपुर सहित आसपास के जिलों को तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे।

उत्तरप्रदेश में स्कूलों की बदहाली दिखाने पर हो रहे मामले दर्ज व गिरफ्तारियां

–जेन–अल्फा स्कूल की अलग–अलग समस्याओं को लेकर उठा रहे हैं आवाज़

लखनऊ (एजेंसी)। दिल्ली के जंतर–मंतर पर हुए कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन और देशभर में जेन–ज़ी के प्रदर्शनों के बाद देश के अलग–अलग हिस्सों से जेन अल्फ़ा के सड़कों पर उतरने की तस्वीरें सामने आ रही हैं। जेन अल्फ़ा 2010 के आसपास और उसके बाद पैदा हुई पीढ़ी है। बीते एक महीने में यह पीढ़ी जगह–जगह प्रदर्शन करती नजर आ रही है। वह भी केवल एक या दो राज्यों में नहीं, बल्कि उत्तर भारत के कई राज्यों से ऐसे मामले सामने आए जिनमें जेन अल्फा ने अपने स्कूल की समस्याओं को लेकर आवाज़ उठाई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक किसी की शिकायत स्कूल में शिक्षकों की कमी थी, तो किसी की स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं का अभाव, कोई मिड–डे मील की गुणवत्ता पर सवाल उठाता नज़र आया तो कोई स्कूल तक पहुंचाने वाली सड़क की ख़राब हालत के खिलाफ़ बोलता नजर आया। उत्तर प्रदेश जो कि देश की सबसे ज्यादा आबादी वाला राज्य है, वहां से भी ऐसे कई मामले सामने आए। अब राज्य के कई स्कूलों की बदहाली दिखाने वाले कई कंटेट क्रिएटरों और यूट्यूबर्स पर कार्रवाई की बातें सामने आ रही हैं। इनमें से कई लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है। पुलिस ने इन पर सरकारी काम में बाधा डालने और बच्चों की निजता भंग करने जैसे आरोप लगाए हैं, जबकि जिन लोगों पर एफआईआर दर्ज गिरफ्तारियां की जा रही हैं उनका आरोप है कि यूपी सरकारी अव्यस्था उजागर करने की उन्हें सजा दे रही है।

मैं जेल जाने के लिए अमेरिका से भारत आया हूं: अभिजीत

नई दिल्ली, एजेंसी।
कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके, जो महाराष्ट्र, राजस्थान और दिल्ली जैसे राज्यों में स्कूल ठीक करो अभियान चला रहे हैं, ने अपने खिलाफ दर्ज हुए एफआईआर को लेकर एक बेबाक बयान दिया है। दीपके ने कहा है कि वह जेल जाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं और अमेरिका से इसी तैयारी के साथ आए थे कि उन्हें जेल जाना पड़ सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि जब तक वह बाहर हैं, उन्हें लगता है कि यह समय उन्हें लीज पर मिला हुआ है।दीपके ने एक चर्चा के दौरान कहा कि स्कूल ठीक करो अभियान के लिए यदि उन्हें जेल भेजा जाता है तो वह इसके लिए मानसिक रूप से तैयार हैं। उन्होंने एफआईआर दर्ज होने के संदर्भ में कहा, करें एफआईआर, भेज दो जेल। मैं तो

अमेरिका से यह सोचकर आया था कि जेल जा रहा हूं। मैं तो मानसिक रूप से तैयार हूं। यह मुझे जो बाहर मिल रहा है समय मैं तो समझ रहा हूं कि मुझे लीज पर मिला है। मैं तो अमेरिका से जेल जाने के लिए तैयार होकर ही आया था। इनको हमारे ऊपर जितनी एफआईआर करनी है करने दो, मुझे कोई चिंता नहीं है। जेल भेजेंगे चला जाऊंगा।सीजेपी के राष्ट्रीय संयोजक अभिजीत दीपके ने स्कूलों में एंट्री बैन करने के आदेशों की तुलना डेड बॉडी छिपाने जैसी हरकत से की। उन्होंने कहा, यह क्या बात हुई कि हम स्कूल में जा रहे हैं, जहां हम गंदे टॉयलेट दिखा रहे हैं, वह नहीं दिखा सकते। जहां हम बेंच नहीं हैं, उसकी फोटो नहीं डाल सकते। जहां शिक्षक नहीं हैं, उसका वीडियो नहीं डाल सकते। आप नहीं चाहते कि सच बाहर आए, किस बात का शर्म है आपको। अभिजीत दीपके से यह भी पूछा गया कि वह भाजपा शासित राज्यों में अभियान चला रहे हैं, लेकिन पंजाब (आम आदमी पार्टी शासित) में क्यों नहीं जा रहे हैं। इस पर दीपके ने स्पष्ट किया कि वह पंजाब, कर्नाटक और तेलंगाना जैसे राज्यों में भी जाएंगे, लेकिन पहले वह अपने राज्य और अपने आसपास के क्षेत्र में अभियान चला रहे हैं, जहां वह रहते हैं। दीपके ने कहा, पंजाब भी जाएंगे हम। पंजाब, कर्नाटक और तेलंगाना सब जगह जाएंगे।

मैं ही सबूत हूं, मैं ही गवाह हूं... मैं जांच का सामना करने को तैयार

-तमिलनाडु के वित्त मंत्री की रिश्वत वाली टिप्पणी पर मचा सियासी घमासान

चेन्नई, एजेंसी।
तमिलनाडु के वित्त मंत्री एन मैरी विल्सन की हालिया रिश्वत वाली टिप्पणी से राजनीतिक घमासान मच गया है। डीएमके और बीजेपी ने राज्य में टीवीके के नेतृत्व वाली विजय सरकार से मांग की है कि उनके बयान की जांच कराई जाए और जांच पूरी होने तक उन्हें कैबिनेट से हटाया जाए। राज्य विधानसभा में बोलते हुए विल्सन ने दावा किया कि डीएमके सरकार के दौरान उन्हें चेन्नई में अपने संस्थानों से जुड़ी मंजूरी के लिए स्कूल शिक्षा विभाग को भारी रकम देनी पड़ी थी। उन्होंने कहा कि मैं ही सबूत हूं, मैं ही गवाह हूं... मैं जांच का सामना करने के लिए तैयार हूं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जहां राज्य के स्वास्थ्य मंत्री के जी अरुणराज ने विल्सन का बचाव करते हुए उन्हें व्हिसलब्लोअर बताया। वहीं डीएमके ने विल्सन की टिप्पणियों की कड़ी आलोचना की। पार्टी नेता अंबिल महेश पोय्यामोझी ने इन आरोपों को बेबुनियाद बताया और उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पोय्यामोझी ने कहा कि विधानसभा में किसी मंत्री का यह कहना कि उन्होंने रिश्वत दी एक गंभीर गलती है। डीएमके नेता ने कहा कि चूंकि वे रिश्वत देने की घटना के प्रत्यक्ष गवाह होने का दावा करते हैं, इसलिए मैं डीवीएसी से अनुरोध करता हूं कि वे तुरंत उनकी जांच करें।

विल्सन ने पूर्व स्कूल शिक्षा मंत्री अनबिल महेश पोय्यामोझी को भी चुनौती दी कि वे इस मामले की जांच की मांग करें। टी नगर में ग्लोबल नाम की जगह पर कथित तौर पर किए गए भुगतान का ज़िक्र किया, विल्सन ने कहा कि वह यह बताने के लिए तैयार हैं कि उनसे कितनी रकम का भुगतान करवाया गया था। उन्होंने सदन में कहा कि मैं बता सकता हूं कि अल्पसंख्यक संस्थानों के लिए आपको कितनी रकम मिली थी।

क्या बीजेपी के संगठनात्मक बदलाव के बाद अब कैबिनेट में भी होगा फेरबदल?

–अभी काउंसिल में पीएम मोदी समेत 69 सदस्य, 12 पद अभी भी खाली

नई दिल्ली, एजेंसी।
बीजेपी का संगठनात्मक बदलाव अब पूरा हो गया है। बीजेपी अध्यक्ष नितिन नबीन ने 65 सदस्यों वाली नई राष्ट्रीय टीम की घोषणा के साथ ही, राजनीतिक ध्यान अब मोदी सरकार पर केंद्रित हो गया है कि क्या पार्टी के संगठनात्मक बदलाव के बाद अब कैबिनेट में भी कोई बड़ा फेरबदल होगा। अभी काउंसिल में पीएम समेत 69 सदस्य हैं। संविधान के तहत सदस्यों की संख्या 81 हो सकती है यानी 12 पद अभी भी खाली हैं।

सूत्रों के मुताबिक इन बदलावों पर 2029 के लोकसभा चुनाव और उससे पहले होने वाले कुछ विधानसभा चुनावों का असर दिखेगा। हालांकि, सिर्फ राजनीतिक वजहें ही अहम नहीं होंगी, क्योंकि लीडरशिप उन मंत्रियों का बोझ भी कम करना चाह सकती है जिनके पास कई विभाग हैं। बीजेपी अब कई अहम विधानसभा चुनावों और उनके बाद 2029 के लोकसभा चुनाव की तैयारी कर रही है। नई टीम में कई नए चेहरे शामिल किए गए हैं, जो युवा नेतृत्व को बढ़ावा देने और चुनावों पर ज़्यादा ध्यान देने का संकेत है। अब सरकार में भी ऐसे ही बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

हाल ही में तीन बदलाव हुए हैं। पेपर लीक को लेकर युवाओं के विरोध के बीच धर्मेंद्र प्रधान ने शिक्षा मंत्री का पद छोड़ दिया। अल्पसंख्यक मामलों के राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन और रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने राज्यसभा का कार्यकाल खत्म होने पर इस्तीफा दे दिया। इसके बाद पार्टी में नई भूमिका निभाने वाले नेताओं की बारी आ सकती है। इनमें वे राज्यमंत्री शामिल हैं जिन्हें संगठन में काम सौंपा गया है। हाल ही में हर्ष मल्होत्रा और पंकज चौधरी को दिल्ली और उत्तर प्रदेश में पार्टी की राज्य इकाई का प्रमुख बनाया गया है।

रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि संभावित फेरबदल में चुनावी जरूरतों, क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व, उम्र, कामकाज और बीजेपी के एक व्यक्ति, एक पद के सिद्धांत को ध्यान में रखे जाने की उम्मीद है। बीजेपी की नई टीम में सबसे अहम नामों में से एक पीयूष गोयल हैं, जिन्हें पार्टी का राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष बनाया गया है। गोयल अभी केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री हैं, इसलिए बीजेपी के एक व्यक्ति, एक पद के सिद्धांत के हिसाब से उनकी नई संगठनात्मक जिम्मेदारी काफी अहम है। गोयल अकेले ऐसे बड़े राजनीतिक चेहरे नहीं हैं जिन्हें नई भूमिका दी गई है। बीजेपी की सबसे जानी-मानी राष्ट्रीय नेताओं में से एक और पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री स्मृति ईरानी की भी पार्टी संगठन में वापसी हुई है। बीजेपी की

राष्ट्रीय चुनाव प्रचार मशीनरी के साथ उनके लंबे जुड़ाव और पार्टी में उनके कद को देखते हुए, उनका शामिल होना राजनीतिक रूप से काफी अहम है। बीजेपी ने इस अटकलबाज़ी पर कोई टिप्पणी नहीं की है। पार्टी आम तौर पर एक व्यक्ति-एक भूमिका के नियम का पालन करती है, जिन नेताओं के नाम मंत्री बनने की अटकलों में थे, उन्हें इसके बजाय संगठन में जिम्मेदारी दी गईं जैसे स्मृति ईरानी, विनोद तावड़े, सतीश पूनिया और तरुण चुघ।

सोने और चांदी की कीमतों में जोरदार उछाल

सोना 1,60,300 रुपए तो चांदी 2,41,306 प्रति किलोग्राम पहुंची

नई दिल्ली।

सोने और चांदी की कीमतों में गुरुवार को एक बार फिर जोरदार उछाल देखने को मिला। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का भाव 637 रुपये चढ़कर 1,60,300 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया, जबकि चांदी 1,668 रुपए महंगी होकर 2,41,306 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी दोनों बहुमूल्य धातुओं में मजबूती दर्ज की गई, जहां सोना 0.71 फीसदी बढ़कर 4,686 डॉलर प्रति औंस और चांदी 1.67 फीसदी चढ़कर 69 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही है। पिछले सत्र में 1 फीसदी से ज्यादा की गिरावट झेलने के बाद, सोने में अब फिर से मजबूती लौटी है। बाजार की नजर अमेरिकी फेडरल रिजर्व के चेयरमैन केविन वॉर्श के बयान पर है। इसके साथ ही, अमेरिका में लगातार 65वें महीने 2 फीसदी के लक्ष्य से ऊपर बनी हुई महंगाई दर और ब्याज दरों को लेकर मिलने वाले संकेत सोने की आगे की चाल तय करेंगे। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता और भू-राजनीतिक तनाव (जैसे होर्मुज से जुड़ी घटना) की स्थिति में निवेशक सोने को सुरक्षित निवेश विकल्प मानते हैं, जिससे इसकी मांग बढ़ती है और कीमतों को सहारा मिलता है। हालांकि हाल की गिरावट के बावजूद, कई बाजार विश्लेषकों को सोने में आगे और तेजी की उम्मीद है। कुछ एक्सपर्ट्स का अनुमान है कि इस साल सोने का भाव 5,000 डॉलर प्रति औंस का स्तर पार कर सकता है। पिछले साल सोने में 75 फीसदी से ज्यादा की जबरदस्त तेजी देखने को मिली थी, जो 1979 के बाद सबसे मजबूत तेजी वाला दौर था। वहीं चांदी की कीमतों में सोने के मुकाबले कहीं अधिक तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई है। मजबूत मांग और करेंसी में बदलाव के कारण चांदी, जो 2023-24 में लगभग 78,600 रुपए प्रति किलोग्राम थी, वह अब बढ़कर 2,41,306 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई है।

पुष्प ब्रांड को सेबी की हरी झंडी, जल्द आएगा आईपीओ

इंदौर से शुरू हुई कंपनी मौजूदा शेयरधारकों द्वारा 74.45 लाख शेयरों की ओएफएस लाएगी

नई दिल्ली।

पैकेज्ड खाद्य कंपनी पुष्प ब्रांड (इंडिया) को अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए बाजार नियामक सेबी से मंजूरी मिल गई है। यह आईपीओ मौजूदा शेयरधारकों द्वारा 74.45 लाख शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) के रूप में होगा, जिसकी जानकारी बाजार नियामक ने बृहस्पतिवार को दी। इंदौर में 1974 में स्थापित, पुष्प ब्रांड ने एक क्षेत्रीय मसाला कारोबार से बढ़कर अब पुष्प और मुनीमजी ब्रांड के तहत काम करने वाली एक व्यापक पैकेड खाद्य कंपनी का रूप ले लिया है। कंपनी शुद्ध एवं मिश्रित मसाले, साबुत मसाले, हींग और अन्य उत्पाद पेश करती है, जिनकी 31 मार्च, 2026 तक 312 श्रेणियां थीं। सेबी को जून में दस्तावेज दाखिल करने के बाद 27 अगस्त को मिली इस मंजूरी के बाद, कंपनी वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में पुष्प कड़क चाय पेश करने की भी योजना बना रही है। वित्त वर्ष 2025-26 के अंत तक, पुष्प ब्रांड का वितरण नेटवर्क 24 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में 1,016 वितरकों और 3.68 लाख से अधिक खुदरा बिक्री केंद्रों तक फैला हुआ था।

एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार

मुंबई। एशिया-प्रशांत क्षेत्र के बाजारों में गुरुवार को शुरुआती बढ़त के बाद अब मिला-जुला कारोबार देखने को मिल रहा है। इससे पहले एन विडिया के मजबूत बिक्री अनुमान से निवेशकों का भरोसा बढ़ा था। जापान का निक्कई 225 करीब 0.13 फीसदी गिरा, जबकि दक्षिण कोरिया का कोस्पी 1.37 फीसदी की बढ़त के साथ कारोबार कर रहा था। अमेरिकी शेयर बाजार भी बुधवार को गिरावट के साथ बंद हुए। अमेरिका में महंगाई से जुड़े एक प्रमुख संकेतक के फेडरल रिजर्व के लक्ष्य से ऊपर बने रहने के बाद इस साल ब्याज दरों में बढ़ोतरी की आशंका बढ़ी है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 539, निफ्टी 116 अंक गिरा

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है।

वहीं पश्चिम एशिया में जारी तनावों से भी बाजार पर दबाव आया जिससे भी उसमें गिरावट आई। आज कारोबार के दौरान धातु, पीएसयू बैंकों और सीमेंट के शेयरों में गिरावट रही। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 539.35 अंक फिसलकर 76,933.59 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 116.90 अंक गिरकर 24,090.85 पर आ गया। व्यापक बाजार में, निफ्टी मिडकैप 100 में भी गिरावट दर्ज की गयी। इसके अलावा निफ्टी सीमेंट, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी मीडिया और निफ्टी मेटल और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज में गिरावट रही जबकि निफ्टी फार्मा, निफ्टी हेल्थकेयर, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और निफ्टी प्राइवेट बैंक में बढ़त रही।

आज अदाणी इंटरप्राइजेस, कोटक महिंद्रा बैंक, अदाणी पोर्ट्स, सिप्ला और बीईएल के शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़त दर्ज की गई और ये शीर्ष लाभ वाले शेयरों में शामिल रहे, जबकि हिंडाल्को, एचडीएफसी बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, श्रीराम फाइनेंस, ग्रासिम इंडस्ट्रीज, एचसीएल टेक, भारती एयरटेल और रिलायंस के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट रही।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की कमजोर शुरुआत हुई। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों प्रमुख सूचकांक शुरुआती कारोबार में लाल निशान पर खुले, जिससे निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। ई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 45.17 अंक टूटकर 77,422.70 अंक पर खुला जबकि निफ्टी भी 6.40 अंक फिसलकर 24,202.45 अंक पर खुला वैश्विक बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजारों में मिलाजुला रुख रहा; दक्षिण कोरिया, जापान और चीन बढ़त में थे, जबकि हांगकांग गिरावट में। अमेरिकी बाजार बुधवार को निचले स्तर पर बंद हुए थे। वहीं पिछले सत्र में घरेलू बाजार भी गिरे थे, सेंसेक्स 183.15 अंक और निफ्टी 126.80 अंक टूटकर बंद हुए थे।

सेम्बकॉर्प ग्रीन इंफ्रा लाएगी 3,750 करोड़ का आईपीओ

स्वतंत्र बिजली उत्पादक कंपनी ने सेबी में दाखिल किए दस्तावेज

नई दिल्ली।

नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी सेम्बकॉर्प ग्रीन इंफ्रा लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए 3,750 करोड़ रुपए तक जुटाने के लिए बाजार नियामक सेबी के समक्ष मसौदा दस्तावेज दाखिल किए हैं। कंपनी इस पूंजी का उपयोग मुख्य रूप से कर्ज चुकाने और भविष्य के विस्तार के लिए करेगी। यह प्रस्तावित आईपीओ पूरी तरह से नए शेयरों का एक निर्गम होगा, जिसमें बिक्री पेशकश (ओएफएस) का कोई हिस्सा शामिल नहीं है। सेबी में दाखिल दस्तावेजों के अनुसार, जुटाई गई राशि का एक बड़ा हिस्सा कंपनी और उसकी अनुषंगी कंपनियों के कुछ मौजूदा कर्जों के पुनर्भुगतान में इस्तेमाल किया जाएगा। कंपनी का लक्ष्य इस पूंजी जुटाने से अपने बही-खाते को मजबूत करना और नवीकरणीय ऊर्जा खंड में अपने विस्तार को गति देना है। सेम्बकॉर्प ग्रीन इंफ्रा के पास 31 मार्च, 2026 तक 3.60 गीगावाट की परिचालन क्षमता है, जबकि 4.04 गीगावाट की परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं, जो कंपनी की विकास क्षमता को दर्शाती हैं।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई।

रुपया गुरुवार को 20 पैसे की गिरावट के साथ ही 95.51 पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस रुपया 95.31 पर बंद हुआ था। आज सुबह शुरुआती नुकसान से उबरते हुए गुरुवार को सुबह के कारोबार में चार पैसे की बढ़त के साथ 95.40 प्रति डॉलर पर आ गया। ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से रुपये को समर्थन मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.50 प्रति डॉलर पर खुला। फिर टूटकर 95.52 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले आठ पैसे की गिरावट है। हालांकि, घरेलू मुद्रा ने जल्द ही नुकसान की भरपाई की और चार पैसे की बढ़त के साथ 95.40 प्रति डॉलर पर कारोबार करने लगा। रुपया मंगलवार को 26 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.44 पर बंद हुआ था।

डीएचएल एक्सप्रेस के लिए भारत वैश्विक वृद्धि का इंजन

जीडीपी से डेढ़ गुना तेज रफ्तार का लक्ष्य

नई दिल्ली।

लॉजिस्टिक दिग्गज डीएचएल एक्सप्रेस भारत को अपने वैश्विक कारोबार के लिए वृद्धि का प्रमुख केंद्र मानती है। कंपनी ने घोषणा की है कि भारत में उसका कामकाज वैश्विक स्तर पर डीएचएल के अन्य परिचालनों की तुलना में अधिक तेजी से बढ़ रहा है। रुपये में उतार-चढ़ाव के बावजूद, डीएचएल अगले दशक में देश में अपने 1 अरब यूरो के निवेश को बनाए रखने की योजना बना रही है, जो भारत के आर्थिक भविष्य में उसके मजबूत विश्वास को दर्शाता है। डीएचएल एक्सप्रेस (दक्षिण एशिया) के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने बताया कि कंपनी का हमेशा से यह लक्ष्य रहा है कि वह भारतीय अर्थव्यवस्था के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की तुलना में लगभग 1.5 गुना तेजी से बढ़े। उन्होंने कहा कि पिछले 5 से 10 वर्षों में कंपनी की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) आम तौर पर इस जीडीपी बेंचमार्क से 1-2 फीसदी अधिक रही है। यह प्रदर्शन डीएचएल समूह के हालिया नतीजों में भी झलकता है, जहां जून 2026 को समाप्त तिमाही में समूह का परिचालन मुनाफा 30 फीसदी बढ़कर 1.9 अरब यूरो रहा। रुपये के मुकाबले डॉलर और यूरो में लगातार उतार-चढ़ाव कंपनी के लिए एक चुनौती रहा है। पिछले एक साल में डॉलर के मुकाबले रुपये में 8.2 फीसदी और हालिया पश्चिम एशिया संकट के बाद 4.65 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। इस चुनौती से निपटने के लिए, डीएचएल ने 1 अगस्त से करेंसी इफेक्ट्स इंडेक्स शुरू किया है। सुब्रमण्यन ने भारत के भविष्य पर आशा व्यक्त करते हुए कहा कि वैश्विक स्तर पर देश की चर्चा बहुत सकारात्मक रूप से हो रही है। उन्होंने इंजीनियरिंग, विनिर्माण, वाहन, इलेक्ट्रिक वाहन, नवीकरणीय ऊर्जा और डेटा सेंटर जैसे क्षेत्रों में हो रहे निवेश को रेखांकित किया, जो डीएचएल के लॉजिस्टिक कारोबार के लिए महत्वपूर्ण विकास के अवसर पैदा करते हैं।

कच्चे तेल में नरमी, होर्मुज से राहत, रूस-यूक्रेन तनाव ने रोकी बड़ी गिरावट

ईरान-ओमान समझौता बना कीमतों पर दबाव का कारण

नई दिल्ली।

कच्चे तेल की कीमतों में गुरुवार को हल्की गिरावट दर्ज की गई, जिसकी मुख्य वजह होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव कम होने के संकेत हैं। हालांकि, रूस और यूक्रेन के बीच बढ़ते संघर्ष ने बड़ी गिरावट को सीमित कर दिया। डब्ल्यूआई क्रूड 82 डॉलर प्रति बैरल के नीचे और ब्रेंट क्रूड 86.60 डॉलर प्रति बैरल के आसपास था। होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर ईरान और ओमान के बीच प्रगति से तेल बाजार में उम्मीद बंधी है। दोनों देशों ने जहाजों की आवाजाही पर राजस्व-साझाकरण समझौते की पुष्टि की है, जिससे इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग से तेल आपूर्ति बेहतर होने की संभावना है। हालांकि ईरान ने तुरंत पूरी तरह से खुलने से इनकार किया, बाजार इसे तनाव कम होने का अहम संकेत मान रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के बयान ने भी इन उम्मीदों को बल दिया, जिसमें उन्होंने मंगलवार को 1 करोड़ बैरल तेल के होर्मुज से निकलने की बात कही। सऊदी अरब भी फारस की खाड़ी के भीतर से तेल लोडिंग बढ़ाने की संभावना तलाश रहा है, जो बदलते हालात के अनुरूप है। इसके विपरीत रूस और यूक्रेन के बीच बढ़ता तनाव कच्चे तेल की कीमतों को ज्यादा गिरने से रोक रहा है।

यूक्रेन द्वारा रूसी रिफाइनरियों और बंदरगाहों पर लगातार हमलों से रूस के ईंधन उत्पादन और निर्यात पर गंभीर असर पड़ने का खतरा है। यदि रूस से तेल और पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति में बड़ी रुकावट आती है, तो वैश्विक बाजार में आपूर्ति फिर से घट सकती है।

इसी भू-राजनीतिक उथल-पुथल के कारण कीमतें अस्थिर रहीं, जहाँ शुरुआत में रूस-यूक्रेन संघर्ष की खबरों ने कीमतें बढ़ाईं, लेकिन होर्मुज की खबर से तेजी थम गई।

जुनिपर ग्रीन एनर्जी और एसजेवीएन के बीच 50 मेगावॉट एफडीआरई समझौता

नई दिल्ली।

नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, जुनिपर ग्रीन एनर्जी ने एसजेवीएन लिमिटेड के साथ 50 मेगावॉट की स्थिर एवं प्रेषणीय नवीकरणीय ऊर्जा (एफडीआरई) परियोजना के लिए 25 साल का बिजली खरीद समझौता (पीपीए) किया है। इस करार से देश में नवीकरणीय ऊर्जा की विश्वसनीय आपूर्ति को नई गति मिलेगी। यह समझौता 4.25 रुपए प्रति यूनिट की दर से हुआ है और 25 वर्षों तक प्रभावी रहेगा। इस परियोजना में सौर ऊर्जा को बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीइएसएस) के साथ एकीकृत किया जाएगा, ताकि पीक आवर्स में मासिक आधार पर 90 प्रतिशत उपलब्धता के साथ स्थिर और भरोसेमंद बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। जुनिपर ग्रीन एनर्जी के एक अ धिकारी ने बताया कि यह पीपीए कंपनी की एफडीआरई परियोजनाओं का बड़ा खंड बनाने की रणनीति का एक अहम हिस्सा है और एसजेवीएन के साथ साझेदारी को और मजबूत करता है। इस नए समझौते के साथ, जुनिपर ग्रीन एनर्जी की कुल नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता अब बढ़कर 11,216 मेगावॉट हो गई है, जो इस क्षेत्र में उसकी बढ़ती प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

फार्मा कंपनियों पर अनोखा संकट, कमाई बढ़ी पर मुनाफा घटा!

अमेरिका में रेव्लिमिड की कम बिक्री बनी वजह, डॉ. रेड्डीज और सिप्ला जैसे दिग्गजों पर ज़्यादा असर

मुंबई।

आमतौर पर किसी कंपनी की कमाई घटने के पीछे कमजोर बिक्री या बढ़ता खर्च होता है, लेकिन भारतीय दवा कंपनियों के साथ इस समय एक अजीब स्थिति बनी है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में उनकी कुल कमाई बढ़ी, कामकाजी मुनाफा भी सुधरा, लेकिन शुद्ध मुनाफे में गिरावट दर्ज की गई है। इस अप्रत्याशित गिरावट की मुख्य वजह अमेरिका में कैंसर की एक महत्वपूर्ण दवा, जेनेरिक रेव्लिमिड (लेनालिडोमाइड) की कम बिक्री और कीमतों में आई भारी गिरावट है। डॉ. रेड्डीज और सिप्ला जैसी बड़ी कंपनियाँ इससे सबसे ज्यादा प्रभावित हुई हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में उसके दायरे में आने वाली दवा कंपनियों की कुल कमाई में 14.8 फीसदी की वृद्धि देखी गई और उनका कामकाजी मुनाफा भी 6.9 फीसदी बढ़ा। इसके बावजूद, इन कंपनियों का मुनाफा 4.1 फीसदी घट गया, जिसकी एक बड़ी वजह अमेरिका में जेनेरिक रेव्लिमिड की कम बिक्री और कीमतों में आई तेज गिरावट रही।

रेव्लिमिड, जिसका मूल नाम लेनालिडोमाइड है, कैंसर, खासकर मल्टीपल मायलोमा के इलाज में इस्तेमाल होने वाली एक महत्वपूर्ण दवा है।

एक समय में भारतीय फार्मा कंपनियों के लिए कमाई का बड़ा जरिया बनी यह दवा अब उनके मुनाफे पर भारी पड़ रही है। पेटेंट विवादों के बाद हुए समझौतों के तहत, भारतीय जेनेरिक कंपनियों को मार्च 2022 के बाद अमेरिका में सीमित मात्रा में जेनेरिक लेनालिडोमाइड बेचने की अनुमति मिली थी। डॉ. रेड्डीज और सिप्ला जैसी कंपनियों के लिए जनवरी 2026 तक बिक्री की मात्रा पर सीमाएं तय थीं।

बाजार में सीमित प्रतिस्पर्धा के कारण रेव्लिमिड की कीमतें ऊंची बनी रहीं, जिससे भारतीय कंपनियों ने इस दवा से शानदार कमाई की। लेकिन जनवरी 2026 के करीब आते ही तस्वीर बदल गई। जैसे-जैसे बिक्री की मात्रा पर लगी सीमाएं खत्म हुईं और अधिक जेनेरिक कंपनियां बाजार में आईं, प्रतिस्पर्धा तेजी से बढ़ी। ज्यादा आपूर्ति और प्रतिस्पर्धी माहौल के चलते रेव्लिमिड के जेनेरिक वर्जन की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई। इसका सीधा असर कंपनियों के मुनाफे पर पड़ा। डॉ. रेड्डीज के मार्च तिमाही के नतीजों में भी लेनालिडोमाइड की कीमतों में आई गिरावट का साफ असर दिखा था।

आईपीओ बाजार में साल की पहली छमाही की सुस्ती के बाद तेज उछाल

अगस्त 2026 में 21 आईपीओ खुलने की उम्मीद, जबकि जुलाई में यह संख्या 12 थी

नई दिल्ली।

भारतीय शेयर बाजार में साल की पहली छमाही की सुस्ती अब खत्म होती दिख रही है। प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) बाजार में एक बार फिर तेजी का माहौल है। अगस्त महीने में कंपनियों के सार्वजनिक निर्गमों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और आने वाले समय में एनएसई, फोनपे, जियो प्लेटफॉर्म्स, ज़ेप्टो और ओयो जैसी बड़ी कंपनियों के आईपीओ आने की उम्मीद है, जिससे निवेशकों में उत्साह है। विश्लेषकों का मानना है कि यदि वैश्विक और भू-राजनीतिक मोर्चे पर कोई बड़ा झटका नहीं लगता है, तो 2026 की दूसरी छमाही में भी आईपीओ बाजार की यह रफ्तार बनी रह सकती है। पूंजी बाजार में संबं धित एक डेटाबेस के आंकड़ों के अनुसार, अगस्त 2026 में 21 आईपीओ खुलने की उम्मीद है, जबकि जुलाई में यह संख्या 12 थी। इसके विपरीत साल के पहले छह महीनों में आईपीओ लाने की गति काफी धीमी रही थी, और मई में तो एक भी आईपीओ जारी नहीं हुआ था। एक ब्रोकर कंपनी के मुता बिक पहली छमाही में बाजार की गिरावट, शुल्क को लेकर अनिश्चितता और वैश्विक परिस्थितियों ने कंपनियों की आईपीओ लाने की क्षमता और निवेशकों की भावना (सेंटिमेंट) दोनों को प्रभावित किया। अमेरिकी शुल्क से जुड़ी चिंताएं, अमेरिका और ईरान के बीच तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि और कंपनियों के वित्तीय नतीजों को लेकर अनिश्चितता ने उस दौरान बाजार पर दबाव बनाया था। आईपीओ के लिए कंपनियों की एक लंबी कतार लगी हुई है। पूंजी बाजार में संबं धित एक डेटाबेस के आंकड़ों के मुताबिक, कुल 239 कंपनियां आईपीओ लाने की तैयारी में हैं।

इनमें से 164 कंपनियों को भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से आईपीओ की मंजूरी मिल चुकी है, जिनके जरिए करीब 2.65 लाख करोड़ रुपये जुटाए जाने का अनुमान है। वहीं, 75 कंपनियों ने सेबी के पास मसौदा पत्र (ड्राफ्ट पेपर) दाखिल किए हैं और मंजूरी का इंतजार कर रही हैं, जिनके जरिए लगभग 2.01 लाख करोड़ रुपये जुटाने की योजना है।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ने इलेक्ट्रिक फ्यूचर्स शुरू किया

अब कंपनियां भविष्य की बिजली लागत का करेंगी बेहतर प्रबंधन

नई दिल्ली

भारत के कमोडिटी बाजार में अब एक नया अध्याय जुड़ गया है। सोना, चांदी और कच्चे तेल की तर्ज पर अब देश में बिजली की कीमतों पर भी वायदा कारोबार संभव हो गया है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) ने इलेक्ट्रिक फ्यूचर्स की शुरुआत की है, जिससे बिजली उत्पादक और उपभोक्ता कंपनियां भविष्य की कीमतों में उतार-चढ़ाव से जुड़े जोखिमों का बेहतर प्रबंधन कर सकेंगी। यह पहल बिजली को सिर्फ एक उपभोग्य वस्तु नहीं, बल्कि एक ट्रेडबल एसेट बनाती है। बिजली अन्य कमोडिटी से काफी अलग है क्योंकि इसे बड़े पैमाने पर आसानी से स्टोर नहीं किया जा सकता। जितनी बिजली बनती है, उसका लगभग तुरंत उपयोग होना जरूरी है। यही कारण है कि मांग और आपूर्ति में मामूली अंतर भी कीमतों में तेज उतार-चढ़ाव ला सकता है। मौसम, सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा का उत्पादन, कोयले और गैस की उपलब्धता, बिजली प्लांट का बंद होना और ट्रांसमिशन से जुड़ी दिक्कतें जैसे कई कारक बिजली की कीमतों पर सीधा असर डालते हैं। भारत में अधिकांश बिजली (करीब 85-88 फीसदी) लंबे समय के खरीद समझौतों के तहत बेची जाती है, जबकि शेष 12-15 फीसदी बिजली शॉर्ट-टर्म मार्केट में पावर एक्सचेंजों पर ट्रेड होती है। यहीं मांग और आपूर्ति के आधार पर कीमतें तय होती हैं, जो वायदा बाजार के लिए संदर्भ बिंदु बनती हैं। इलेक्ट्रिक फ्यूचर्स में बिजली की कोई वास्तविक डिलीवरी नहीं होती; इनका निपटान नकद में किया जाता है। सौदों का निपटान भारतीय ऊर्जा एक्सचेंज (आईईएक्स) के डे-अहेड मार्केट की औसत मासिक कीमत के आधार पर होता है। एमसीएक्स पर एक ट्रेडिंग यूनिट 50 मेगावाट घंटा है और मौजूदा महीने के साथ अगले तीन महीनों तक के सौदे उपलब्ध होते हैं। इलेक्ट्रिसिटी फ्यूचर्स का सबसे बड़ा फायदा उन उद्योगों और कंपनियों को मिलेगा जिनकी परिचालन लागत में बिजली का बड़ा हिस्सा होता है, जैसे बड़ी फैक्ट्रियां, बिजली उत्पादक और वितरक कंपनियां। वे भविष्य में बिजली की कीमतों में संभावित वृद्धि या गिरावट के जोखिम को कम करने के लिए इन सौदों का उपयोग कर सकते हैं।

1 सितंबर से महंगी होंगी टाटा और हुंडई की गाड़ियां

इनपुट लागत में बढ़ोतरी बनी वजह, पेट्रोल-डीजल से लेकर ईवी तक सभी सेगमेंट प्रभावित

नई दिल्ली।

सितंबर महीने की शुरुआत के साथ ही आम आदमी से जुड़े कई नियमों में बदलाव हुए हैं, जिनमें से एक बड़ा झटका कार प्रेमियों को लगा है। टाटा मोटर्स और हुंडई ने अपनी गाड़ियों की कीमतें बढ़ाने का ऐलान किया है, जिसका सीधा असर नई गाड़ी खरीदने की योजना बना रहे ग्राहकों के बजट पर पड़ेगा। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स (टीएमपीवी) ने 1 सितंबर से अपने पूरे कार और एसयूवी पोर्टफोलियो की कीमतों में 25,000 रुपए तक की बढ़ोतरी की घोषणा की है। यह वृद्धि पेट्रोल, डीजल (आईसीई) और इलेक्ट्रिक व्हीकल्स सभी सेगमेंट पर लागू होगी। कंपनी ने कीमतों में इस बढ़ोतरी के पीछे लगातार बनी हुई भू-राजनीतिक अनिश्चितता के बीच इनपुट और कमोडिटी की बढ़ती लागत का हवाला दिया है। यह चालू तिमाही में टाटा की दूसरी मूल्य वृद्धि है, इससे पहले जून में भी दाम बढ़ाए गए थे। वहीं, हुंडई मोटर इंडिया ने भी 19 अगस्त को घोषणा की थी कि वह सितंबर से अपने सभी वाहनों की कीमतों में 1 फीसदी तक की बढ़ोतरी करेगी। हुंडई ने भी इनपुट और कमोडिटी की बढ़ती लागत के साथ-साथ जियोपॉलिटिकल और मैक्रो-इकोनॉमिक अनिश्चितताओं को इसका कारण बताया है। इससे पहले, मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड भी अगस्त में अपनी गाड़ियों की कीमतों में 30,000 रुपए तक की बढ़ोतरी कर चुकी है। लागत के बढ़ते दबाव के कारण ऑटोमोबाइल सेक्टर में कीमतों में वृद्धि का यह सिलसिला जारी है।

रक्षाबंधन पर पंचक और भद्रा का साया?

इस साल रक्षाबंधन के पर्व 28 अगस्त को मनाया जाएगा। हर साल रक्षाबंधन पर राखी बांधने के लिए भद्रा का विचार किया जाता है। भद्रा रहित काल में ही बहने अपने भाई की कलाई पर राखी बांधती हैं लेकिन, क्या आप जानते हैं इस साल रक्षाबंधन पर पंचक का साया है।

पंचक 27 अगस्त को ही दोपहर 1 बजकर 36 मिनट पर लग जाएगा। 28 तारीख को रक्षाबंधन है और पंचक पूरे पांच दिन रहता है। पंचक 1 सितंबर को सुबह 3 बजकर 24 मिनट पर समाप्त होगा। 27 अगस्त को भद्रा पूर्णिमा तिथि आरंभ होने के साथ ही लग जाएगी। रात में 9 बजकर 29 मिनट तक भद्राकाल रहेगा। इसलिए रक्षाबंधन 27 की बजाय 28 अगस्त को मनाया जाएगा। 28 को सूर्योदय के साथ पूर्णिमा तिथि 9 बजकर 49 मिनट तक ही है जो भद्रा मुक्त है।

पंचक में राखी बांधना शुभ या अशुभ

पंचक में कोई भी शुभ कार्य आदि नहीं किया जाता है लेकिन, इस समय पूजा पाठ और धार्मिक कार्य आदि करने की कोई मनाही नहीं होती है। पंचक में पूजा पाठ, जप-तप आदि सभी कार्य किए जाते हैं। इस बार पंचक का आरंभ गुरुवार से हो रहा है। गुरुवार से जो पंचक आरंभ होता है उसे सामान्य माना जाता है। इसमें शुभ काम किए जा सकते हैं इसका प्रतिकूल प्रभाव नहीं होता। रक्षाबंधन के दिन शतभिषा नक्षत्र रहेगा। इसलिए इस दिन राखी बांधने को कोई दोष नहीं लगेगा। रक्षाबंधन शतभिषा नक्षत्र में होगा। इसलिए आप बेफिक्र होकर राखी बांध सकते हैं।

रक्षाबंधन पर ग्रहण

इस साल का अंतिम चंद्रग्रहण 28 अगस्त को लगने जा रहा है। यह इस साल का अंतिम चंद्रग्रहण होगा । तो ऐसे में सवाल यह है क्यों चंद्रग्रहण के दिन आप राखी बांध सकते हैं क्योंकि, चंद्रग्रहण का सूतक काल ग्रहण आरंभ होने से 9 घंटे पहले लग जाता है। लेकिन, यह चंद्रग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा इसलिए इसका सूतक भी मान्य नहीं होगा। इसलिए रक्षाबंधन का पर्व आप बिना किसी के चिंता का मना सकते हैं।

राखी बांधने का शुभ मुहूर्त और चंद्र ग्रहण का सच

28 अगस्त 2026 को रक्षाबंधन पर चंद्र ग्रहण का साया जरूर है, लेकिन भारत में यह दिखाई नहीं देगा। शास्त्रों के अनुसार, जहां ग्रहण दिखाई न दे, वहां सूतक काल मान्य नहीं होता। इसलिए भारत में ग्रहण का कोई अशुभ प्रभाव नहीं पड़ेगा और बहनें बिना किसी संशय के पूरे दिन रक्षासूत्र बांध सकती हैं। इस दिन भद्रा काल भी नहीं रहेगा

कैसे शुरू हुई राखी बांधने के परंपरा और क्या है नियम

देशभर में 28 अगस्त को रक्षा बंधन का पर्व मनाया जाएगा और इस दिन बहनें भाइयों के हाथ पर राखी बांधती हैं और ऊज्जवल भविष्य की कामना करती हैं। वहीं भाई बहनों को रक्षा करने का वचन और गिफ्ट देते हैं।

28 अगस्त को रक्षाबंधन का पवित्र त्योहार है। यह पर्व हर वर्ष श्रावण माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि को मनाया जाता है। रक्षाबंधन के त्योहार को भाई-बहन के प्रेम, स्नेह और सदभाव के रूप में मनाया जाता है। इस दिन बहन अपने भाई की कलाई पर राखी बांधती हैं और भाई की आरती उतारते हुए जीवन में सुख-समृद्धि और लंबी आयु की मंगल कामना करती हैं, जिसके बदले में भाई अपनी बहन को भेंट देता है और आजीवन उसकी रक्षा का वचन भी देता है। शास्त्रों में रक्षाबंधन पर अच्छे मुहूर्त और भद्रारहित काल में भाई की कलाई में रक्षासूत्र बांधना शुभ होता है। रक्षाबंधन का पावन पर्व इस बार पूर्ण शुभता और विशेष संयोगों के साथ 28 अगस्त को मनाया जाएगा।

राखी बांधने की विधि

भाई की सुख-समृद्धि और जीवन की मंगलकामना के लिए हर वर्ष बहनें श्रावण माह की पूर्णिमा तिथि पर रक्षा बंधन का त्योहार मनाती है। रक्षाबंधन के दिन बहनें सुबह से ही तैयारी में लग जाती हैं। रक्षाबंधन के दिन रंगोली से घर को सजाएं। पूजा के लिए एक थाली में स्वास्तिक बनाकर उसमें चंदन, रोली, अक्षत, राखी, मिठाई, और फूल के साथ एक घी का दीया रखें। दीपक प्रज्वलित कर सबसे पहले अपने ईष्टदेव को तिलक लगाकर राखी बांधें और आरती उतारकर मिठाई का भोग लगाएं। फिर भाई को पूर्व या उत्तर दिशा की ओर मुख करके बैठाएं। इसके बाद उनके सिर पर रुमाल या कोई वस्त्र रखें। अब भाई के माथे पर रोली-चंदन और अक्षत का तिलक लगाकर उसके हाथ में नारियल दें। इसके बाद येन बद्धो बलि राजा, दानवेन्द्रो महाबल- तेन त्वाम् प्रतिबद्धनामि रक्षे माचल माचल- इस मंत्र को बोलते हुए भाई की दाहिनी कलाई पर राखी बांधें। भाई की आरती उतारकर मिठाई खिलाएं और उनके उत्तम स्वास्थ्य और उज्जवल भविष्य के लिए भगवान से प्रार्थना करें।

ऐसे शुरू हुई राखी बांधने की परंपरा

पौराणिक कथा के अनुसार जब भगवान विष्णु ने वामन अवतार के रूप में राक्षस राज बलि से तीन पग में उनका सारा राज्य मांग लिया था और उन्हें पाताल लोक में निवास करने को कहा था। तब राजा बलि ने भगवान विष्णु को अपने मेहमान के रूप में पाताल लोक चलने को कहा। जिसे विष्णुजी मना नहीं कर सके। लेकिन जब लंबे समय तक श्री हरि अपने धाम नहीं लौटे तो लक्ष्मीजी को चिंता होने लगी। तब नारद मुनि ने उन्हें राजा बलि को अपना भाई बनाने की सलाह दी। अपने पति को वापस लाने के लिए माता लक्ष्मी गरीब स्त्री का रूप धारण कर राजा बलि के पास पहुंच गईं और उन्हें अपना भाई बनाकर राखी बांध दी। इसके बदले उन्होंने भगवान विष्णु को पाताल लोक से ले जाने का वचन मांग लिया। उस दिन श्रावण मास की पूर्णिमा थी और माना जाता है कि तभी से रक्षाबंधन का पर्व मनाया जाने लगा है।

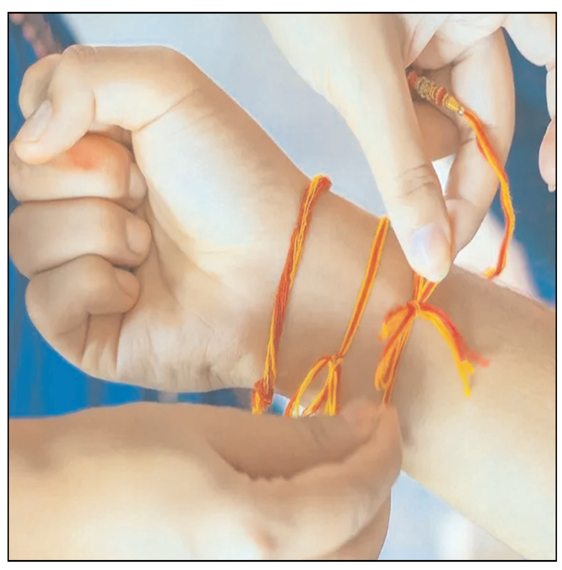

राखी बांधते वक्त इस दिशा में मुंह करके बैठें और यह मंत्र बोलें

श्रावण माह की पूर्णिमा को रक्षा बंधन का त्योहार मनाया जाता है। आओ जानते हैं कि राखी बांधते वक्त किस दिशा में मुंह करके बैठना चाहिए और कौनसा मंत्र बोलना जरूरी है।

राखी बांधते वक्त इस दिशा में रखें मुख

- यदि बहन अपने भाई को राखी बांध रही है तो बहन को पश्चिम में मुख करके भाई के ललाट पर रोली, चंदन व अक्षत का तिलक लगाते हुए उपरोक्ति मंत्र का उच्चारण करना चाहिए।
- भाई को पूर्वाभिमुख, पूर्व दिशा की ओर बिठाएं। बहन का मुंह पश्चिम दिशा की ओर होना चाहिए।
- उन्हें इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि उनका मुख कभी भी दक्षिण दिशा की ओर न हो।
- **सिर ढकना** - अनुष्ठान करते समय भाई को अपना सिर रूमाल से ढकने की सलाह दी जाती है।

कौन सा मंत्र बोलते हुए बांधें राखी

येन बद्धो बली राजा
दानवेन्द्रो महाबल-।
तेन त्वां अभिबन्धामि रक्षे
मा चल मा चल।।

अर्थ- इस मन्त्र का अर्थ है कि जो रक्षा धागा परम कृपालु राजा बलि को बाँधा गया था, वही पवित्र धागा मैं तुम्हारी कलाई पर बाँधता हूँ, जो तुम्हें सदा के लिए विपत्तियों से बचाएगा। शास्त्रों के अनुसार रक्षा सूत्र बांधे जाते समय उपरोक्त मंत्र का जाप करने से अधिक फल मिलता है। इसके बाद भाई के माथे पर टीका लगाकर दाहिने हाथ पर रक्षा सूत्र बांधे। रक्षा सूत्र बांधते समय उपरोक्त मंत्र का उच्चारण करें।

यदि आप शिष्य या शिष्या अपने किसी गुरु को बांध रहे हैं रक्षा सूत्र तो उपरोक्त मंत्र है। ध्यान से देखने पर दोनों मंत्रों में अंतर नजर आएगा।

भाई-बहन के रिश्ते की पवित्रता को दर्शाता है रक्षाबंधन

सावन माह की पूर्णिमा तिथि पर रक्षाबंधन का पर्व मनाया जाता है। ऐसे में रक्षाबंधन 28 अगस्त को मनाया जाएगा। भाई-बहन के प्रेम वाले इस त्योहार में कई तरह के नियमों का ध्यान रखा जाना भी जरूरी है। इससे व्यक्ति को जीवन में अच्छे परिणाम देखने को मिल सकते हैं। ऐसे में आइए जानते हैं राखी से जुड़े कुछ नियम।

रक्षाबंधन हिंदू धर्म के प्रमुख त्योहारों में से एक माना जाता है। इस विशेष दिन पर बहनें मंगल कामना के साथ अपनी भाइयों की कलाई पर राखी बांधती हैं। राखी बांधने के साथ-साथ राखी को उतारने के भी कई नियम हैं, जिनका ध्यान रखने पर व्यक्ति को जीवन में अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। ऐसे में आइए जानते हैं कि राखी कब और कैसे उतारनी चाहिए। रक्षा बंधन पर राखी बांधने का सबसे सही समय अपराह्न के दौरान माना जाता है।

क्यों खास है यह पर्व

पौराणिक कथा के अनुसार, एक बार राजा बली ने भगवान विष्णु से यह वचन लिया कि वह उनके साथ पाताल लोक में रहें। लेकिन इसके कारण माता लक्ष्मी परेशान हो गईं। उन्होंने एक गरीब महिला का रूप धारण किया और राजा बलि के पास पहुंचकर उन्हें राखी बांधी। राखी के बदले राजा ने कुछ भी मांग लेने को कहा। इसपर माता लक्ष्मी अपने असली रूप में प्रकट हुईं और उन्होंने भगवान विष्णु को पुनः अपने धाम लौटाने का वचन मांगा। राखी का मान रखते हुए राजा ने भगवान विष्णु को मां लक्ष्मी के साथ वापस उनके धाम भेज दिया।

राखी खोलने के नियम

कभी भी तुरंत या फिर रक्षाबंधन के कुछ दिन बाद ही राखी नहीं खोलनी चाहिए। राखी को कम-से-कम जन्माष्टमी तक बांधकर रखना चाहिए। राखी को उतारकर कभी भी इधर-उधर नहीं फेंकना चाहिए। आप इसे किसी बहते जल स्रोत में विसर्जित कर सकते हैं या फिर किसी पेड़-पौधे में रख सकते हैं।

भारत दौरे की वजह से न्यूजीलैंड में टिकटों की रिकॉर्ड मांग

क्राइस्टचर्च ,एजेंसी। न्यूजीलैंड क्रिकेट के इंटरनेशनल समर क्रिकेट ने रिकॉर्ड तोड़ शुरुआत की है। क्रिकेट नेशन मेंबर्स की प्री-सेल के पहले 48 घंटों के अंदर 26,000 टिकट बिक गए। टिकटों की जबरदस्त मांग भारत दौरे की वजह से है। भारतीय टीम अक्टूबर में मल्टी-फॉर्मेट सीरीज के लिए न्यूजीलैंड का दौरा करेगी। इस दौरे पर 12 मैच खेले जाने हैं। ऑकलैंड के ईडन पार्क में व्हाइट-बॉल मैच शुरुआती बिक्री में सबसे बड़ा आकर्षण बनकर उभरा हैं। क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल में भी टिकटों की जबरदस्त मांग देखी गई है। 9,000 की क्षमता वाले इस वेन्यू पर 22 और 24 अक्टूबर को होने वाले शुरुआती दो टी20 के साथ-साथ 27 नवंबर से 1 दिसंबर तक होने वाले टूर के दूसरे और आखिरी टेस्ट के लिए भी टिकट बिक जाने की उम्मीद है। वेलिंगटन में भी टिकटों की बिक्री जोरों पर है। यहां तीसरा टी20 और दूसरा वनडे खेला जाना है। पहला टेस्ट, जो 19 नवंबर से शुरू होगा, बेसिन रिजर्व में खेला जाएगा। न्यूजीलैंड क्रिकेट के चीफ मार्केटिंग और कमर्शियल ऑफिसर ग्लेन क्रिचली ने कहा कि शुरुआती रिस्पॉन्स भारत के दौरे को लेकर उत्साह दिखाता है। शुरू से ही फैन्स के लिए हमारा संदेश यही रहा है कि वे कुछ भी मिस न करने के लिए तैयार रहें। पहले दो दिनों में टिकटों की रिकॉर्ड बिक्री से यह साबित होता है कि बहुतों ने हमारी बात सुनी है। न्यूजीलैंड के लोगों के लिए यह एक बहुत कम मिलने वाला मौका है कि वे भारत से जुड़े क्रिकेट के खेल का जबरदस्त मजा लें और दुनिया के कुछ सबसे बड़े क्रिकेट स्टार को खेलते हुए देखें। ' उन्होंने कहा, 'हमने जानबूझकर टिकट की कीमतें पिछले सीजन जितनी ही रखी हैं, और हमारे क्रिकेट नेशन एक्सेस कोड का इस्तेमाल करके एक टिकट 30 डॉलर से कम में मिल रहा है। हमें खुशी है कि फैंस अपनी सीट पक्की करने के लिए जल्दी आ रहे हैं और जनरल पब्लिक सेल में अभी 11 दिन बाकी हैं। हमारा संदेश यही है कि मौका न चूकें। क्रिचली ने 'द फोर' और 'द सिक्स' ग्रुप टिकट पैकेज के साथ-साथ वेन्यू टिकट बंडल को भी हाईलाइट किया, जो उन सपोर्टर्स के लिए अतिरिक्त वैल्यू विकल्प है और जो कई मैच देखने का प्लान बना रहे हैं। जनरल पब्लिक सेल 7 सितंबर से शुरू होने वाली है। हालांकि, फैंस अभी भी क्रिकेट नेशन के लिए साइन अप करके एक्सक्लूसिव प्री-सेल का फायदा उठा सकते हैं, जो टिकटों पर 15 प्रतिशत का डिस्काउंट भी देता है।

मुचोवा-मेंसिक ने बेनसिक-कोबोली की जोड़ी को हराकर खिताब जीता

न्यूयॉर्क, एजेंसी। जैकब मेंसिक और कैरोलिना मुचोवा ने गुरुवार को आर्थर ऐश स्टेडियम में हुए फाइनल में फ्लेवियो कोबोली और बेलिंडा बेनसिक को हराकर यूएस ओपन 2026 का मिक्स्ड डबल्स का खिताब जीता। चेक जोड़ी ने एक टीम के तौर पर अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीता, उन्होंने इटैलियन-स्विस जोड़ी को एक घंटे, 13 मिनट के मुकाबले में 6-3, 1-6, (10-6) से हराया। मेंसिक और मुचोवा ने अच्छी शुरुआत की, अपनी सर्व बनाए रखते हुए 2-1 की बढ़त बनाई, फिर चौथे गेम में बेनसिक और कोबोली की सर्विस तोड़ी, जिसमें स्विस खिलाड़ी ने वाइड शॉट मारा। बेनसिक और कोबोली ने छठे गेम में लव पर पकड़ बनाए रखते हुए जोरदार वापसी की, लेकिन ब्रेक नहीं ले सके और चेक जोड़ी ने पहला सेट 6-3 से जीत लिया। दूसरे सेट में बेनसिक और कोबोली ने ब्रेक वापस ले लिया, जब बेनसिक ने फोरहैंड रिटर्न विनर मारा, और 3-1 की बढ़त बना ली। उनकी शानदार वापसी तब जारी रही जब कोबोली ने अपनी सर्व को मजबूत किया, इससे पहले कि मेंसिक की सर्विस टूट गई। बेनसिक ने दूसरे सेट के लिए सर्व किया और इसे 6-1 से जीत लिया। यह टाईब्रेक तक गया, लेकिन चेक जोड़ी ने अपने विरोधियों को दूर रखने के लिए काफी कुछ किया।

वे 9-5 से आगे थे, इससे पहले कि मेंसिक ने टाईब्रेक जीतने और यूएस ओपन का खिताब जीतने के लिए एक ऐस लगाया। दोनों इस गेम में सेमीफाइनल में मिरा एंड्रीवा और एंड्री रुबलेव पर टाईब्रेक जीत के बाद आए थे। मैच के बाद मुचोवा ने कहा, 'मुझे लगता है कि आखिर में, मैचिंग आउटफिट ने हमारे लिए फर्क पैदा किया। मुझे सच में उम्मीद नहीं थी कि मैं आज रात यहां खड़ी रहूंगी। हम बस मजे करने और इस मिक्स्ड डबल्स का आनंद लेने आए थे। अब हम यहां खड़े हैं। ' मेन्सिक ने इस बड़ी जीत पर कहा, 'मैं पहली बार यहां खड़ा हुआ हूं। टूर्नामेंट से पहले मुझे इसकी उम्मीद नहीं थी, लेकिन यह बहुत मजेदार है। यह जीत अद्भुत है। '

35 पर सारे प्लेयर ऑलआउट

7 खिलाड़ी जीरो पर निपटे...

क्रिकेट के मैदान में इस टीम का हो गया तमाशा

नईदिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट के मैदान पर कभी-कभी ऐसा प्रदर्शन देखने को मिलता है, जिस पर यकीन करना मुश्किल हो जाता है. वुमेंस कॉन्टिनेंटल कप 2026 में ऑस्ट्रिया की महिला टीम के साथ कुछ ऐसा ही हुआ. ग्वेर्नसे के खिलाफ एक दिन पहले 85 रन की शानदार जीत दर्ज करने वाली ऑस्ट्रिया की टीम अगले ही मुकाबले में तुर्की के सामने सिर्फ 35 रन पर ऑलआउट हो गई. टीम के सात बल्लेबाजों का खाता तक नहीं खुला. बारिश की वजह से मुकाबला 10-10 ओवर का कर दिया गया था, लेकिन मैच भी ज्यादा देर नहीं चला. तुर्की ने सिर्फ 82 गेंद में मुकाबला खत्म कर दिया और 27 गेंद बाकी रहते आठ विकेट से जीत दर्ज 3की. बुखारेस्ट के मोआरा व्लासी क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए इस मुकाबले में तुर्की की कप्तान कुब्रा कनावरची ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया.

20 रन की साझेदारी के बाद फिर शुरू हुआ विकेटों का सिलसिला

सलामी बल्लेबाज कोमाती रेड्डी और शीतल भारद्वाज ने पारी को संभालने की कोशिश की. दोनों ने चौथे विकेट के लिए 20 रन जोड़े. लेकिन तुर्की की कप्तान कनावरची ने रेड्डी को आउट कर यह साझेदारी तोड़ दी. रेड्डी ने 19 गेंदों पर आठ रन बनाए. इसके बाद तुर्की की गेंदबाजों ने ऑस्ट्रिया के बल्लेबाजी क्रम को पूरी तरह तहस-नहस कर दिया. कनावरची ने मल्लिका पाथिरानाहेलागे को आउट किया, जबकि उसी ओवर में प्रविथा गणेशन भी पवेलियन लौट गई. अगले ओवर में हाजर सेलिक ने तो कहर ही बरपा दिया.

कोई बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सका

ऑस्ट्रिया की पारी 8.1 ओवर में 35 रन पर सिमट गई. शीतल भारद्वाज रन आउट होने वाली आखिरी बल्लेबाज रहीं. ऑस्ट्रिया की ओर से कोई भी बल्लेबाज 10 रन तक नहीं पहुंच सका. रेड्डी के आठ रन टीम की पारी का सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर रहा. यह टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में ऑस्ट्रिया का अब तक का सबसे कम स्कोर भी बन गया. यानी एक दिन पहले ग्वेर्नसे के खिलाफ 85 रन से जीत दर्ज करने वाली टीम अगले ही मुकाबले में 35 रन पर ढेर हो गई.

तुर्की ने 5.3 ओवर में खत्म कर दिया मैच

तुर्की को जीत के लिए सिर्फ 36 रन का लक्ष्य मिला था. लक्ष्य छोटा था, लेकिन टीम को भी शुरुआत में झटका लगा. कप्तान कनावरची सिर्फ चार गेंद खेलकर बिना खाता खोले मल्लिका की गेंद पर आउट हो गई. इसके बाद मल्लिका ने अपनी अगली ओवर में दूसरे सलामी बल्लेबाज सुजान तुरान को भी पवेलियन भेज दिया. हालांकि इसके बाद जेहरा एंडर और मेलिके बायराम ने कोई और मौका नहीं दिया. दोनों ने मिलकर तुर्की को 5.3 ओवर में लक्ष्य तक पहुंचा दिया. एंडर ने 12 गेंदों पर 13 रन बनाए, जबकि बायराम ने 11 रन की पारी खेली. बायराम ने अपनी पारी में मुकाबले का इकलौता छक्का भी लगाया.तुर्की ने आठ विकेट से मुकाबला अपने नाम किया और उसके पास 27 गेंदें बाकी थीं.

ऑस्ट्रिया की कप्तान प्रिया साबू पारी के पहले ही ओवर में एजगी नूर किलिक की गेंद पर बोल्ड हो गई. वह सिर्फ दो गेंद खेलकर बिना खाता खोले पवेलियन लौट गई. दूसरे ओवर में आशी चोपला रन आउट हो गई. वह भी दो गेंद खेलकर डक पर आउट हुई. इसके बाद तीसरे ओवर में विकेटकीपर बल्लेबाज हादिया सिद्दीकी को हाजर सेलिक ने बोल्ड कर दिया.

कोलंबो टेस्ट

सोनल दिनुशा ने रचा इतिहास, भारत के खिलाफ ये रिकॉर्ड बनाने वाले पहले श्रीलंकाई बने

कोलंबो,एजेंसी। शानदार फॉर्म में चल रहे श्रीलंका के सोनल दिनुशा ने भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट के दौरान दूसरी इनिंग में अर्धशतक लगाते हुए बड़ा रिकॉर्ड बना दिया है। सोनल दो मैचों की टेस्ट सीरीज के दौरान सभी चार पारियों में 50 से ज्यादा रन बनाने वाले श्रीलंकाई खिलाड़ी बन गए हैं। इतना ही नहीं इससे भी बड़ी बात यह है कि वह भारत के खिलाफ ऐसा करने वाले पहले श्रीलंकाई हैं। इससे पहले श्रीलंका के कुमार संगकारा और दिमुथ करुणारत्ने ने यह उपलब्धि हासिल की है। लेकिन भारत के खिलाफ यह पहला मौका है। संगकारा ने दो बार दो मैचों की टेस्ट सीरीज में यह रिकॉर्ड बनाया है। संगकारा ने बांग्लादेश के खिलाफ 2013 और फिर इंग्लैंड के खिलाफ उसी के घर में 2014 में दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 4 बार 50 प्लस स्कोर बनाया था। करुणारत्ने ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2018 में यह उपलब्धि हासिल की थी। अब इस लिस्ट में सोनल का नाम शामिल हो गया है जिन्होंने भारत के खिलाफ ऐसा किया।

श्रीलंका ने हारते मैच में पलटी बाजी, कोलंबो टेस्ट में भारत ड्रॉ के लिए मजबूर

भारत और श्रीलंका के बीच कोलंबो में खेले गए सीरीज का दूसरा मुकाबला ड्रॉ पर खत्म हुआ है। सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब मैदान पर खेले गए इस मैच में टीम इंडिया दूसरी पारी में श्रीलंका को ऑलआउट नहीं कर पाई और यह मैच ड्रॉ पर छूटा। इसी के साथ भारतीय टीम ने सीरीज को 1-0 से जीत लिया।

सीपीएल 2026

टिम सिफर्ट का विस्फोटक शतक, सेंट लूसिया ने त्रिनबागो नाइट राइडर्स को 36 रन से हराया

त्रिनिदाद,एजेंसी। कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 के 17वें मैच में सेंट लूसिया किंग्स ने त्रिनबागो नाइट राइडर्स को 36 रन से हरा दिया। सेंट लूसिया की जीत में पारी की शुरुआत करने आए विस्फोटक बल्लेबाज टिम सिफर्ट के विस्फोटक शतक की अहम भूमिका रही। ब्रायन लारा स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में त्रिनबागो नाइट राइडर्स को जीत के लिए 212 रन का विशाल लक्ष्य मिला था, लेकिन बड़े लक्ष्य के सामने टीम लड़खड़ा गई और 20 ओवर में 6 विकेट पर 175 रन बना सकी। त्रिनबागो के लिए छठे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए दिग्गज ऑलराउंडर किरोन पोलार्ड ने विस्फोटक तूफानी अर्धशतक लगाया, लेकिन उसका फायदा टीम को नहीं हुआ। पोलार्ड ने 26 गेंदों पर 5 छक्के और 6 चौकों की मदद से 65 रन की पारी खेली। इसके अलावा पारी की शुरुआत करने आए कोलिन मुनरो ने 35 गेंदों पर 2 छक्के और 6 चौकों की मदद से 48 रन बनाए। सुनील नरेन ने भी 14 गेंदों पर 25 रन बनाए। कप्तान निकोलस पूरन (0), मैथ्यू ब्रिट्जके (0) और मैथ्यू ट्रॉम्प की 26 गेंदों पर खेली गई 15 रनों की पारी त्रिनबागो की हार का मुख्य कारण रही। सेंट लूसिया किंग्स के लिए कप्तान रोस्टन चेज ने सर्वाधिक 3 विकेट लिए।

2026 के बाद क्रिकेट को कहेंगे अलविदा

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान लेंगे संन्यास

नई दिल्ली,एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान डीन एल्गर ने 2026 सीजन के अंत में सभी तरह के पेशेवर क्रिकेट से संन्यास लेने का एलान किया है। 39 वर्षीय एल्गर ने परिवार को अधिक समय देने को अपने फैसले की मुख्य वजह बताया और दो दशक से ज्यादा लंबे करियर को अलविदा कहने का फैसला किया। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान और अनुभवी सलामी बल्लेबाज डीन एल्गर ने क्रिकेट से संन्यास लेने का एलान कर दिया है। 39 वर्षीय एल्गर 2026 सीजन के अंत में पेशेवर क्रिकेट के सभी प्रारूपों को अलविदा कहेंगे। इसके साथ ही दो दशक से अधिक लंबे उनके शानदार क्रिकेट करियर का अंत हो जाएगा।

अब परिवार के लिए मौजूद रहना चाहता हूं'

अपने संन्यास के फैसले पर एल्गर ने कहा, 'मुझे लगता है कि अब मेरे लिए सही समय है। मैं अब 39 साल का हूं और घर पर बहुत कुछ चल रहा है। मेरे बच्चे तेजी से बड़े हो रहे हैं। मैं अब अपने परिवार के लिए मौजूद रहना चाहता हूं।' उन्होंने कहा कि दक्षिण अफ्रीका के लिए 12 साल खेलना और फिर टीम की कप्तानी करना उनके करियर के सबसे गौरवपूर्ण पलों में रहा। एल्गर ने कहा, 'अगर मैं अपने सफर को पीछे मुड़कर देखता हूं तो शायद बहुत कम लोगों ने सोचा होगा कि मेरा क्रिकेट करियर इतना लंबा चलेगा। दो दशक से ज्यादा का करियर होना मेरे लिए बेहद खास है।'

86 टेस्ट में बनाए 5347 रन

डीन एल्गर ने दक्षिण अफ्रीका के लिए 86 टेस्ट मैच खेले और 37.92 की औसत से 5347 रन बनाए। उनके नाम टेस्ट क्रिकेट में 14 शतक हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 199 रन रहा, जो उन्होंने 2017 में बांग्लादेश के खिलाफ बनाया था। एल्गर ने दक्षिण अफ्रीका की कप्तानी भी 18 टेस्ट मैचों में की। उन्होंने जनवरी 2024 में भारत के खिलाफ केपटाउन टेस्ट में आखिरी बार प्रोटियाज टीम की कप्तानी की थी। उस मुकाबले में नियमित कप्तान तेम्बा बावुमा चोटिल होने के कारण टीम का हिस्सा नहीं थे।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज के लिए भारत की अंडर-19 टीम में सहवाग और द्रविड़ के बेटों का चयन

नई दिल्ली,एजेंसी। पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर सहवाग और पूर्व कप्तान और मुख्य कोच राहुल द्रविड़ के बेटे अन्वय द्रविड़ को ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 के खिलाफ आगामी तीन मैचों की एक दिवसीय श्रृंखला के लिए भारत की अंडर-19 टीम में शामिल किया गया है। जूनियर पुरुष चयन समिति ने घरेलू दौरे के लिए टीमों की घोषणा कर दी है, जिसका कार्यकाल जल्द ही समाप्त होने वाला है। जिसमें राजकोट में 18, 21 और 23 सितंबर को खेले जाने वाले तीन 50 ओवर के मैच शामिल हैं। इसके बाद राजकोट में 27 से 30 सितंबर तक और अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम 'बी' ग्राउंड में 5 से 8 अक्टूबर तक खेले जाने वाले दो लाल गेंद के बहुदिवसीय मैच होंगे। 50 ओवर के मैच में उत्तराखंड के बल्लेबाज लक्ष्य रायचंदानी कप्तानी करेंगे, जबकि मध्य प्रदेश के बल्लेबाज यशबर्धन चौहान उनके उप-कप्तान होंगे। चौहान लाल गेंद वाले मैचों में कप्तानी संभालेंगे और रायचंदानी उनके उप-कप्तान होंगे। लेग स्पिन ऑलराउंडर आर्यवीर और विकेटकीपर बल्लेबाज अन्वय को 15 सदस्यीय वनडे टीम में जगह मिली है, लेकिन दोनों ही वनडे मैचों के लिए चुनी गई टीम में शामिल नहीं हैं। आर्यवीर फिलहाल 2026 दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) में वेस्ट दिल्ली लायंस के लिए खेल रहे हैं और अब तक सिर्फ दो मैच ही खेल चुके हैं। वहीं, अन्वय ने जुलाई में श्रीलंका दौरे पर भारत की अंडर-19 टीम के लिए दो 50 ओवर के मैचों में 101 रन बनाए। उस दौरे पर भारत की अंडर-19 टीम 50 ओवर की सीरीज 2-1 से हार गई, लेकिन रेड बॉल सीरीज 1-0 से जीत ली। आर्यवीर के अलावा, मनल चौहान और चिगुरुपति वेंकट को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 50 ओवर के मैचों में शामिल किया गया है, जबकि सागर विर्क, अनमोलजीत सिंह और ईशान सूद को टीम से बाहर रखा गया है। मल्टी-डे गेम्स टीम में विकेटकीपर बल्लेबाज अभिप्रय बिस्वास (विकेटकीपर), इशान ओम, अयान अकरम, मोहित उलवा और आर्यन यादव को शामिल किया गया है, उनकी जगह विकेटकीपर बल्लेबाज आर्यन संदेश सकपाल, हेमचुदेशन जे, बीके किशोर, काव्या परेश पटेल और चिगुरुपति वेंकट को शामिल किया गया है। एकदिवसीय मैचों के लिए भारत की यू19 टीम में लक्ष्य रायचंदानी (कप्तान), यशबर्धन चौहान (उपकप्तान), रजत बघेल (विकेटकीपर), आर्यवीर सहवाग, वीके विनीत, कुशाग्र ओझा, अर्जुन राजपूत, मनल चौहान, अन्वय द्रविड़ (विकेटकीपर), वी. यशवीर, रोहित यादव, शाविन विनोद, मोहित उलवा, चिगुरुपति वेंकट और काव्या पटेल है। बहु-दिवसीय मुकाबलों के लिए भारत की अंडर-19 टीम में यशबर्धन चौहान (कप्तान), लक्ष्य रायचंदानी (उप-कप्तान), सागर विर्क, कुशाग्र ओझा, मनाल चौहान, कुश पटेल, मानव कृष्णा (विकेटकीपर), अभिप्राय विश्वास (विकेटकीपर), रोहित यादव, इशान ओम, अयान अकरम, प्रणव राघवेंद्र, प्रियांशु सिंह, मोहित उलवा और आर्यन यादव है।

मुझे जिंदगी में किसी चीज का पछतावा नहीं

देश के जाने-माने फिल्मी परिवार में जन्मीं अक्षरा हासन ने अपने पापा कमल हासन, मम्मी सारिका और बड़ी बहन श्रुति हासन के नक्शेकदम पर चलते हुए एक्टिंग को करियर चुना। हालांकि, उनका कहना है कि उन्हें सिर्फ एक्टिंग नहीं, कला के कई फॉर्म जैसे डांस, लेखन, निर्देशन आदि से प्यार है। उनके लिए यह सिर्फ एक्टिंग तक सीमित नहीं है। बीते दिनों अपनी फिल्म 'सिम्यूलाक्रा' को लेकर चर्चा में रहीं अक्षरा ने जब हमने पूछा कि क्या परिवार में पापा, मम्मी, दीदी सभी के एक्टिंग में होने के चलते उनका भी रुझान फिल्मों की ओर हुआ? इस पर उन्होंने कहा, 'बेशक मेरे कला की ओर झुकाव का श्रेय मेरे पैरेंट्स को जाता है, क्योंकि उन्होंने मुझे अलग-अलग आर्ट फॉर्म को एक्सप्लोर करने की आजादी दी, लेकिन जहां तक एक्टिंग की बात है, वह कोई एक चीज नहीं है, जिससे मुझे प्यार हुआ।'

एक्टिंग ही नहीं, कई आर्ट फॉर्म से प्यार

मुझे कई आर्ट फॉर्म से प्यार है। जैसे, सबसे पहला तो डांस है। फिर राइटिंग, उसके बाद एक्टिंग से प्यार हुआ। अभी डायरेक्शन है तो मुझे सिर्फ एक्टिंग नहीं, कला को कई रूपों से प्यार है। ऐसा नहीं है कि मम्मी-पापा एक्टर थे, तो मैं भी एक्टर बन गई। अभी तो मेरा ज्यादा फोकस डायरेक्शन की ओर है। मैं कुछ डायरेक्ट जरूर करूंगी।'

मौके मिले, पर मुश्किलें भी खूब रहीं

अक्षरा ने साल 2015 में अमिताभ बच्चन और धनुष जैसे सितारों के साथ फिल्म 'शमिताभ' से जोरशोर से अपना एक्टिंग डेब्यू किया था, लेकिन आज 11 साल बाद भी उनका करियर वो परवाज नहीं पा सका। उनके खाते में गिनती की यादगार फिल्में हैं? इसकी वजह पूछने पर वह कहती हैं, 'मुझे मौके मिले लेकिन उसमें मुश्किलें भी खूब रहीं। जो भी फिल्में मुझे मिलीं, उसमें कोई न कोई चीज वर्क नहीं की, इसलिए उसका प्रभाव भी नहीं हुआ। मेरे साथ ज्यादातर यही हुआ। इसीलिए, मैंने खुद को एक्टिंग तक सीमित नहीं रखा, लेखन-निर्देशन जैसी दूसरी विधाओं की ओर मुड़ गई।'

किसी फैसले का पछतावा नहीं

अक्षरा को उनकी पहली फिल्म जाने-माने निर्देशक मणिरत्नम ने ऑफर की थी, जिसे उन्होंने मना कर दिया था। क्या कभी अक्षरा को अपने इस फैसले पर पछतावा होता है? इस पर उनका कहना है, 'मुझे कोई पछतावा नहीं है, क्योंकि हर चीज का एक वक्त होता है। मणिरत्नम सर की फिल्म का जब ऑफर आया था, उस वक्त मेरा फोकस डांस में था और जब मैंने उन्हें अपने दिल की बात बताई तो उन्होंने उसका सम्मान किया और कभी भी मुझे अपराध बोध महसूस नहीं कराया। इसलिए, मुझे उसका कोई अफसोस नहीं है, क्योंकि शायद तब उसका सही समय नहीं था।'

यीन-ऐंग जैसा है दीदी संग रिश्ता

अक्षरा ने हमें अपने पैरंट्स कमल हासन-सारिका और दीदी श्रुति हासन संग बॉन्डिंग के बारे में भी कई बातें बताईं। उन्होंने बताया, 'पापा ने हमेशा यही सिखाया है कि विनम्रता, ईमानदारी और कड़ी मेहनत कामयाबी के तीन मूल मंत्र हैं। इसके अलावा, इंडस्ट्री में किसी चीज को लेकर बहुत जिद्दी नहीं होना चाहिए, हर चुनौती के लिए तैयार रहना चाहिए और अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहिए। ये गुण हमेशा काम करते हैं। यही खूबियां मैंने 'शमिताभ' में काम करते हुए बिग बी में भी देखी थीं।' वहीं, दीदी श्रुति हासन संग रिश्ते पर वह बताती हैं, 'हम बहनें हैं, हम एक दूसरे को लेकर बेहद प्रोटेक्टिव हैं। हम दोस्त भी हैं। हम यीन एंड ऐंग हैं, मतलब हमारा नेचर एक-दूसरे से बिल्कुल अलग है, लेकिन हम एक-दूसरे के बिना रह भी नहीं सकते। यही चीज हमारे बॉन्ड और मजबूत बनाती है।'

कोई याद मिटाना नहीं चाहूंगी

अक्षरा की फिल्म 'सिम्यूलाक्रा' यादों को सहेजने और मिटाने जैसे यूनिक विषय पर है। ऐसे में, 'असल जिंदगी में वह कौन सी यादें मिटाना चाहेंगी? और किसे रखना चाहेंगी? यह पूछने पर वह कहती हैं, 'मैं अपनी सारी यादें और अनुभव अपने पास रखूंगी, क्योंकि उसी ने मुझे वह इंसान बनाया है जो मैं आज हूं तो मैं कोई याद मिटाना नहीं चाहूंगी। हर चीज रखना चाहूंगी। कुछ भी डिलीट नहीं करना चाहूंगी क्योंकि मुझे किसी चीज का पछतावा नहीं है।'

सुरभि चंदना ने तेजस्वी प्रकाश के साथ अपने रिश्ते को लेकर खुलकर बात की

टीवी की दुनिया में सुरभि चंदना और तेजस्वी प्रकाश दोनों ही जाना-पहचाना नाम हैं। दोनों अभिनेत्रियों के बीच कुछ समय पहले एक विवाद की खबरों ने खूब ध्यान खींचा था। अब सुरभि ने पहली बार इस पुराने मतभेद और तेजस्वी के साथ अपने रिश्ते को लेकर कुछ खुलकर बातें की। अभिनेत्री ने बताया कि हमारी दोस्ती काफी पुरानी है। इंडस्ट्री में रिश्तों में उतार-चढ़ाव आना स्वाभाविक है, लेकिन जरूरी यह है कि लोग बात करके चीजों को सुलझाएं और आगे बढ़ें। इंडस्ट्री में कलाकारों के एक-दूसरे को सपोर्ट करने की जरूरत पर बात करते हुए सुरभि ने कहा, इंडस्ट्री के लोग अक्सर अच्छे माहौल, स्वस्थ कामकाज और वर्क एथिक्स की बात करते हैं। इन बातों को सिर्फ कहने तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि कलाकारों को वास्तव में एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करना चाहिए और एक-दूसरे की उपलब्धियों की सराहना भी करनी चाहिए। सुरभि ने कहा, काम के दौरान रिश्तों में कभी-कभी उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। कलाकारों के बीच किसी बात को लेकर गलतफहमी या मतभेद होना कोई बड़ी बात नहीं है, लेकिन उसे लंबे समय तक बनाए रखना सही नहीं है। सुरभि ने कहा, तेजस्वी के साथ मेरा रिश्ता अब भी बना हुआ है।

अल्का आहूजा के व्यक्तित्व ने मुझे काफी प्रभावित किया

अभिनेत्री अमृता बागची ने हालिया रिलीज सीरीज 'ऑपरेशन सफेद सागर' में स्क्वाड्रन लीडर अजय आहूजा की पत्नी अलका आहूजा के किरदार में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि अलका आहूजा के किरदार ने उन्हें काफी प्रभावित किया था, जिस वजह से वह सीरीज का हिस्सा बनीं। अभिनेत्री ने आईएएनएस से बातचीत में बताया कि अलका आहूजा के व्यक्तित्व ने उन्हें काफी प्रभावित किया, जिसे वह अपने जीवन में लाना चाहती हैं। अभिनेत्री ने बताया, 'अलका आहूजा में एक बहादुर महिला के गुण तो हैं ही लेकिन जिस बात ने मुझे सबसे ज्यादा प्रभावित किया, वह थी उनकी सकारात्मकता और सहजता। इतनी मुश्किल घड़ियों से गुजरने के बाद भी उनके मन में न तो कड़वाहट है और न ही कभी उनका भरोसा टूटा। उन्होंने बहुत सहजता से अपनी जिंदगी जी है।' सीरीज में दिखाया गया है कि अलका आहूजा अपने पति स्क्वाड्रन लीडर अजय आहूजा का रिश्ता दोस्ती और बराबरी का था। अपने किरदार की तैयारी और पति स्क्वाड्रन लीडर अजय आहूजा के साथ तालमेल बनाने के बारे में बताया। उन्होंने कहा, 'अलका आहूजा और स्क्वाड्रन लीडर अजय आहूजा के रिश्ते को दो तरह के होते हैं। एक तो इस तरह से कि अलका जी और अजय जी के बीच कैसा तालमेल था और वे रोज़मर्रा की ज़िंदगी में एक-दूसरे के साथ कैसे काम करते थे। दूसरी बात, मैंने डायरेक्टर ओनी सेन, क्रिएटर अभिजीत परमार और कुशल श्रीवास्तव से बात की। कुशल कारगिल के समय इंडियन एयरफोर्स में थे। जब मैंने उनसे बात की, तो उन्होंने बताया कि कैसे ओनी, एक डायरेक्टर के तौर पर, परफॉर्मेंस के वॉल्यूम और टोनैलिटी को बहुत अच्छे से गाइड करते हैं।' अभिनेत्री ने बताया कि उन्होंने अलका आहूजा के साथ भी मुलाकात की थी, जिसमें उन्हें किरदार के बुनियाद के बारे में समझने को मिला। उन्होंने कहा, 'अलका जी से मिलने के बाद, मुझे बुनियादी समझ मिली कि दोनों किरदारों के बीच एक बराबरी का मजबूत आधार होना चाहिए। उसके बाद सिद्धार्थ के साथ टेबल रीडिंग और सीन बनाने की प्रक्रिया शुरू हुई।' अभिनेत्री अलका आहूजा ने अभिनेता सिद्धार्थ के स्वभाव की जमकर सराहना की। उन्होंने बताया कि सिद्धार्थ स्वभाव से ही बराबरी में विश्वास रखने वाले इंसान हैं। साथ ही, बहुत ही मिलनसार और उदार को-एक्टर हैं। उन्होंने कहा, 'जब हमने एक-दूसरे से बात की, तो हमें एहसास हुआ कि हमारी सोच मिलती है। साथ मिलकर काम करने का तरीका बहुत अच्छा रहा और इसीलिए यह कैमरे पर इतनी सहजता से दिखाई दिया।

अंधेरी से कोलाबा का सफर नहीं करना चाहतीं अपूर्वा

हमेशा अपने बयानों और सोशल मीडिया एक्टिविटी से सुर्खियों में रहने वाली मशहूर सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर अपूर्वा मखीजा (रेबिल किड) ने पुष्टि कि है की वे न्यूयॉर्क शिफ्ट हो गई हैं। अपूर्वा का मानना है कि न्यूयॉर्क में जाने के बाद उन्हें अलग एहसास हुआ और फिर उन्होंने इसी शहर में बसने का फैसला लिया। अपूर्वा ने इस बात की जानकारी अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दी है। दरअसल, अपूर्वा हाल ही में एक पॉडकास्ट में गई थीं, जिसका लिंक उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर शेयर करते हुए लिखा, 'अब मैं इंडिया में नहीं रहती।' पॉडकास्ट में अपूर्वा ने बताया कि वे भारत में रहकर अपनी जिंदगी बनाने के बारे में नहीं सोच रही हैं। अपूर्वा ने ये भी कहा कि वे पूरी जिंदगी कंटेंट क्रिएटर नहीं बनना चाहतीं। उन्हें लगता है कि ये काम हमेशा नहीं किया जा सकता और वे अब बिजनेस में जाना चाहती हैं। अपूर्वा ने अपनी कॉलेज लाइफ के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि उनका कॉलेज वाला समय सही से नहीं बीता। पहले 2 साल लॉकडाउन में निकल गए और बाकी के 2 साल वे रिलेशनशिप में थीं। अपूर्वा ने कहा कि कॉलेज में वे बस अपने तब के बॉयफ्रेंड का हाथ पकड़कर घूमती थीं। भारत में रहने को लेकर अपूर्वा का कहना है कि वे अभी तक इस देश के सबसे अच्छे शहर में रह रही थीं, लेकिन वे आगे कि जिंदगी अंधेरी से कोलाबा आना-जाना करते हुए नहीं बिताना चाहतीं। पॉडकास्ट में उन्होंने न्यूयॉर्क शिफ्ट होने का फैसला भी बताया। उन्होंने कहा कि भले ही उन्होंने बहुत जगह घूमी है, लेकिन न्यूयॉर्क में आकर उन्हें वहां रहने का मन हुआ।

अपूर्वा ने कहा, 'मैंने काफी ट्रैवल किया है और जब मैं न्यूयॉर्क पहुंची तो मुझे लगा, 'मैं सच में यहां रहना चाहती हूं, इस शहर में कुछ अलग बात है। यहां सब बहुत तेज है, लोग बहुत अच्छे कपड़े पहनते हैं और खाना भी बढ़िया है। मुझे यहां की बिल्डिंग्स बहुत पसंद हैं और मैंने न्यूयॉर्क को अपनी पसंदीदा वेब सीरीज में लगभग हर जगह देखा है।' अपूर्वा ने ये भी बताया कि वो न्यूयॉर्क में पढ़ाई करने को लेकर इतनी पक्की थीं कि उन्होंने शहर में सिर्फ एक ही कॉलेज में अप्लाई किया। उन्होंने कहा, 'मैंने सोचा था 'अगर एडमिशन मिल गया तो मिल गया और मैं चली जाऊंगी।'' हालांकि अपूर्वा ने पहले भी कई पॉडकास्ट में न्यूयॉर्क शहर में जाने और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में ज्यादा समय तक न टिकने की बात की है। अपूर्वा का कहना है कि वे आगे की पढ़ाई के लिए विदेश जाएंगी और अभी वे फैशन या मैनेजमेंट में मास्टर्स की तैयारी कर रही हैं।

सुपरनैचुरल थ्रिलर फिल्म के लिए साथ आ रहे हैं कियारा और सैफ अली खान

कियारा और सैफ अली खान दोनों एक्टर्स इन दिनों अपनी आने वाली फिल्मों को लेकर व्यस्त हैं। अब खबरें सामने आ रही हैं कि दोनों एक इंटेंस थ्रिलर फिल्म में स्क्रीन शेयर कर सकते हैं।

खास बात यह है कि इस फिल्म से राइटर-प्रोड्यूसर कनिका ढिल्लों बतौर डायरेक्टर अपना डेब्यू करने जा रही हैं। पिंकविला की रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस अनटाइटल्ड फिल्म को एक्सेल एंटरटेनमेंट्स प्रोड्यूस कर सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म अभी डेवलपमेंट स्टेज में है। इसकी स्क्रिप्ट को खास तौर पर सैफ अली खान और कियारा आडवाणी को ध्यान में रखकर लिखा जा रहा है। मेकर्स इस फिल्म की शूटिंग इसी साल के आखिर तक शुरू करने की तैयारी में हैं। प्रोजेक्ट से जुड़े एक सूत्र ने पोर्टल को बताया, 'सैफ और कियारा कनिका की अगली फिल्म के लिए साथ आ रहे हैं। यह सुपरनैचुरल एलिमेंट वाली एक इंटेंस थ्रिलर है और इसकी स्क्रिप्ट दोनों एक्टर्स को ध्यान में रखकर तैयार की जा रही है। कनिका, एक्सेल एंटरटेनमेंट्स और राइटिंग टीम काफी समय से इस कहानी पर काम कर रही है और अब मेकर्स इसे आगे बढ़ाना चाहते हैं।' फिलहाल फिल्म को लेकर ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। स्क्रिप्ट पूरी तरह तैयार होने के बाद मेकर्स फिल्म से जुड़ी और जानकारी शेयर कर सकते हैं।

कियारा आडवाणी की बात करें तो वह जल्द ही फिल्म 'टॉक्सिक' में नजर आने वाली हैं। फिल्म में यश डबल रोल में दिखाई देंगे। फिल्म में नयनतारा, हुमा कुरेशी, तारा सुतारिया और रुक्मिणी वसंत भी अहम भूमिकाओं में हैं। 'टॉक्सिक' दुनियाभर में 26 अगस्त 2026 को रिलीज होने वाली है। वहीं सैफ अली खान अगली बार फिल्म 'हैवान' में नजर आएंगे। यह एक क्राइम थ्रिलर फिल्म है, जिसे प्रियदर्शन ने लिखा और डायरेक्ट किया है। 'हैवान' में सैफ अली खान के साथ अक्षय कुमार, बोमन ईरानी, श्रिया पिलगांवकर और सैयामी खेर भी नजर आएंगे। फिल्म 11 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान में बड़ा हादसा- इस्लामाबाद के शीर्ष अस्पताल पीआईएमएस में लगी आग, 15 नवजातों की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में बुधवार को एक सरकारी अस्पताल के स्त्री रोग वार्ड में आग लगी। इसके कारण 15 नवजात शिशुओं की मौत हो गई। यह जानकारी डॉनकी रिपोर्ट के अनुसार है। यह घटना राजधानी के सबसे बड़े और अच्छी सुविधाओं वाले सरकारी अस्पताल, पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में हुई। जियो न्यूज ने बताया कि आग लगने की घटना में 15 बच्चों की मौत हो गई। हालांकि, हताहतों की संख्या के बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पीआईएमएस की प्रवक्ता डॉ. अनीजा जलील ने डॉनअखबार को बताया कि जिस वार्ड में आग लगी, वहां 15 बच्चे थे। उन्होंने कहा, हो सकता है कि रात में कुछ बच्चों को छुट्टी दे दी गई हो, इसलिए अभी हताहतों की सही संख्या नहीं बताई जा सकती। घटना के कारण के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी मालूम होती है। उन्होंने बताया कि आग सुबह करीब 7 बजे लगी थी। उन्होंने कहा कि आग बुझा दी गई है, लेकिन कूलिंग प्रोसेस में कुछ समय लगेगा। वहीं, रेस्क्यू अधिकारियों के अनुसार, अस्पताल की नर्सरी के अंदर एयर कंडीशनर का कंप्रेसर फटने के बाद की वजह से आग लगी। इसके बाद आग तेजी से फैल गई और वार्ड में धुआं भर गया। घटना की वजह और जांच के लिए जिला प्रशासन ने अतिरिक्त उपायुक्त की अध्यक्षता में एक जांच समिति गठित की है। प्रशासन के अनुसार, समिति आग लगने के असली कारण का पता लगाएगी और यह भी जांच करेगी कि घटना किन परिस्थितियों में हुई। इसके साथ ही कई अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था में कहीं कोई चूक तो नहीं हुई।

यूक्रेन के स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रपति ने दी बधाई- जेलेंस्की हुए खुश, भारत का आभार जताते हुए क्या बोले

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के 35वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने यूक्रेन लोगों को बधाई संदेश भेजा। इस संदेश के जवाब में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर राष्ट्रपति मुर्मू और भारत का आभार व्यक्त किया। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा, 'भारत की राष्ट्रपति से यूक्रेन के लोगों के लिए बधाई संदेश मिला। मुझे बहुत खुशी हुई। शांति की शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद। रूस के युद्ध का सम्मानजनक अंत लाखों यूक्रेनवासियों का सबसे प्रिय सपना है, क्योंकि हम अपनी स्वतंत्रता की बहाली की 35वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। यह अहम है कि पूरा विश्व मिलकर इस दिशा में रास्ता बनाने में मदद करे। मैं भारत के साथ पारस्परिक रूप से लाभकारी संवाद को आगे बढ़ाने के लिए यूक्रेन की प्रतिबद्धता की भी पुष्टि करता हूं। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध में शनिवार को फिर बड़े हमले हुए। यूक्रेन में रूसी ड्रोन और मिसाइल हमलों में कम से कम सात लोगों की मौत हुई, जबकि रूस के क्रास्नोडार क्षेत्र में यूक्रेनी ड्रोन हमले में तीन लोगों की जान चली गई। ये हमले एक दिन बाद हुए हैं, जब रूस के ड्रोन हमले में यूक्रेन के एक शॉपिंग सेंटर में कम से कम 16 लोगों की मौत हुई थी।

होर्मुज पर ईरान-ओमान की बातचीत: दोनों देशों के विदेश मंत्रियों की मुलाकात; क्या जहाजों की आवाजाही पर बनी सहमति

दुबई, एजेंसी। ओमान के विदेश मंत्री बद्र अल-बुसैदी ने मंगलवार को अपने ईरानी समकक्ष अब्बास अराघची से मुलाकात की। यह मुलाकात तेहरान में हुई। दोनों नेताओं ने होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही को संभालने की व्यवस्था पर बात की। इसके लिए एक ढांचा तैयार करने पर चर्चा हुई। ईरान और ओमान इस संकरे जलडमरूमध्य के दो अलग-अलग किनारों पर स्थित हैं। दोनों देशों ने एक साझा बयान जारी किया। बयान में प्रस्तावित व्यवस्था की जानकारी दी गई। इसमें संयुक्त अस्थायी नौवहन गलियाराबनाने की बात है। इसके साथ ही दोनों देश जलमार्ग से बारूदी सुरंगें हटाने के लिए मिलकर काम करेंगे। बयान में कहा गया कि ईरान और ओमान स्थायी जहाज मार्ग बनाने के लिए तकनीकी वार्ता जारी रखेंगे। जलडमरूमध्य का भविष्य में प्रशासन कैसे होगा, इस पर भी दोनों देश एक समझौता करने की दिशा में आगे बढ़ेंगे। अमेरिका और इस्राइल ने 28 फरवरी को ईरान पर हमला किया था। इससे पहले दुनिया में व्यापार होने वाले कुल तेल का करीब पांचवां हिस्सा इसी जलडमरूमध्य से होकर गुजरता था। यह अभी साफ नहीं है कि अमेरिका इस उभरते हुए समझौते को स्वीकार करेगा या नहीं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले सप्ताह ओमान को धमकी दी थी।

युद्ध बढ़ेगा तो भूख भी: भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को चेताया- संघर्ष रोकें, वरना बढ़ेगा खाद्य संकट

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से संघर्षों के कारण पैदा होने वाले मानवीय संकट को कम करने को अपनी पहली प्राथमिकता बनाने की अपील की है। भारत ने चेताया कि ऊर्जा, उर्वरक, समुद्री परिवहन और कृषि व्यापार में रुकावटें वैश्विक खाद्य सुरक्षा को प्रभावित कर रही हैं, जिसका सबसे ज्यादा असर आयात पर निर्भर विकासशील देशों पर पड़ रहा है। वहीं, संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने यूक्रेन, होर्मुज जलडमरूमध्य और लाल सागर से जुड़ी परिस्थितियों को खाद्य आपूर्ति के लिए गंभीर खतरा बताते हुए सुरक्षित समुद्री कॉरिडोर और जहाजों के सत्यापन की व्यवस्था का प्रस्ताव रखा है।

संघर्षों का असर अब युद्धक्षेत्र तक सीमित नहीं : भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने मंगलवार को कहा कि आजकल के संघर्षों का असर केवल लड़ाई वाली जगहों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि दूर-दूर तक फैलता है। ऊर्जा बाजार, उर्वरक की आपूर्ति, समुद्री परिवहन, मानवीय सहायता पहुंचाने की व्यवस्था और कृषि व्यापार में रुकावटों ने दिखाया है कि क्षेत्रीय संघर्ष किस तरह दुनिया भर में खाद्य सुरक्षा के लिए खतरा बन सकते हैं।

विकासशील देशों पर सबसे ज्यादा पड़ रहा असर : सुरक्षा परिषद में फूड अंडर फायर- ग्लोबल और लोकल फूड संकट को कम करने में सुरक्षा परिषद की भूमिका विषय पर हुई खुली बहस में पी. हरीश ने कहा कि जो विकासशील देश खाद्य आयात पर बहुत अधिक निर्भर हैं, उन्हें इन रुकावटों का सबसे ज्यादा खामियाजा भुगतना पड़ता है। परिषद की पहली प्राथमिकता संघर्ष से होने वाले मानवीय संकट को कम करना होना चाहिए। इसके लिए सुरक्षित, तेज और बिना किसी रुकावट के मानवीय सहायता पहुंचाने की सुविधा देनी होगी और संघर्ष-रोधी इंतजामों में मदद करनी होगी।

प्रतिबंधों से मानवीय सहायता बाधित न हो : पी. हरीश ने कहा कि सुरक्षा परिषद को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि उसके उठाए गए कदम, जैसे प्रतिबंध, अनजाने में मानवीय सहायता या वैध खाद्य और कृषि व्यापार में रुकावट न डालें। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि मजबूत और खाद्य-सुरक्षित समाज का निर्माण मुख्य रूप से राष्ट्रीय सरकारों की जिम्मेदारी है। इसमें संयुक्त राष्ट्र का विकास तंत्र और रोम स्थित एजेंसियां सहायता करती हैं, न कि सुरक्षा परिषद।

भारत ने अपनी खाद्य सुरक्षा योजनाओं का किया जिक्र : हरीश ने खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में भारत की ओर से किए जा रहे प्रयासों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इन पहलों के जरिए भारत न केवल अपनी खाद्य सुरक्षा मजबूत कर रहा है, बल्कि वैश्विक खाद्य सुरक्षा में भी योगदान देने वाला देश बन रहा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून सब्सिडी वाले अनाज का कानूनी अधिकार देता है। वहीं, कार्यक्रम के तहत 11 करोड़ से अधिक किसान परिवारों को सीधे लाभ पहुंचाने से छोटे और सीमांत किसानों की आर्थिक मजबूती बढ़ी है।

मिलेट्स से लेकर जलवायु-अनुकूल खेती तक भारत का जोर : हरीश ने कहा कि 2023 में भारत की ओर से 'इंटरनेशनल ईयर ऑफ मिलेट्स' यानी 'अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष' को बढ़ावा दिए जाने से जलवायु-अनुकूल और पोषक तत्वों से भरपूर फसलों की ओर दुनिया का ध्यान गया। उन्होंने इसे विविध और टिकाऊ खाद्य सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने आगे कहा कि डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर और जलवायु-अनुकूल खेती के तरीकों से भारत न केवल खाद्य-सुरक्षित बना हुआ है, बल्कि वैश्विक खाद्य आपूर्ति में भी अहम योगदान दे रहा है।

होर्मुज, काला सागर और लाल सागर का हरीश ने नहीं लिया नाम : हरीश ने वाणिज्यिक जहाजरानी और समुद्री व्यापार मार्गों में रुकावटों से खाद्य सुरक्षा पर मंडरा रहे खतरों का व्यापक रूप से जिक्र किया। हालांकि, उन्होंने होर्मुज जलडमरूमध्य, काला सागर और लाल सागर में जारी तीन संघर्षों का सीधे तौर पर नाम नहीं लिया। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने हालांकि वैश्विक खाद्य सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने वाले इन तीनों संघर्षों का स्पष्ट रूप से उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि यूक्रेन में चल रहे युद्ध का असर काला सागर के जरिए होने वाले अनाज और ऊर्जा के निर्यात पर पड़ रहा है, जो यूक्रेन और रूस दोनों से होता है।

होर्मुज में उर्वरक और तेल आपूर्ति पर संकट : गुटेरेस ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया की तेल आपूर्ति के करीब पांचवें हिस्से और उर्वरक व्यापार के लगभग एक-तिहाई हिस्से को संभालता है। वहां लगे प्रतिबंधों और मार्गों के बंद होने से कीमतें बढ़ गई हैं और उपलब्धता बहुत कम हो गई है। लाल सागर में वाणिज्यिक जहाजों पर हमलों से भोजन और अन्य सामानों की आपूर्ति श्रृंखला के लिए और खतरा पैदा हो रहा है। गुटेरेस ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र ने एक सुरक्षित कॉरिडोर के जरिए होर्मुज से उर्वरक और अनाज की आवाजाही सुनिश्चित करने के व्यावहारिक तरीके सुझाए हैं।

मंजूरी में मिलेगी छूट-सेमीकंडक्टर फैक्टरी लगाना होगा आसान, जापान दौरे पर पीयूष गोयल की बड़ी घोषणाएं क्या

टोक्यों, एजेंसी। जापानी कंपनियों के लिए भारत में सेमीकंडक्टर जैसे हाईटेक कारखाने लगाना अब पहले से आसान होने जा रहा है। विदेश से मंगाई जाने वाली खास मशीनों और उपकरणों के लिए जहां बीआईएस मानक लागू हैं, वहां प्रमाणन में लगने वाला समय घटाने के लिए सरकार नया ढांचा तैयार कर रही है। इसके तहत उद्योग, कंपनी, उत्पाद या किसी खास परियोजना के स्तर पर छूट देने का विकल्प रखा जाएगा। यह एलान केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने टोक्यो में जापानी उद्योगपतियों के सामने किया। उन्होंने बताया कि बीआईएस और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय को इस पर काम शुरू करने के निर्देश पहले ही दिए जा चुके हैं। वक्त बचा तो पैसा बचा असल फायदा वक्त का है और वक्त का सीधा मतलब पैसा है। सेमीकंडक्टर का एक कारखाना अरबों डॉलर का होता है और उसमें लगने वाली मशीनें एक तय क्रम में आती हैं। एक जरूरी मशीन की मंजूरी या आपूर्ति अटकती है तो पूरी श्रृंखला प्रभावित हो सकती है और कारखाना शुरू होने की तारीख आगे खिसक सकती है। कारखाना समय पर चालू हुआ तो निर्माण के दौर की नौकरियों से लेकर संयंत्र चलाने वाले इंजीनियरों और तकनीकी कर्मचारियों तक रोजगार के अवसर भी जल्दी बनेंगे। सबसे अहम, भारत में चिप का घरेलू उत्पादन बढ़ेगा और आयात पर निर्भरता धीरे-धीरे कम करने में मदद मिलेगी। 150 अरब डॉलर की

मांग इसलिए जापान अहम भारत में सेमीकंडक्टर की मांग 2032 तक बढ़कर करीब 150 अरब डॉलर होने का अनुमान है। यानी आने वाले वर्षों में दुनिया के बड़े सेमीकंडक्टर बाजारों में भी शामिल होने जा रहा है। यही वजह है कि सरकार जापान को सिर्फ निवेशक ही नहीं, बल्कि पूरी आपूर्ति श्रृंखला के साझेदार के तौर पर देख रही है। इससे भारत की कारोबारी साख बनेगी।साथ ही सबसे बड़ा फायदा यह है कि प्रस्तावित छूट केवल तैयार उत्पादों तक सीमित नहीं होगी, बल्कि भारत में सेमीकंडक्टर मशीनरी, उपकरण, सामग्री और दूसरे जरूरी कलपुर्जों को विकसित करने की संभावना बढ़ेगी। सरकार सेमीकंडक्टर विनिर्माण में बड़े निवेश के लिए सेमीकॉन 1.0 और सेमीकॉन 2.0 के जरिए प्रोत्साहन दे रही है। सेमीकॉन 1.0 के तहत अब तक 12 विनिर्माण इकाइयों को मंजूरी मिली है और इनमें कुल 1.64 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश प्रस्तावित है।

भारत-कनाडा संबंध, सीतारमण टोरंटो पहुंचीं, पहले आर्थिक-वित्तीय संवाद में किन मुद्दों पर होगी चर्चा

वाशिंगटन, एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण मंगलवार को टोरंटो पहुंचीं। वह चार दिन के दौरे पर हैं। इस दौरान वह पहली भारत-कनाडा आर्थिक और वित्तीय संवाद में हिस्सा लेंगी। इसके बाद वह अमेरिका जाएंगी। वहां जी-20 देशों के वित्त मंत्रियों की बैठक में शामिल होंगी। टोरंटो पियर्सन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भारत के महावाणिज्य दूत महावीर सिंघवी ने उनका स्वागत किया। सीतारमण कनाडा के वित्त मंत्री फ्रांस्वा-फिलिप शैंपेन के साथ पहली आर्थिक और वित्तीय संवाद में हिस्सा लेंगी।

किन मुद्दों पर होगी बात : एक आधिकारिक बयान के अनुसार, इस संवाद में दोनों देश कई अहम मुद्दों पर अपने विचार रखेंगे। इनमें बड़ी आर्थिक स्थिति से जुड़े बदलाव शामिल हैं। वित्तीय क्षेत्र में सहयोग भी इसमें शामिल है। दोनों देशों के बीच निवेश के अवसरों पर भी चर्चा में होंगे। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर साझा प्राथमिकताओं पर भी बात होगी।

इस संवाद का एक और मकसद भारत और कनाडा के बीच नए सिरे से मजबूत हो रही आर्थिक और वित्तीय साझेदारी को और मजबूत करना है। सीतारमण बड़े कारोबारों के प्रमुखों के साथ निवेश को लेकर एक बैठक में भी हिस्सा लेंगी। इसमें ऊर्जा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और महत्वपूर्ण खनिज जैसे क्षेत्रों के प्रमुख लोग शामिल होंगे। बैठक में कारोबार से कारोबार के बीच संबंध बढ़ाने की कोशिश होगी। निवेश के नए मौके तलाशे जाएंगे। भारत और कनाडा के बीच लंबे समय की कारोबारी साझेदारी को बढ़ावा देने पर भी बात होगी। इसमें गिफ्ट सिटी-आईएफएससी में निवेश के मौके भी शामिल हैं। एक दूसरी व्यापारिक बैठक में सीतारमण कनाडा के बड़े कारोबारियों से बात करेंगी। इसमें भारत और कनाडा के बीच सहयोग के मौकों पर चर्चा होगी। लंबे समय के निवेश पर भी बात होगी। वित्तीय क्षेत्र की बढ़त पर भी चर्चा होगी। भारतीय सरकारी क्षेत्र के बैंकों के वरिष्ठ प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी भी इन चर्चाओं में हिस्सा लेंगे। इससे वित्तीय क्षेत्र में दोनों देशों के बीच ज्यादा सहयोग के रास्ते तलाशने का मौका मिलेगा।

कैरिबियाई सागर में अमेरिका ने एक और नाव को बनाया निशाना, चार की मौत, ट्रंप के ड्रग्स अभियान पर क्यों उठे सवाल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने मंगलवार को कैरिबियाई सागर में ड्रग्स की तस्करी के लिए इस्तेमाल की जा रही एक संदिग्ध नाव हमला किया, जिसमें चार लोग मारे गए। यह घटना लैटिन अमेरिका में कथित तस्करों के खिलाफ ट्रंप प्रशासन के महीनों से चल रहे अभियान के दौरान हुई है। इस ताजा हमले के साथ ही अमेरिकी सेना के नावों पर किए गए हमलों में मारे गए लोगों की संख्या कम से कम 227 हो गई है। ये हमले 68 बार किए गए हैं और इनकी शुरुआत तब हुई थी जब ट्रंप प्रशासन ने लगभग एक साल पहले उन लोगों को निशाना बनाना शुरू किया, जिन्हें वे %नार्को-टेररिस्ट(नशीले पदार्थों के तस्कर और आतंकवादी) कहते हैं।

सेना ने क्या कहा : पूर्वी प्रशांत महासागर और कैरिबियाई सागर में हमलों के बारे में सेना के ज्यादातर बयानों की तरह ही,अमेरिकी सदर्न कमांड ने कहा कि उसने तस्करी के जाने-पहचाने रास्तों पर कथित ड्रग तस्करों को निशाना बनाया। सेना ने इस बात का कोई सबूत नहीं दिया कि नाव से ड्रग्स की तस्करी हो रही थी। एक्स पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में एक चलती हुई नाव जैसी चीज की तस्वीर दिखी, जिसके बाद एक चमक (फ्लैश) दिखाई दी।

इससे पहले कब हुआ था हमला : मंगलवार को हुआ यह हमला, पूर्वी प्रशांत महासागर में अमेरिकी सेना की ओर से एक नाव पर किए गए हमले के ठीक दो दिन बाद हुआ, जिसमें ड्रग्स की तस्करी के आरोपी दो लोग मारे गए थे। यह कार्रवाई कथित तस्करों के खिलाफ अमेरिकी अभियान में दो महीने से के ज्यादा अंतराल के बाद की गई थी। ट्रंप प्रशासन कई लैटिन अमेरिकी देशों में जमीन पर भी अपना हमलावर अभियान चलाने के लिए सहयोगी देशों के साथ समझौते करने की कोशिश कर रहा है। रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने इस महीने पनामा की यात्रा की। इस दौरान कहा कि कोलंबिया, ग्वाटेमाला और होंडुरास इस बात पर सहमत हो गए हैं कि अमेरिका उनकी जमीन पर आपराधिक समूहों के खिलाफ संयुक्त सैन्य अभियान चला सके। ग्वाटेमाला ने ऐसे किसी समझौते पर पहुंचने से इनकार किया। इक्वाडोर ने मार्च में अमेरिका के साथ इसी तरह के मिशन शुरू किए थे। आलोचकों ने नावों पर किए गए हमलों की कानूनी वैधता और उनकी प्रभावशीलता पर सवाल उठाए हैं, आंशिक रूप से इसलिए क्योंकि कई जानलेवा ओवरडोज के लिए जिम्मेदार फेंटानिल की तस्करी आमतौर पर मेक्सिको से जमीन के रास्ते अमेरिका में की जाती है।

न्यूयार्क में तिलक से स्वागत-मैडिसन स्क्वायर गार्डन में संबोधन; मोहन भागवत के तीन देशों के दौरे पर टिकी नजरें

अल्बानी, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत मंगलवार को न्यूयॉर्क पहुंचे। यह उनके तीन देशों अमेरिका, कनाडा और यूनाइटेड किंगडम के ग्लोबल आउटरीच दौरे का पहला चरण है। संघ के शताब्दी वर्ष समारोह के तहत स्थानीय संगठनों के निमंत्रण पर हो रहे इस दौरे के दौरान भागवत भारतीय समुदाय के लोगों के साथ-साथ स्थानीय संगठनों के प्रतिनिधियों से भी संवाद करेंगे। न्यूयॉर्क पहुंचने पर उनका पारंपरिक तरीके से तिलक लगाकर गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

मैडिसन स्क्वायर गार्डन में होगा बड़ा आयोजन : मोहन भागवत शनिवार को न्यूयॉर्क शहर के प्रसिद्ध मैडिसन स्क्वायर गार्डन में 'यूनिवर्सल वननेस सेलिब्रेशन्स' यानी 'सार्वभौमिक एकता समारोह' को संबोधित करेंगे। यह एक बड़े और विविध समुदाय की भागीदारी वाला कार्यक्रम होगा, जिसका आयोजन 'अमेरिकन हिंदूज़ फॉर एंगेजमेंट एंड डायलॉग' फोरम की ओर से किया जा रहा है। भागवत के इस संबोधन को लेकर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काफी दिलचस्पी देखी जा रही है। यह आयोजन एकता, नागरिक कर्तव्य और वैश्विक सद्भाव जैसे आधुनिक विचारों के साथ हिंदू त्योहार रक्षाबंधन की पारंपरिक भावना को जोड़ते हुए मनाया जाएगा।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ विभिन्न धर्मों के प्रतिनिधि भी होंगे शामिल : आयोजकों के मुताबिक, कार्यक्रम में दिन की थीम के अनुरूप विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी आयोजित की जाएंगी। इसके अलावा अलग-अलग धर्मों के प्रमुख वक्ता भी समारोह में शामिल होंगे और एकता तथा वैश्विक सद्भाव का संदेश देंगे।

25 अगस्त से शुरू हुआ तीन देशों का दौरा : इससे पहले के प्रचार प्रमुख सुनील अंबेडकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए बताया था कि मोहन भागवत 25 अगस्त 2026 से अमेरिका, कनाडा और यूनाइटेड किंगडम के दौरे पर रहेंगे। यह यात्रा इन देशों में सक्रिय स्थानीय संघ इकाइयों और विभिन्न संगठनों के निमंत्रण पर आयोजित की जा रही है।

आतंकी पन्नू को फिर मिली जान से मारने की धमकी, एफबीआई और कनाडाई पुलिस ने किया सतर्क, यात्रा को लेकर कही यह बात

अल्बानी, एजेंसी। एक खालिस्तानी आतंकी ने मंगलवार को कहा कि एफबीआई और रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस ने उन्हें चेतावनी दी है कि उनके जान को खतरा है। वहीं,भारत के एक व्यक्ति को 2023 में उनके खिलाफ हत्या की साजिश रचने के लिए इस साल के अंत में सजा सुनाई जाएगी।

एफबीआई एजेंट ने क्या चेतावनी दी है : सिख्स फॉर जस्टिस के जनरल काउंसल गुरपतवंत सिंह पन्नू ने कहा कि पिछले गुरुवार को उनसे मिलने आए एफबीआई एजेंटों ने उन्हें चेतावनी दी थी कि जब तक खतरा टल नहीं जाता, तब तक उन्हें यात्रा नहीं करनी चाहिए। वहीं, अगर वे यात्रा करते हैं, तो उन्हें अपनी योजनाओं के बारे में एजेंसी को पहले से बताना होगा।

उन्होंने बताया कि रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस ने मंगलवार को उन्हें फोन पर चेतावनी दी थी, हालांकि किसी भी कानून लागू करने वाली एजेंसी ने उस साजिश के बारे में कोई जानकारी नहीं दी जिसका पता चला था। दोनों एजेंसियों से टिप्पणी के लिए भेजे गए संदेशों का तुरंत कोई जवाब नहीं मिला।

क्या है ड्यूटी टू वॉर्न : पन्नू, जो एक अमेरिकी और कैनेडियन नागरिक है। उसने कहा कि उन्हें अमेरिका के 'ड्यूटी टू वॉर्न'(चेतावनी देने का कर्तव्य) कानून के तहत चेतावनी दी गई। यह कानून अमेरिकी खुफिया और कानून लागू करने वाली एजेंसियों को निर्देश देता है कि जब उन्हें हत्या, गंभीर शारीरिक नुकसान या अपहरण के विश्वसनीय और ठोस खतरों का पता चले, ते वे संबंधित व्यक्तियों को इसकी सूचना दें। यह नई धमकी ऐसे समय में आई है जब भारत के निखिल गुप्ता, जिन्होंने फरवरी में साजिश के आरोपों में अपना जुर्म कबूल कर लिया था। उसे 2023 में पन्नू की हत्या की साजिश रचने के मामले में मैनहट्टन की फेडरल कोर्ट में 20 नवंबर को सजा होनी है।

निखिल गुप्ता को क्या सजा मिल सकती है : एफबीआई ने कहा है कि गुप्ता को हत्या करने का निर्देश भारत सरकार के एक कर्मचारी ने दिया था। जब गुप्ता ने कोशिश की, तो अनजाने में उसने एक अंडरकवर लॉ एनफोर्समेंट ऑफिसर से बात की जो एक हिटमैन(किराये का हत्यारा) बनकर बात कर रहा था। फेडरल सजा के नियमों के अनुसार, गुप्ता को कम से कम 20 साल जेल में बिताने पड़ सकते हैं।

पन्नू, जो एक अलग सिख देश बनाने की वकालत करते हैं। उन्होंने मंगलवार को एक फोन इंटरव्यू में कहा मुझे उनकी जान से मारने की धमकियों से डर नहीं लगता। हालांकि उन्होंने उम्मीद जताई कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी का प्रशासन अमेरिका और कनाडा की संप्रभुता के लिए खतरों को लेकर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात करेगा। पन्नू ने खुद को एक सिख मानवाधिकार वकील बताया है जो पंजाब को ऐसी जगह बनाने के लिए अभियान चला रहे हैं जहां सभी धर्मों को समान अधिकार हों।

स्टार्टअप से यूनिकॉर्न तक- टोक्यो में पीयूष गोयल ने गिनाई भारत की कामयाबी, बोले- युवा अब नौकरी ले नहीं, दे रहे

एदो, एजेंसी। जापान के टोक्यो में स्टार्टअप्स के साथ एक राउंडटेबल बैठक को संबोधित करते हुए केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत का स्टार्टअप इकोसिस्टम दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा है। उन्होंने कहा कि 'स्टार्टअप इंडिया' पहल को शुरू हुए अब 10 साल हो चुके हैं और इस दौरान देश में स्टार्टअप्स की संख्या में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है। दस साल पहले जहां इनकी संख्या महज 400-500 के आसपास थी, वहीं आज यह आंकड़ा करीब 2,50,000 तक पहुंच गया है। भारत में 130 से अधिक यूनिकॉर्न हैं और करीब आधे नए स्टार्टअप छोटे शहरों से सामने आ रहे हैं। गोयल ने भारत से जापान पहुंचे 200 से अधिक कारोबारियों के प्रतिनिधिमंडल को भी दोनों देशों के कारोबारी रिश्तों के लिए अहम बताया।

युवाओं की सोच में आया बड़ा बदलाव : गोयल ने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा इसके साथ ही युवाओं की सोच में भी बड़ा बदलाव आया है। आज भारत का युवा सिर्फ नौकरी तलाशने वाला नहीं, बल्कि नौकरी देने वाला बन रहा है। वह इनोवेटर है, विचारक है और नए विचारों के साथ आगे बढ़ रहा है। वह असफलता से घबराने के बजाय उसे सफलता की सीढ़ी बनाने के लिए तैयार है। वह असफल होने के बाद फिर उठकर बेहतर अवसर की तलाश करने का हौसला रखता है और जोखिम लेने से भी पीछे नहीं हटता। युवा अच्छे करियर और मोटी सैलरी का जोखिम उठाकर अपना उद्यम शुरू करने के लिए तैयार हैं और इनमें से कई कामयाबी की नई मिसाल बनकर उभरे हैं। गोयल ने कहा कि भारत में 130 से अधिक यूनिकॉर्न और कई सौ 'सूनिकॉर्न' हैं। ये युवा अपनी उपलब्धियों के साथ-साथ अलग तरीके से सोचने और नए रास्ते तलाशने की क्षमता से भी देश को गौरवान्वित कर रहे हैं।

छोटे शहरों से निकल रहे हैं नए स्टार्टअप : पीयूष गोयल ने कहा कि दुनिया तेजी से बदल रही है और आज उद्यमिता केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं रह गई है। उन्होंने कहा कि भारत में शुरू होने वाले नए स्टार्टअप्स में करीब आधे छोटे शहरों से आ रहे हैं। यह बदलाव देश के बदलते कारोबारी माहौल और युवाओं में बढ़ती उद्यमशीलता को दर्शाता है। गोयल ने कहा कि छोटे शहरों से आने वाले इन उद्यमियों पर भारत को गर्व है।

'शार्क टैंक' की तर्ज पर होगी स्टार्टअप प्रस्तुति श्रृंखला : गोयल ने भारत और जापान के बीच स्टार्टअप्स के लिए लोकप्रिय कार्यक्रम 'शार्क टैंक' की तर्ज पर एक विशेष प्रस्तुति श्रृंखला शुरू करने का प्रस्ताव रखा। इसका उद्देश्य दोनों देशों के युवा स्टार्टअप्स को निवेशकों और संभावित कारोबारी साझेदारों से जोड़ना है। टोक्यो में स्टार्टअप्स को लेकर आयोजित एक गोलमेज बैठक में गोयल ने कहा कि डिजिटल संपर्क का लाभ उठाते हुए इन प्रस्तुतियों का आयोजन ऑनलाइन भी किया जा सकता है, जिससे भारतीय और जापानी स्टार्टअप्स के बीच बातचीत और सहयोग के नए रास्ते खुलेंगे। पीयूष गोयल ने कहा, भारत और जापान मिलकर 'शार्क टैंक' जैसी एक प्रस्तुति श्रृंखला विकसित कर सकते हैं, जिससे युवा स्टार्टअप्स को अपने विचार पेश करने का मौका मिलेगा।भारतीय स्टार्टअप्स जापानी निवेशकों के सामने अपने विचार और कारोबारी योजनाएं रख सकते हैं, जबकि जापानी स्टार्टअप्स भारत में अपने लिए साझेदार और कारोबारी अवसर तलाश सकते हैं।

ऑनलाइन बैठकों से बढ़ेगा दोनों देशों के स्टार्टअप्स का संपर्क : गोयल ने कहा कि आज इंटरनेट और वीडियो बैठक जैसे माध्यमों के जरिए दुनिया पहले से कहीं अधिक जुड़ी हुई है। ऐसे में भारत और जापान के स्टार्टअप्स के बीच लगातार प्रस्तुति सत्र आयोजित किए जा सकते हैं। इंटरनेट और वीडियो बैठकों के जरिए दुनिया के इस वैश्विक जुड़ाव के दौर में हम अधिक से अधिक प्रस्तुति सत्र आयोजित कर सकते हैं, जहां भारतीय स्टार्टअप्स जापानी निवेश के लिए अपने विचार पेश करें और जापानी स्टार्टअप्स भारत में साझेदार तलाशें। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने कहा कि इस पहल का मकसद केवल स्टार्टअप्स को अपने विचार पेश करने का मंच देना नहीं, बल्कि शुरुआती प्रस्तुतियों को वास्तविक कारोबारी सहयोग में बदलना है। उन्होंने कहा कि हम साथ मिलकर अधिक कारोबारी संपर्क विकसित करें और प्रस्तुतियों से आगे बढ़कर प्रायोगिक परियोजनाओं, निवेश और बड़े स्तर पर विस्तार की दिशा में आगे बढ़ें। पीयूष गोयल ने जापान की कंपनियों और स्टार्टअप्स को भारत के साथ मिलकर काम करने का न्योता भी दिया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच मजबूत आर्थिक सहयोग से व्यापक स्तर पर समृद्धि और नए अवसर पैदा होंगे।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.